

# उपयोजित संख्याशास्त्र

## Applied Statistics



16

81

38

**प्रा. डॉ. युवराज बालाराम गोंडसव**

(बी.ए., बी.एड., बी.पी.एड., एम.ए., मानवसंसाधन, मुंबई., पी.एच.डी.)



नोबल  
प्रकाशन



# साहित्य साधना

डॉ. देवीदास इंगळे गौरव ग्रन्थ



सम्पादक

डॉ. अशोक मर्डे

डॉ. विनोदकुमार वायचळ

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। सम्पादक एवं प्रकाशक को लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश की फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग को प्रमाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचार प्रसारित नहीं किया जा सकता।

- पुस्तक : साहित्य साधना (डॉ. देवीदास इंगळे गौरव ग्रन्थ)  
सम्पादक : डॉ. अशोक वसंतराव मर्डे  
डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ 'वेदार्य'  
आई.एस.बी.एन. : 978-93-91913-00-7  
संस्करण : प्रथम, सन् 2021  
© : सम्पादक  
मूल्य : ₹ 795.00 मात्र  
प्रकाशक : अमन प्रकाशन  
104-ए /80 सी, रामबाग, कानपुर-208 012 (उ.प्र.)  
मो. : 09839218516, 9044344050  
फोन : 0512-3590496 (ऑफिस)  
शब्द सज्जा : अमन ग्राफिक्स, रामबाग, कानपुर  
मुद्रक : आर.बी.ऑफसेट प्रिंटेर्स, नौबस्ता, कानपुर

SAHITYA SADHNA (Dr. Devidas Engley Gourav Granth)

Edited by : Dr. Ashok Vasantraw Marde, Dr. Vinodkum  
Vaychal

Price : Rs. Seven Hundred Ninty Five Only

14	राग-विराग के अनुरागी : श्रीलाल शुक्ल डॉ. विनय चौधरी	84-88
15	देश और विदेश में हिन्दी भाषा की स्थिति प्रो. डॉ. मुकुंद गायकवाड़	89-94
16	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संत कवि रैदास के विचार प्रो. डॉ. आसाराम बेवले	95-100
17	21 वीं सदी के हिन्दी कहानी साहित्य में स्त्री विमर्श प्रो. डॉ. अनुराध मिरगणे	101-105
18	संवेदनशील कवि राजेश जोशी प्रो. डॉ. अशोक मर्डे	106-109
19	संस्कृत भाषा के ऐतिहासिक नाटक : शोधकार्य का एक उपेक्षित क्षेत्र डॉ. विनोदकुमार वायचळ	110-118
20	'अभंग-गाथा' नाटक में संस्कृति बोध का चित्रण डॉ. बालाजी गरड	117-121
21	'चित्रलेखा' का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन : चयन तत्व के संदर्भ में डॉ. रमेश आडे	122-126
22	21 वीं सदी : हिन्दी साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ डॉ. दरेप्पा बताले	127-134
23	वैश्वीकरण और हिन्दी : स्थिति और दिशा डॉ. दत्तात्रय फुर्के	135-140
24	सूर्यबाला कृत 'दीक्षांत' उपन्यास में अभिव्यक्त अस्थायी अध्यापक की व्यथा डॉ. कन्नुलाल विटोरे / प्रा. रामहरी काकडे	141-145
25	प्रेमचंद की 'कफन' कहानी डॉ. महादेव खोत	146-149
26	वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में कबीर की मानवतावादी दृष्टि डॉ. नयनाथ गाडेकर	150-154
27	जयशंकर प्रसाद के नाटकों में अभिव्यक्त दार्शनिक विचारधारा डॉ. रूपचंद्र खराडे	155-159

## वैश्वीकरण और हिंदी : स्थिति और दिशा

डॉ. दत्तात्रय फुके



21वीं सदी के तिनद से हमारी अलसाई आँखें खुली और हमने देखा कि हम सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं - बाजारवाद, भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण से साथ ही साथ हम अतीत से लेकर वर्तमान और वर्तमान से भविष्य तक के सभी संकेतों से भी प्रभावित हो रहे हैं। हम रात-दिन, हर समय समकालीन और भविष्यकालीन समस्याओं से जूझते रहते हैं और इससे होती है हमारी प्रगति।

21 वीं सदी में वैश्वीकरण, बाजारवाद, भूमंडलीकरण के दबावों में विश्व की अधिकांशतः संस्कृतियाँ और भाषाएँ जो अदान-प्रदान व अद्वेषतन-संवाद की प्रक्रिया से गुजर रही थी और ऐसे में हमारी, आपकी और पूरे विश्व की हिंदी ने मनुष्य को मनुष्य से निकट लाने की दिशा में नए कार्य किया है, आरम्भ से ही हिंदी की मूल प्रकृति लोकतान्त्रिक तथा समात्मक सम्बन्ध स्थापित करने की रही है, आज वैश्वीकरण हमें गले की आकर्षित कर रहा हो, किन्तु यह उसका यथार्थ रूप नहीं है, असत में वैश्वीकरण नवपूजीवाद का ही नागाकरण है, जिसे आर्थिक उदारीकरण या निजीकरण भी कह सकते हैं। फिर भी वर्तमान सन्दर्भ में वैश्वीकरण का अर्थ व्यापक तौर पर बाजारीकरण ही है वैश्वीकरण भारत के लिए एक सांस्कृतिक आक्रमण भी है। वैश्वीकरण की असलियत को स्पष्ट करते हुए डॉ. लोकेशचन्द्र लिखते हैं - 'वैश्वीकरण का अर्थ 'विश्व-विजय' है। इसके लिए मनुष्य की आर्थिक लिप्सा और विलासिता की मांगमाया को उपभोक्तावाद, उदारीकरण और फैशन की जुमावनी नग्नता, उपयोगिता और उदारता के आकर्षक शब्दों से भड़काया जा रहा है। वैश्वीकरण के इस दौर में भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। भारत विश्व का सबसे बड़े बाजार का देश है, और सबसे अच्छी बात तो यह है कि इस बाजार का माध्यम भाषा हिंदी है। वैश्वीकरण के इस नाटकीय दौर में जहाँ तक हिंदी भाषा के प्रयोग का सवाल है वहाँ तक हिंदी के भविष्य की भी देखना आवश्यक है।'<sup>(1)</sup>

आज हम पल-पल बदलती हुई इस दुनिया में देखते हैं कि बाजारवाद के कारण पूरा संसार मानो एक ग्राम की तरह हो गया है। आज के समय में हम बाजार की दुनिया में खोकर अंतर्राष्ट्रीयता के सपने देखने

लगे हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी के सभी शुभचिंतकों के मन यही चिंतनीय बात बार-बार, कई बार उभरता है कि बाजारवाद या भूमंडलीकरण के इस दौर में हमारी संस्कृति, हमारी हिंदी भाषा और साहित्य का क्या होगा...?

विकास ही भाषा की जीवन्तता का परिचायक है। जब से हिंदी राजभाषा बनी तब से उसका विकास की गति दिन दुनी रात चीमुनी बढ़ रही है। अब हमारी हिंदी का क्षेत्रफल भारत तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि विदेशों में भी यह अपनी सफलता के परचम फहरा रही है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-351 में हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रावधान हैं। आज 21 वीं सदी में समूचे विश्व में हिंदी बोलनेवालों की संख्या 1290617988 है। विश्व की जनसंख्या में कुल 18.5 प्रतिशत लोग हिंदी जानते हैं।

हिंदी सबसे सरल, सुराम, सुबोध, वैज्ञानिक और शाश्वत मूल्यों की भाषा है। इसी विशेषता के चलते हिंदी आज विश्व भर में अपनी सफलता के अंडे गाड़ रही है। आचार्य राजेन्द्रनाथ ने अपनी बात कहते हुए बताया है कि - 'मैं मैकेनिकल इंजीनियर था 2001 में न्यूयार्क के संयुक्तराष्ट्र संघ के रुमागार में आयोजित 11 वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए मुझे बुलाया गया था। जब मैंने विदेशियों के मन में हिंदी के प्रति इतना प्रेम देखा तो मैंने भी संकल्प लिया कि मैं भी हमेशा हिंदी के लिए समर्पित होता रहूँगा।'<sup>1</sup>

21 वीं सदी में हिंदी भाषा व साहित्य की विद्यति पर वैश्विक संपर्क में विचार करती समय सबसे पहले जो बात सामने आती है वह यह है कि आज क्या कहेंगे हैं... हिंदी बोलने वालों की संख्या के आंकड़े,? हम कह सकते हैं कि विश्वभर में वाक जनाती हुई हिंदी दिन दुनी रात चीमुनी गति से अपनी विद्यति के उत्तर को ऊंचा कर रही है। देश-विदेश में इसे जानने-समझने व बोलने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण ही हिंदी बोलनेवालों की संख्या में विपुलता से इजाफा हुआ आँदू देखाते हैं टॉप 10 स्तर पर हिंदी जानने वाले, समझने वाले और बोलने वाले देश - भारत - 1023541490, पाकिस्तान - 106112311, बांग्लादेश - 59523421, नेपाल - 25234117, न्यामार - 3221134, मलेशिया - 2711212, यु. क. - 2532113, अमेरिका - 2212415, दक्षिण अफ्रीका - 1512111, राकदी अरब - 1508216.

एक शोध रिपोर्ट में चीनी भाषियों की तुलना में हिंदी भाषियों की संख्या में बढ़त इस प्रकार दिखाई गई -

- (1) 1997 - हिंदी - 800, चीनी-790
- (2) 2005 - हिंदी - 1022, चीनी-900
- (3) 2007 - हिंदी - 1023, चीनी-920
- (4) 2008 - हिंदी - 1100, चीनी-967
- (5) 2012 - हिंदी - 1200, चीनी-1050
- (6) 2015 - हिंदी - 1300, चीनी-1100

उपरोक्त सभी आंकड़े मिलियन में हैं।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों का यहाँ आना, अपने व्यापार को बढ़ाना इस भाषा में पहले उन्हें (विदेशियों को) भारतीयों की जुबान हिंदी और प्रादेशिक भाषाओं को न्यूनतम रूप में जानना पड़ता है। सूचना प्रौद्योगिकी के विकास के कारण हमारी ही भाषा के माध्यम से सूचनाओं को बेचना, लोगों को मनोरंजन में डूबा देना इत्यादि साधनों से आमजन की बात आमजन की भाषा में होनी चाहती है। इन लोगों के सामने कामनाओं का संसार रचा जा सकता था। नतीजन हिंदी बोलने वालों की संख्या न निरंतर वृद्धि होने लगी। और देखते ही देखते अब हिंदी "विश्व मातृभाषा" बन गई है। इंटरनेट के इस युग ने हिंदी को वैश्विक वाक्य जमाने में नया आत्ममान मुहैया करवाया है। हिंदी की वैश्विक सफलता के तहत इंटरनेट ने भी अपनी बहुत सी जगह लोगों को समर्पित की है। हिंदी जानने, समझने व बोलने वालों की कड़ती संख्या के चलते अब विश्वभर की वेब साइट हिंदी को तबज्जों दे रही है। आज ईकॉमर्स, ईबुक, इटर्नेट, एरा,एन,एस, और वेब दुनिया में हिंदी को जो शक्तिता से पाया जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, आईबीएम तथा एअल जैसी महत्त्वपूर्ण कम्पनियां अत्यंत व्यापक बाजार और भारी मुनाफे के देखते हुए स्वयं भी यह मुनाफा प्राप्त करने के लिए हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहन से अधिक बढ़ावा दे रही हैं। विदेशों में 25 से अधिक पत्र-पत्रिकाएँ नियमित रूप से हिंदी में प्रकाशित हो रही हैं। रेडियो पर भी यु.ए.इ. के एफ-एम, एम.एस. सहित अनेकानेक हिंदी के कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। अमेरिका ने हिंदी शिक्षण के लिए अर्बों रुपये का बजट भी निर्धारित किया। हम कह सकते हैं कि आज वैश्वीकरण के इस दौर में हिंदी भाषा की शक्ति बेहतर से बढ़िया तो हो ही रही है साथ ही इसकी दिशा भी आगे की ओर ही बढ़ रही है।

आज विश्व के लगभग सभी देशों में हिंदी के शुभ कदम पड़े चुके हैं। 18 वीं - 19 वीं सदी में जो हिंदी भाषा कुली या गिरमिटियों के माध्यम से विदेशों में पहुँची थी वह आज पल्लवित-पुष्पित होकर बहुत अधिक विकसित हो गई है। बीसवीं सदी में जो लोग नौकरी करने विदेश गए थे वे भी सताने और ये आज भी वहाँ हिंदी का प्रयोग करते हैं। हिंदी संसार का आधुनिकतम विकसित भाषा है। वह किसी एक प्रदेश में विकसित नहीं हुई है। बल्कि समय के साथ और समय की मार के अनुसार भाषा-जनार्दन में विकसित हुई है। और आज हमारी हिंदी न सिर्फ भारत के बल्कि विश्वभर के लोगों के दिलों की धड़कन बन गई है। राजभाषा के सन्दर्भ में महात्मा गांधी ने 1918 के हिंदी साहित्य सम्मेलन इंदौर में कहा था - 'आप हिंदी को भारत की राष्ट्र भाषा बनाने का गौरव प्रदान करें। हिंदी सभी समझते हैं। कोई भी देश पच्चे अर्थों में तब तक स्वतंत्र नहीं है जब तक वह अपनी भाषा में नहीं बोलता।'<sup>(1)</sup> सूचना क्रांति ने विश्व को एक गोल बना दिया है। आज गर्गेश शंकर मिश्राजी का यह कथन सत्य साबित हो चुका है। उन्होंने कई वर्ष पहले गान्धपुर अधिवेशन में कहा था - 'एक



दिन हिंदी एशिया में ही नहीं, विश्व की पचासत में महत्त्वपूर्ण भाषिका अदा करेगी।<sup>(1)</sup>

बत जब हिंदी की वैश्विक स्थिति की है तो ये मुद्दे भी पाठकों के सामने आना आवश्यक है — जिससे बताया गया है कि विदेश के लोग कितने तरह हिंदी से जुड़ते हैं और लगाव रखते हैं। यूरोप के डॉ. मानिकानो कहते हैं — भारत हमेशा से यूरोप के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। वह आकर्षण खास तौर पर भारतीय दर्शन के लिए रहा है। एक दिलचस्प बात यह है कि भारत की प्राचीन संस्कृति का आधुनिकता के साथ मिश्रण तब बिना किसी टकराहट के होता है। भारतीय संस्कृति की इसी विशेषता के कारण ही मेरा जुलूस हिंदी की तरफ हुआ। मेरा यह मानना है कि यदि भारत को जानना हो तो हिंदी को जानना जरूरी है।<sup>(2)</sup>

बत जब हिंदी के अध्ययन-अध्यापन और रक्षा-सम्मान की बात नहीं है तो भारतीयों से अधिक विदेशियों ने हिंदी के लिए अपनी समर्पण नीति दिखालाई है। हिंदी की सबसे पहली डॉ. लिट. 40 के दशक में युनियर्सिटी ऑफ लन्दन ने जो. ई. कार्पेटर की 'गुलसीदार का धर्म दर्शन' इस विषय पर दी थी। इसी प्रकार स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राध्यापक लियु हेन की कब्र पर लिखी गई पुस्तक बीजाक का कोई जाती नहीं है।

सन् 1877 में डॉ. पिअर काहलेंडर विश्व भ्रमण पर निकले और भारत पहुँचे। उन्हें भारत इतना पसंद आया कि 1952 तक यहाँ रहे। इस दौरान वाराणसी में हिंदी सीखी और पी.एच.डी. करने के बाद उन्होंने ब्रिस्लॉक, आस्ट्रेलिया और सिंगापुर के विश्वविद्यालयों में हिंदी का अध्यापन किया।

किसी भी देश के लिए यह गौरव की बात होती है कि उनकी भाषाओं का अध्ययन विदेशियों द्वारा उच्च स्तर पर और व्यापक रूप से हो तो अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी उस भाषा को ख्याती प्राप्त हो सकती है। भारत की भाषा यानी हिंदी अपनी गरिमा के कारण केवल भारत में ही नहीं अपितु विश्व के अनेक देशों के महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में गौरवपूर्ण स्थान पा चुकी है। इससे भारतीय ही नहीं विदेशी भी स्वयं को भाग्यशाली समझते हैं। भारत को समझने की दृष्टि से सप्ताह के लगभग 108 शिक्षण संस्थाओं में हिंदी का अध्ययन-अध्यापन होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 33 विश्वविद्यालयों में हिंदी का अध्ययन-अध्यापन होता है।

चीन में हिंदी भाषा का शुभारम्भ 1942 में हुआ। पेंद्रचिंग विश्वविद्यालय ने लगभग 1300 विद्यार्थियों को हिंदी सिखने के लिए बुलाया जो चीन के विभिन्न प्रान्तों से आये थे। अब ये लोग अच्छी तरह से हिंदी जानते हैं और हिंदी से सम्बंधित कार्य भी हिंदी में ही करते हैं।

ब्रिटेन में हिंदी का नियमित शिक्षण तीन विश्वविद्यालयों में होता है—लंदन, केंब्रिज और यॉर्क विश्वविद्यालय इनमें भाषा के साथ-साथ क्षेत्रीय संस्कृति, सामाजिक जीवन और राजनीति आदि पर भी विशेष जोर

दिया जाता है और इसी तरह पश्चिम जर्मनी के 14 विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में हिंदी भाषा व साहित्य का अध्ययन होता है।

आज इंग्लैंड के चार विश्वविद्यालयों में हिंदी का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। इटालियन लोगों में भारतीय संस्कृति, सभ्यता तथा धार्मिक भावनाओं को जानने और समझने की विशेष उत्सुकता है। यहाँ के लोगों की नज़र में भारत एक अद्भुत देश है, जिसकी रहस्यमय संस्कृति है और जिसका एक भव्य इतिहास है। फ्रांस में पेरिस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में बोलचाल की हिंदी, संस्कृत तथा साहित्य तीनों पर समान रूप से ध्यान दिया जाता है। आस्ट्रेलिया के दो विश्वविद्यालयों, कैनबरा राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और मेलबोर्न विश्वविद्यालय में हिंदी पढ़ाई जाती है।

जापान में भी हिंदी काफी लोकप्रिय है। जापान रेडिओ में हिंदी कार्यक्रम 1950 से प्रसारित हो रहे हैं। फिजी में हिंदी को असाधारण गौरव प्राप्त है। यहाँ पर हिंदी व्यापार की भाषा है, बाजार की भाषा है, किसान और कारखाने की भाषा है। मॉरिशस में भी हिंदी बहुत लोकप्रिय भाषा है। देश भर में प्राथमिक स्कूलों की कुल संख्या 205 है। जिनमें से 260 स्कूलों में नियमित रूप से हिंदी की पढ़ाई चलती है। आज विदेशी लोग हिंदी भाषा व साहित्य सृजन कर रहे हैं। इसलिए हिंदी आज न सिर्फ हमारे भारत की बल्कि विदेशों की भी एक प्रतिष्ठित भाषा बन गई है और पूरे विश्व में धीरे-धीरे अपनी जड़ें जमाने लगी है।

और अंत में अपने आलेख को हिंदी प्रेमी कासार मुरलीधर के इन सुन्दर लपजों से विराम दूंगा—

‘कहना तो बहुत चाहता हूँ, पर क्या करूँ...  
कभी वक्त ने तो कभी जुबानें साथ नहीं दिया ।  
कभी हम अपनी खामोशी में खामोश रहे,  
कभी वक्त की खामोशी ने कहने नहीं दिया...।’<sup>(1)</sup>

हिंदी को लिए इनका जलकता प्रेम इन पंक्तियों में दर्शित हो रहा है—

‘हिंदी दिवस हमारे लिए पर्व है ।  
इस वर हम सभी को गर्व है... ।  
सम्मानित हो यह राष्ट्र भाषा ।  
हम सभी की यही अभिलाषा...।’<sup>(2)</sup>

सन्दर्भ सूची

- (1) वैश्वीकरण की चुनौतियों और हिंदी - डॉ. महमूद पटेल -  
सम्पादक - डॉ. शहाबुद्दीन शेख - पृष्ठ संख्या - 19
- (2) राष्ट्रभाषा हिंदी - कितनी सही, कितनी प्रेरक - डॉ. दत्तात्रेय  
पंडले - संपादक - डॉ. सुनील कुलकर्णी - पृष्ठ संख्या -  
86
- (3) राष्ट्रभाषा हिंदी - डॉ. नसीमा पठान - पृष्ठ संख्या - 3

- (4) राष्ट्रभाषा हिंदी – कितनी सही, कितनी प्रेरक दत्तात्रेय पेडले  
–सम्पादक – डॉ. सुनील कुलकर्णी – पृष्ठ संख्या – 86
- (5) राष्ट्रभाषा हिंदी – कितनी सही, कितनी प्रेरक – कासार  
मुरलीधर दीपक – पृष्ठ संख्या – 161
- (6) राष्ट्रभाषा हिंदी— कितनी सही, कितनी प्रेरक – कासार  
मुरलीधर दीपक – पृष्ठ संख्या – 163
- (7) राष्ट्रभाषा हिंदी कितनी सही, कितनी प्रेरक – कासार मुरलीधर  
दीपक – पृष्ठ संख्या – 164



## अनुबंधचतुष्टय

- ◆ संपादकीय आठ
- ◆ एक : कालानुबंध आणि संप्रदाय
१. भक्ती द्रविड उपजी  
डॉ. प्रभाकर मांडे, अहमदनगर २३
  २. संप्रदायाच्या अभ्यासाच्या दिशा  
डॉ. म. रा. जोशी, नागपूर २८
  ३. वारकरी संप्रदाय : महाराष्ट्राचे सांस्कृतिक संचित  
कै.डॉ. वा. सु. गिंदे, बेळगाव ३६
  ४. मध्ययुगीन मराठी संतकाव्याचा केशरमेळा  
डॉ. उषा मा. देशमुख, मुंबई ४६
  ५. भक्तिकालीन संत-महंतांचे भाषाभान आणि भाषा उपयोजन  
डॉ. लीला गोविलकर, अहमदनगर ६३
  ६. भक्तिपरंपरा आणि सामाजिक भान  
डॉ. श्यामसुंदर मिरजकर, मायणी ८३
  ७. बौद्ध परंपरा आणि संत साहित्य  
प्राचार्य डॉ. कमलाकर कांबळे, अंबाजोगाई ८९
  ८. जैन धर्म व भक्ती  
प्रा. गो. प. भालेराव, सेनगाव ९६
  ९. वीरशैव धर्म संप्रदाय  
डॉ. श्यामा घोणसे, पुणे १०३
  १०. स्वामी नारायण संप्रदाय  
डॉ. संजयकुमार करंदीकर, बडोदा (गुजरात) ११५
  ११. निंबरगी संप्रदायाचा भक्तिप्रवाह  
कै. डॉ. नरेंद्र कुंटे, सोलापूर १२२
  १२. महानुभाव साहित्य संशोधनाचा पुनर्विचार : काही अभ्यास  
डॉ. अविनाश आवलगावकर, पुणे १४३

## अनुबंधचतुष्टय

- ◆ संपादकीय आठ
- ◆ एक : कालानुबंध आणि संप्रदाय
१. भक्ती द्रविड उपजी  
डॉ. प्रभाकर मांडे, अहमदनगर २३
  २. संप्रदायाच्या अभ्यासाच्या दिशा  
डॉ. म. रा. जोशी, नागपूर २८
  ३. वारकरी संप्रदाय : महाराष्ट्राचे सांस्कृतिक संचित  
कै.डॉ. वा. सु. गिंदे, बेळगाव ३६
  ४. मध्ययुगीन मराठी संतकाव्याचा केशरमेळा  
डॉ. उषा मा. देशमुख, मुंबई ४६
  ५. भक्तिकालीन संत-महंतांचे भाषाभान आणि भाषा उपयोजन  
डॉ. लीला गोविलकर, अहमदनगर ६३
  ६. भक्तिपरंपरा आणि सामाजिक भान  
डॉ. श्यामसुंदर मिरजकर, मायणी ८३
  ७. बौद्ध परंपरा आणि संत साहित्य  
प्राचार्य डॉ. कमलाकर कांबळे, अंबाजोगाई ८९
  ८. जैन धर्म व भक्ती  
प्रा. गो. प. भालेराव, सेनगाव ९६
  ९. वीरशैव धर्म संप्रदाय  
डॉ. श्यामा घोणसे, पुणे १०३
  १०. स्वामी नारायण संप्रदाय  
डॉ. संजयकुमार करंदीकर, बडोदा (गुजरात) ११५
  ११. निंबरगी संप्रदायाचा भक्तिप्रवाह  
कै. डॉ. नरेंद्र कुंटे, सोलापूर १२२
  १२. महानुभाव साहित्य संशोधनाचा पुनर्विचार : काही अभ्यास  
डॉ. अविनाश आवलगावकर, पुणे १४३



## ॥ अनुक्रमणिका ॥

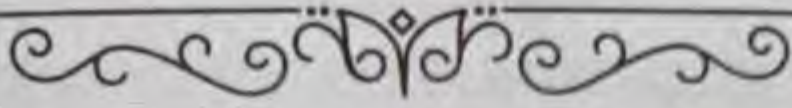
०१. संपादकीय : अत्याधुनिक शिक्षण प्रसाराचे जनक - डॉ. अशोक नाईकवाडे	१
०२. सर्वस्पर्शी शिक्षणमहर्षी - विक्रम काळे	६
०३. प्रेरणास्रोत - दिलीप दत्तात्रय वळसे पाटील	१०
०४. शैक्षणिक विकासाचा वटवृक्ष - मधुकरराव मुळे	१३
०५. कर्तृत्ववान सौजन्यमूर्ती - या. रा. जाधव	१७
०६. संवेदनशील, परोपकारी बाबूरावजी कदम - विजय सं. बोराडे	२८
०७. प्रयोगशीलतेचा ध्यास असलेले व्यक्तिमत्व - प्राचार्य प्रताप बोराडे	३४
०८. प्रेरणादायी व्यक्तिमत्व - डॉ. मदनसिंह पाटील	३९
०९. शिक्षणमहर्षी श्री. अंकुशराव कदम - डॉ. जगदीश वाघमाते	४४

१०. एका शिल्पकाराची गोष्ट - रा. रं. बोराडे	४९
११. निगर्वी... निर्मिक नि कलासक्त - प्रा. डॉ. सुधीर गव्हाणे	५६
१२. स्वप्न पाहणारे, दूरद्रष्टे - बाबा भांड	६३
१३. श्रमयोगी सेवाव्रती - मा. द्वारकाभाऊ पाशीकर	६८
१४. किनारा तुला पामराला - नंदकिशोर कागलीवाल	७३
१५. सामाजिक व शैक्षणिक क्षेत्रातील योगदान - रंगनाथ (नाना) काळे	७७
१६. आम्ही मा. बाबूरावजींच्या प्रेमळ सावलीत वाढलो... - डॉ. पी. वाय. कुलकर्णी	८२
१७. सामाजिक भान असलेले व्यक्तिमत्त्व - माधव बोर्डे	८६
१८. एमजीएम संस्थेचे कल्पवृक्ष - डॉ. तसनीम पटेल	८८
१९. कुशल प्रशासक - अॅड. प्रदीप देशमुख	९७
२०. एमजीएम शैक्षणिक संकुल : एक कार्यशिल्प - धरंधर दळवी	१०१
२१. चतुरस्र व्यक्तिमत्त्व - डॉ. जगदीश कदम	१०८
२२. सहृदयी व्यक्तिमत्त्व - अॅड. एस.के. कदम	११५
२३. कर्तृत्वाचा उंच आलेख - एस. पी. जवळकर	१२१
२४. सकारात्मक ऊर्जेचा स्रोत - प्रेरणा दळवी	१२७

२५. एक उत्तुंग व्यक्तित्व - सौ. प्रतिमा भांड	१३०
२६. एमजीएमचे भगीरथ - रमेश तुळशीराम ठाकूर	१३४
२७. शिक्षणक्षेत्रातील एक बहुआयामी व्यक्तित्व - डॉ. गंगाधर निकम	१३८
२८. निर्मोही व्यक्तित्व - डॉ. गोविंद किशनराव हंबडे	१४३
२९. पत्रास कारण की... - डॉ. रेखा शेळके	१५०
३०. हे हात निर्मितीचे... - डॉ. आशा देशपांडे-माने	१५३
३१. 'ते' सर्वाही सदा सज्जन... - रवींद्र तहकिक	१५७
३२. Leadership Exemplified - Dr. (Col) Pardeep Kumar	१६३
३३. A Moving Spirit Behind MGM - Sheshrao Chavan	१६९
३४. Dadasaheb; The Creator - Nitin Mukund Gaikwad	१७५
३५. "Dad" OUR HERO ANKUSHRAO KADAM - Dr. Aparna Ranjeet Kakkad, - Dr. Asmita Pravin Suryawanshi - Dr. Kshitija Girish Gadekar, -Dr. Sarika Ashish Gadekar	१८५
३६. संक्षिप्त परिचय	१९०







मा. अंकुशराव कदम



अमृतमहोत्सव

# शिल्पकार

मा. अंकुशराव कदम  
अमृतमहोत्सव

संपादक मंडळ

संपादक : प्राचार्य डॉ. अशोक नाईकवाडे

सहसंपादक : डॉ. जगदीश कदम

डॉ. कैलास इंगळे

नीलेश राऊत





शिल्पकार

मा. अंकुशराव कदम  
अमृतमहोत्सव

## ◆ दोन : अनुबंधाचे आकलन

१३. तेलगू आणि मराठी संत साहित्य : परस्पर अनुबंध  
कै. डॉ. लक्ष्मीनारायण बोल्ली, सोलापूर १५९
१४. कर्नाटकातील दास परंपरा  
डॉ. विजया तेलंग, गुलबर्गा (कर्नाटक) १७५
१५. वीरशैव संतकवी श्री चन्ना की हिंदी रचनाएँ  
डॉ. इरेश स्वामी, सोलापूर १८३
१६. गुजरातचा ज्ञानमार्गी संत अखा भगत  
डॉ. मृणालिनी कामत, बडोदा (गुजरात) १९०
१७. १२ व्या शतकातील शरणींच्या काव्य निर्मितीचे स्वरूप  
डॉ. अलका चिडगोपकर, पुणे २११
१८. माणिकप्रभू आणि सकलमत संप्रदाय  
डॉ. अपर्णा कल्याणी, सोलापूर २३५
१९. गोमंतकीय संत साहित्य  
प्रा. विनय मडगावकर, गोवा २६०
२०. मध्ययुगीन नाथ आणि वारकरी संप्रदायाचा अनुबंध  
डॉ. मंगला वैष्णव, औरंगाबाद २७८

## ◆ तीन : अनुभावबंध

२१. मध्ययुगीन संत-पंत साहित्यावरील पुराण परंपरेचा प्रभाव  
कै. प्रा. बा. दा. जोशी, नांदेड २९३
२२. संत साहित्य समीक्षेतील स्वातंत्र्योत्तरकालीन प्रभावी  
दृष्टिकोन : एक स्थूल आकलन  
डॉ. सतीश बडचे, औरंगाबाद ३०३
२३. संतत्व आणि माणवास्तव  
प्रा. भास्कर चंदनशिव, काळंब ३१४
२४. ज्ञानेश्वरीतील पर्यावरण : एक भक्तिदर्शन  
सौ. पयामा चातक देशपांडे, पुणे ३२९

२५.	भक्तिप्रवाह आणि संगीत डॉ. वंशाली गोस्वामी-कुलकर्णी, अंबाजोगाई	३३९
२६.	भावार्थ रामायणाच्या बालकांडातील लोकतत्त्व डॉ. दिनेश वाघुवरे, कडेगाव	३५९
२७.	संत ज्ञानेश्वर आणि संत मीराबाई यांच्या मधुराभक्तिपर काव्याचा तौलनिक अभ्यास डॉ. दीपा क्षीरसागर, चांड	३८८
२८.	वारकरी आविष्कार शैली डॉ. अशोक देशमाने, औरंगाबाद	३९८
२९.	भक्तिप्रवाहतील उपासक : संतकवी विष्णुदास डॉ. मारुती कुलकर्णी, किनवट	४०८
३०.	अमरावतीची कुळकथा डॉ. किरण देशमुख, नांदेड	४११
३१.	मध्ययुगीन काळाची सत्त्वे डॉ. शोभा नाईक, बेळगाव	४१४

#### ◆ चार : लौकिक बंध

३२.	निरपेक्ष स्नेहबंध प्रकाश जडे, मंगळवेढा	४२१
३३.	दादा न्यायाधीश अभिनंदन पाटंगणकर, औरंगाबाद	४२५
३४.	माझे बाबा डॉ. वैष्णवी आशोष जोशी, पुणे	४२८
३५.	बोले तैसा बाले मिता चौधरी, नांदेड.	४३१
३६.	संतत्वाचा वारसा आणि वसा डॉ. कैलास इंगळे, औरंगाबाद	४३४
◆	डॉ. विद्यासागर पाटंगणकर यांचा परिचय	४३७
◆	संपादक मंडळ	४५६

माझे विद्यार्थी डॉ. विद्यासागर पाटंगणकर यांनी आपले उभे आयुष्य अध्यापन व मध्ययुगीन संत साहित्य-संशोधन यासाठी वेचले नि त्यात अल्पलक्षणीय योगदान दिले.

डॉ. कैलास इंगळे आणि त्यांचे सहकारी यांनी संपादित केलेल्या "भारतीय भक्तिप्रवाह : स्वरूप साहित्य आणि संशोधन" या सद्भावग्रंथात त्यांच्या विषयांच्या भावना प्रकट झाल्या आहेत. या गौरवग्रंथात भारतीयभक्ती, धर्म व धर्मसंप्रदायांच्या विषयी मुलभूत संशोधन करणाऱ्या नामवंतांचे महत्त्वाचे लेख 'कालानुबंध आणि संप्रदाय' 'अनुबंधाचे आकलन', 'अनुभावबंध' या तीन विभागांत समाविष्ट केले आहेत. चौथा भाग हा लौकिक बंधाचा आहे. अनुबंध चतुष्टयातून या सद्भाव-गौरव ग्रंथाची मध्ययुगीन मराठी साहित्य संशोधन विषयक व विशेषतः भक्तिप्रवाहाच्या अनुषंगाने भारतीय पातळीवरून केलेली ही मांडणी तेलंगणा (आंध्र), कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, गोमंतक, अशा विविधांगी प्रदेशांतले भाषा, तत्त्वज्ञान, धर्म-पथ, संत यांच्या निमित्ताने भक्तीची एकसूत्री अद्योरेखित करते. तसेच भक्तीशी अनुबंधित समाजवास्तव, भाषाभान, गीत-संगीत, लोकमानस यांच्याही प्रभावाची केलेली चिकित्सा लक्षवेधी आहे.

या ग्रंथाने संशोधन क्षेत्रात मोलाची भर पडेल असा सला विद्यास वाटतो.

*Dr. V. S. Patangkar*

- पणजी यु. म. पताण

*विद्या*

पुस्तकालय, अहमदाबाद  
New 0988307210



# भारतीय भक्तिप्रवाहः

स्वरूप, साहित्य आणि संशोधन



संपादक :

डॉ. मधुकर क्षीरसागर  
डॉ. शिवाजीराव देशमुख  
डॉ. कैलास इंगळे

The book cover features a photograph of a desert landscape. On the left side, there is a tall, weathered rock formation with distinct horizontal layers. The ground is sandy and sparsely vegetated. In the background, there are rolling hills under a sky with scattered clouds. The title 'General Geology' is printed in a large, bold, black font across the upper middle section of the cover.

# General Geology

**Pramod Bhandasrao Pathrikar**  
**Prof. Ashok Vitthalrao Tejankar**

# General Geology

Pramod Bhandasrao Pathrikar  
Prof. Ashok Vitthalrao Tejankar

Yking Books  
Jaipur India



First Published : 2019

ISBN : 978-93-87945-55-5

Price : ₹ 1575

© Authors

*Published by*

**Yking Books**

H.O.: 18, Jain Bhawan, Opp. N.B.C., Shanti Nagar, Jaipur - 302006

Tel. 0141-2221456, 09414056846 (M)

Showroom: G-13, S.S. Tower, Dhamani Street, Chaura Rasta, Jaipur - 302003

Tel. 0141-4020251

E-mail: [ykingbooks@gmail.com](mailto:ykingbooks@gmail.com)

*Laser Typesetting by*

**Vikram Kumar Sharma, Jaipur**

*Printed at*

**Trident Enterprises, New Delhi**

Geology is the scientific study of the all components of our earth. It is concerned and examines formation and processes. More precisely, it is the study of nature, abundance and history of the planet Earth, of the how and why, with reference to the Earth's interior.

Geology, itself, is a major part of The Earth and atmospheric sciences, which were put as below. The study of geology encompasses all aspects including the composition, structure, physical processes, and history of a planet (like Earth), that include components and the processes that are shaping the features on the surface. Geologists are the scientists who study the origin, occurrence, distribution and utility of all resources (mineral, non-mineral, inorganic and inorganic, fossil, sediment, coal, water, oil and all other inorganic natural resources). It is a very wide subject covering a wide spectrum of scientific principles and having hundred and fifty plus scientific branches. This report summarizes and highlights most of them, in a nutshell, for all those who wants to know its meaning and latest path. Some more (metrics) could be added as and when needed.

Today, geology does not limit its domain to the study of the planet earth, which it also includes the study of the other planets and moons of the entire solar system. Geology is a very vast subject. It has several branches. In the open days, people divided it into two broad areas, as physical geology and historical geology. The subject of Physical geology deals with the study of Earth's interior, such as minerals and rocks, as well as the processes that are operating on and within the Earth and on its surface. The subject of Historical geology focuses on the origin and evolution of life on the Earth, its continents, oceans, atmosphere, and the life of all ecosystems. Historical geology (which then also encompasses the past events in geological history) is the study of the sequential changes that have happened and evolved continually during the past 4.5 billion years on the planet.

**Dr. Pramod Bhanubansoo Patilkar (M.Sc., B.Ed., Ph.D.)** The author of this book is well known in capacity as Head, Department of Geology at Pimpri Chinchwad Education College, Pimpri, Tq. Pimpri (Chinchwad) Dist. Aurangabad (Maharashtra) with teaching experience of more than 10 years. He is specialized in Mineralogy, Igneous Petrology, Hydrogeology and Groundwater. He has received program grant by Dr. B.A.M.U. Aurangabad. To his credit he published 10 research papers in reputed national journals. He has working with Geobase (Geological Association).



**Prof. Ashok Vikramrao Tejekar (M.Sc., B.Ed., Ph.D.)** The author of this book is working in the capacity as Vice-Principal & Head, Department of Geology at Durg College, Aurangabad (Maharashtra) with teaching experience of more than 20 years. He is specialized in Mineralogy, Igneous Petrology, Hydrogeology and Groundwater. He has completed three research projects granted by IFC & State Govt. To his credit he published 51 research papers in reputed national and international journals. He visited several countries like Japan, Austria, Turkey, Germany, Singapore, Malaysia, Thailand & South Africa for academic purpose. He organized 6 state, 2 National & 1 International conferences. He is research guide of Dr. B.A.M.U. Aurangabad under whom 02 students received Ph.D. and around 36 students are pursuing Ph.D. He held positions as Vice-President, Maharashtra Federation of University and College Teacher's Organisation (MUFUCTO), Secretary, B.A.M.U.T.O., Ex-Secretary Member, Dr. B.A.M.U., Aurangabad, and Vice-President Maharashtra Geologists Association. He is member of many events like Maharashtra Rain, Lower Rain, Droughts and Floods & Shikha Rain. Award from the education and social domain. He also work as a expert in consultant position for Watershed Development Programme, Water logging problems, Animal Husbandry & Water Management at different levels.



₹ 1575.00



**YKING BOOKS**

PUBLISHERS - EXPORTERS

G-12, S-3, Tower, Chhatrapati Shivaji

Green Cross, Jambur, Mumbai

PH. 022-25420001, 25420002

e-mail: ykingbooks@gmail.com

web: www.ykingbooks.com



**उपन्यासकार**

**डॉ. राम प्रसाद मिश्र**

डॉ. दत्तात्रय नानासाहेब फुके

पुस्तक विभागाध्यक्ष अनुदान आयोग की प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रथम  
वित्तीय सहायता से डॉ. बाबा साहेब आंधेदेकर उपाध्याय विभागाध्यक्ष द्वारा प्रकाशना  
की जा रही है जो "उपन्यासकार डॉ. रामप्रसाद मिश्र" इस शोध विषय पर है।

---

**मूल्य - 550/-**

- पुस्तक : उपन्यासकार डॉ. रामप्रसाद मिश्र  
लेखक : डॉ. दत्तात्रय नानासाहेब फुके  
© : लेखक  
प्रकाशक : अतुल प्रकाशन  
57- पी, कुंज विहार-II, यशोदा नगर,  
कानपुर-2080 11  
मौ० 9451022125  
संस्करण : 2019  
शब्द सज्जा : शिखा ग्राफिक्स, कानपुर  
मुद्रक : पूजा प्रिंटर्स  
ISBN : 978-93-80760-67-4
-



अतुल प्रकाशन

57-सी, कुंज विहार-2, बरौदा नगर, कानपुर-208 001

Ph.: 0512-2633004 E-mail: atulprakashan@gmail.com

ISBN 978-93-80760-67-4



9 789380 760674 >

₹ 550/-



Mitra Sadhana Shikshan Prasarak Mandal's



**Rajarshi Shahu Arts, Commerce and Science College Pathri**

Tq: Phulambri Dist : Aurangabad – 431111, (MS), India

**One Day National Level Conference**

**On**

**“जागतिकीकरणानंतरचे साहित्य, भाषा आणि संस्कृती”**

**2<sup>nd</sup> February 2019**

**Organized by**

**Department of Marathi**

**Rajarshi Shahu Arts, Commerce and Science College Pathri**

Tq: Phulambri Dist : Aurangabad – 431111, (MS), India

**Executive Editor**

**Principal, Dr. S. B. Jadhav**

**Chief Editor**

**Dr. K. R. Ingle**

**Co - Editor**

**Mrs. R. K. Meshram**

## INDEX

Sl. No.	Author Name	Paper Title	Page No.
1	डॉ. सत्यजित बोरसे	जागतिकीकरण, समाजवाद वीरव्यवस्था आणि समाजवादी मूल्ये व जागतिकीकरण आणि समाजवाद	1-10
2	डॉ. शिंदे हीरी	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि समाज विषयी केली गेली आहे.	11-15
3	डॉ. अशिता वसंतराव कोंबळे	जागतिकीकरण आणि जागतिकीकरण	16-18
4	डॉ. डॉ. कल्याणराव सोनवणे	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि समाज विषयी	19-22
5	डॉ. विनायक मणिकराव काळे	जागतिकीकरण आणि मराठी भाषा	23-25
6	डॉ. कविता शिंदे कर्वी	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि समाज विषयी	26-28
7	डॉ. माटील वदना साठुराव	जागतिकीकरण आणि मराठी भाषा	29-31
8	डॉ. समाजिक-दृष्टिकोण	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा व जागतिकीकरण	32-34
9	डॉ. जिवंदे बाबुराव शेजरेकर	जागतिकीकरण आणि मराठी भाषा	35-37
10	डॉ. विनोद जगन्नाथ कोंबळे	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि समाज विषयी	38-40
11	डॉ. कल्याण प्रशांत इंगळे	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि समाज विषयी	41-43
12	डॉ. सदीप परदेशी	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि समाज विषयी	44-46
13	डॉ. जगन्नाथ मणिकराव कोंबळे	जागतिकीकरण आणि समाज विज्ञान	47-49
14	डॉ. रमेश सु. दशमुख	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि समाज विषयी	50-52

15	डॉ. कविता मुरमळी	सामकालीन मराठी कविता	52-53
16	डॉ. गौतमचन काशीनाथ मुळके	जागतिकीकरण आणि मराठी साहित्य	54-56
17	डॉ. राखी सिद्धास सलगर	जागतिकीकरणाने प्रभावित लोककला	61-64
18	डॉ. गायत्री गाढेकर	जागतिकीकरण आणि समाज - एक आकलन	65-71
19	डॉ. योशिता देवगिरीकर (कथले)	मराठी अनुवादित साहित्य	72-73
20	प्रा. प्राची जोशी	जागतिकीकरणाच्या प्रभावातील मराठी कादंबरी 'मार्केट' - हे.मो.मराठे	74-80
21	डॉ. रामदेनेवार भोविंद शंकरराव	जागतिकीकरणानंतरची बदलणारी ग्रामीण संस्कृती	81-85
22	डॉ. संतोष जगन्नाथ जाधव	जागतिकीकरणाचा मराठी साहित्यावरील प्रभाव	86-90
23	ज्ञानेश्वर अशोकराव केदम	सामकालीन वास्तव राजवटारणातील मुख्यभ्रष्टता मांडणारी कादंबरी 'तणकट'	91-93
24	डॉ. संतोष शिवनाथ जानते	ग्रामीणवासाचे अर्थम-जागतिकीकरणातून बदललेल्या ग्रामीणतेचा वास्तविक वेध घेणारे काव्य	94-98
25	दशाडे बापूराव भास्कर	जागतिकीकरणानंतरचे मराठी वाङ्मयीन प्रवाह	99-104
26	बाग्यश्री गाताडे	जागतिकीकरणानंतरची मराठी ग्रामीण कादंबरी	105-107
27	डॉ. कनका रवींद्र बडगुजर	सामकालीन कवी - अशोक कोतवाल	108-110
28	सोफिक तातूरीन शैल	जागतिकीकरण आणि मराठी कविता	112-114
29	किमंत बाबुराव शिवांग जि.समर्थ पाठक	1998 नंतरचे मराठीवाङ्मयातील जलमहाय	115-118



30	दत्तात्रय विजय गजपुरी	सोताकरी जन्मांतक आणि मराठी साहित्य	119 - 123
31	प्रा. महेंद्र चौधू भाटीत	जागतिकीकरण आणि मराठी साहित्य	121 - 127
32	तोसार अशोक निगुली	जागतिकीकरणाचा मराठी भाषा आणि नीलीकर प्रभाव	128 - 131
33	डॉ. सुनिल भावदास टेंसले	समयकाळाचे प्रतिबिंब "पांडर" कादंबरी	132 - 136
34	डॉ. शहाजी जं. गाटील	जागतिकीकरणानंतरचे मराठीतील नव्यविचारात्मक साहित्य	137 - 140
35	प्रा. डॉ. सुखदेव इचारे	जागतिकीकरण आणि लोककला	141 - 144
36	प्रा. डॉ. ललित अघाने	जागतिकीकरण आणि अरुण काळ यांची कविता विशेष संदर्भ नंतर आलेले लोक	145 - 149
37	प्रा. डॉ. राम रौनकर	जागतिकीकरणाने दिला 'उन्हाळ्याचा वसा'	150 - 153
38	डॉ. समाधान इंगळे	जागतिकीकरणानंतरचा 'घुसर' जगण्याची नोंद	154 - 158
39	प्रा. आर. बी. नायकर	जागतिकीकरण आणि मराठी भाषेसमशील आव्हाने - एक अभ्यास	159 - 161
40	प्रा. डॉ. राजेंद्रराव जिणे प्रा. डॉ. दत्तात्रय प्रभाकर दुबरे	जागतिकीकरणाचा लोकसंस्कृतीवर उडविला प्रभाव	162 - 169
41	प्रा. डॉ. मा. वा. गुळेकर	मराठी गडमधील अध्यापन पध्दतीला नवीन तंत्र साधनाची जोड	170 - 174
42	प्रा. डी. पंडित गंगाधरराय रानमाळ	नामुष्नीचे स्वगत' या कादंबरीतील जागतिकीकरणाचा प्रभाव	175 - 178
43	डॉ. सरला गोरे / सत्यकारे	नव्या नंतरच्या भटक्या - विमुक्तांच्या साहित्यातील समस्यांचे चित्रण	179 - 181
44	सहा. प्रा. सुहस गुरलीकर साठगे	भटक्या - विमुक्तांचे साहित्यातील आस्पाव	182 - 186

45	प्रा. डॉ. ब्रह्मसेन सा. आणंदर	जागतिकीकरण—आदिवासी बोलीभाषा व समकालीन साहित्यातील स्थान	187 - 190
46	प्रा. डॉ. संजीवकुमार सूर्यकांत पाचळ	जागतिकीकरणानंतरचे मराठी नाटक, कविता व कादंबरी लेखन	191 - 196
47	शिवदास दया पावरा	जागतिकीकरण आणि आदिवासी बोलीभाषा	197 - 199
48	डॉ. पुष्पोत्तम शेषराव जुंजे	वर्तमान साहित्य आणि सामाजिक संदर्भ	200 - 203
49	डॉ. विठ्ठल जर्बाले	मराठी साहित्यातील जागतिकीकरणाने साहित्य प्रतिबिंब	204 - 206
50	प्रा. पोपळघट आर. एस.	जागतिकीकरण आणि ग्रामीण जीवन	207 - 209
51	डॉ. ज्ञानेश्वर को. गवते	जागतिकीकरण व संत साहित्य	210 - 211
52	डॉ. सोळंके चक्रभुज नारायणराव	जागतिकीकरणानंतरची मराठी कविता	212 - 214
53	प्रा. महारुद्र जगताप	जागतिकीकरणाने मराठी भाषा आणि साहित्यावरील प्रभाव	215 - 218
54	प्रा. डॉ. रमेश श्रीरंग औताडे	जागतिकीकरण नंतरचे नाट्यनाटक	219 - 221
55	डॉ. लक्ष्मण मिते	जागतिकीकरणाने मराठी साहित्य, भाषा आणि संस्कृती	222 - 224
56	प्रा. रेखा कुचरुनी मेश्राम	गौरवग्रंथ - चळवळीचा एक इतिहास	225 - 230
57	प्रा. डॉ. प्रमला गुलडकर	समकालीन वास्तवाचे प्रभावी चित्रण - जीहार	231 - 234
58	डॉ. जयेश जाधकर सीवणे	कामगार्या जागतिकीकरणाने	235 - 237
59	प्रा. डॉ. सुदर्शन दिवसे	जागतिकीकरणाने भारतीय समाजाचा बदलती भाषा	238 - 243

60	समकाल काव्य	जागतिकीकरण आणि मराठी कादंबरी	246- 251
61	डॉ. वसंत प्रसाद सोमकांबळे	मराठी ग्रामीण साहित्य आणि स्त्रीवाद	252- 255
62	डॉ. सुयराज घडगे	जागतिकीकरण आणि मराठी कादंबरी	256- 261
63	प्रा. रमेश दिगणे	जागतिकीकरण मराठी भाषा, मराठी सिनेमा	262- 265
64	डॉ. रवींद्र वैजनाथराव बेम्बरे	'टाहो' काव्यसंग्रहातील जागतिकीकरणचे प्रतिबिंब	266- 270
65	डॉ. बाळासाहेब बाबुराव तिहीणार	ग्रामीण बोलीतील अर्थविश्वाची समपेक्षता	271- 273
66	विठ्ठल गोवर्धन होनाळे	उच्च शिक्षणामध्ये मराठी साहित्याची भूमिका	274- 277
67	प्रा. डॉ. पदमाकर आ. पिटले	जागतिकीकरणानंतरची मराठी कविता	278- 281
68	प्रा. डॉ. रामाचंद्र जाडे	कृषिजीवनाच्या सद्यस्तीतील कहाणी : मराठा	282- 283
69	प्रा. डॉ. दिलीप विठ्ठे	जागतिकीकरणानंतरचा मराठी जाडमयीन प्रवाह (ग्रामीण साहित्य)	285- 288
70	प्रा. डॉ. संतोष देशमुख	जागतिकीकरण आणि ग्रामीण कादंबरी	289- 292
71	प्रा. डॉ. विजय पाटील	जागतिकीकरण आणि मराठी साहित्य	293- 296
72	प्रा. डॉ. रामलीला सुदामराव पवार	नवोदत्तरी स्त्रीवादी कथेतील आधुनिकता	297- 303
73	प्रा. शांतीलाल सांबू गायकवाड	जागतिकीकरण आणि संस्कृती	303- 306
74	प्रा. डॉ. जगन्नाथ एस.पी.	वाक्यात्म्य संश्लेषाचा प्रयोग आणि निकट	307- 309

75	मदन संदिपान गहारे	जागतिकीकरणानंतरचे वाङ्मयीन प्रवाह (आदियासी साहित्य)	310 - 313
76	श्री. सुनिल रामराव काकडे	जागतिकीकरण आणि मराठी साहित्यातील मदलते संदर्भ	314 - 316
77	मनेश तुकाराम लिंबोरे	वर्तमान वाङ्मयीन चळवळी स्वरूप आणि सद्यस्थिती (साहित्य संमेलने)	317 - 321
78	भद्ररो वारुमती नारायण	जागतिकीकरणानंतरचे मराठी वाङ्मयीन प्रवाह ( दलित कविता )	321 - 317
79	प्रा. डॉ. विवेकशंजें (विठ्ठल) घोले	मराठी ग्रामीण कविता आणि जागतिकीकरण	328 - 331
80	प्रा. सागर एस गवई	जागतिकीकरण आणि मराठी कवितेची प्रतिमासृष्टी	332 - 335
81	दिपक विजय जयसवाल	भाषा व शिक्षण विद्याशाखा	336 - 338
82	डॉ. शारिका अशोकराव बुरग	जागतिकीकरणाच्या पार्श्वभूमीवर दलित व मटक्या विमुक्त जमातीतील स्त्रियांच्या आत्मकथनातून व्यक्त होणारे स्त्री जीवन	339 - 350
83	प्रा. डॉ. राजकुमार रघुनाथ मुराण	आदियासी साहित्य चळवळीची दिशा	351 - 357
84	डॉ. गीजनार्थ कदम	नव्यदीप्तरी ग्रामीण कवितेतील गुराखी	358 - 361
85	डॉ. कलास अंभुरे	समकालीन मराठी कविता	362 - 364
86	प्रा. डॉ. संतोष चव्हाण	1990 नंतरचे ग्रामीण कथलेखन	365 - 367
87	डॉ. दीपती पादेलयाद	जागतिकीकरण भाषा, साहित्य व संस्कृती	368 - 371
88	डॉ. भारत हडीबाग	जागतिकीकरणातील ग्रामीण कविता	372 - 375

89	श्री. तुळशीराम जिकिरा	जागतिकीकरणानंतरची मराठी ग्रामीण कविता	376 - 380
90	श्री. नीलास इंगळे	जागतिकीकरणानंतरची मराठी साहित्य आणि समकालीन ग्रामीण वास्तव	381 - 384
91	प्रा. सवितादानंत फुलभद्रे शिंदे	जागतिकीकरणानंतरची मराठी वाङ्मयीन प्रवाह समकालीन मराठी कादंबरी व समकालीन वास्तव	385 - 390
92	श्री. दिलीप सावंत	जागतिकीकरणानंतरच्या दलित साहित्यातील जीवन व जाणिव	391 - 394
93	प्रा. डॉ. गणवंत आश्रुबा हाके	वर्तमानकाळीन संघर्षशील जीवनाचे चित्रण कर्णारी कादंबरी फेंसाटी	395 - 400
94	श्री. अरुण कोळी	1990 नंतरची आदिवासी कविता	401 - 406
95	श्री. सी. एस. करंके	जागतिकीकरणानंतरची मराठी कविता - एक अध्ययन	407 - 410
96	प्रा. डॉ. सखाराम डाखोरे	'आघाच कार्टे' स्वकथनातील जागतिकीकरणाने संदर्भ	411 - 415
97	श्री. पंढरी डोंडफोडे	जागतिकीकरणामुळे मराठी साहित्याचे बदलते संदर्भ	416 - 419
98	प्रा. बोंतेवाह नामेश रामलु	जागतिकीकरणानंतरची मराठी ग्रामीण कविता	420 - 423
99	प्रा. केंद्रे सीता लक्ष्मणराव	जागतिकीकरणानंतरचे मराठी भाषेवरील संस्कृतीचे दडपण	424 - 426
100	संदिप भदाणे श्री. रामचंद्र श्याम	जागतिकीकरण आणि ग्रामीण कविता	427 - 434
101	प्रा. डॉ. अक्षय किशोर घोरपडे	साहित्य, समाज आणि वाङ्मयीन वास्तव	435 - 437
102	प्रा. डॉ. विजयेंद्र विश्वनाथ घाटील	जागतिकीकरणानंतरची दलित कविता - काही बाबी	438 - 440
103	प्रा. शेळके श्री. टी.	मराठी-संस्कृतमधील सामाजिक संघर्ष	441 - 443

14	म मरठ मीठ	अभिलेखन भाषा आणि बाले	444 - 447
15	म प्रकाश दलसत गा	अभिलेखन भाषा व मरठी भाषा	448 - 452
16	म ई मरठ कला	अभिलेखन भाषा व मरठी भाषा कॉलेज मरठ अभिलेखन	453 - 457
17	ई मरठ मरठभाषा व मरठी भाषा	मरठी भाषा आणि प्रकाशन कला	458 - 462
18	ई मरठ मरठभाषा व मरठी भाषा	मरठी भाषा आणि प्रकाशन कला	463 - 467
19	म मरठभाषा व मरठी भाषा	अभिलेखन भाषा आणि मरठी भाषा	468 - 472
20	म मरठभाषा व मरठी भाषा	अभिलेखन भाषा आणि मरठी भाषा	473 - 477
21	म मरठभाषा व मरठी भाषा	अभिलेखन भाषा आणि मरठी भाषा	478 - 482
22	म मरठभाषा व मरठी भाषा	अभिलेखन भाषा आणि मरठी भाषा	483 - 487
23	म मरठभाषा व मरठी भाषा	अभिलेखन भाषा आणि मरठी भाषा	488 - 492
24	म मरठभाषा व मरठी भाषा	अभिलेखन भाषा आणि मरठी भाषा	493 - 497
25	म मरठभाषा व मरठी भाषा	अभिलेखन भाषा आणि मरठी भाषा	498 - 502









... १. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

द्वितीय वस्त्र

... १. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

साहित्याचा विषय होऊ शकतात ही वास्तविकता नवीनेच समजवण्यात येऊन मराठी साहित्याचा विकासाला जोडलेले आहे असे म्हणता येईल. म्हणून राजा विधानात लक्षपूर्वक निरीक्षण घेण्याची गरज आहे.

या समय मांडणीचा आवश्यक लक्षात घेता त्यातून पुढील विश्वकर्ष निघतात

- 1) साहित्यिकतेच्या प्रभावातून समाजजीवनात अधिक गतीने स्थित्यंतरे आली
- 2) विवाहाच्या नावाखाली मुळ नैसर्गिक संसाधने लुटण्याचा मार्गिका रंग तयार झाला
- 3) विविध महामार्ग, शहरांमधील खेडी जमिनी समाजातुल्य तैथील शोचनी भूमितीने निघतात
- 4) जात धर्म, प्रदेश हे घटक घूसर होऊन शोचक आणि शोचित असे रंग रंग निर्माण झाले
- 5) जनण्याच्या सर्वेय क्षेत्रात झालेला भ्रष्टाचार, नैतिक मूल्यांचा न्यून प्रामुख्ये खरेपणा दुर्बलता
- 6) परकलणी समता, सर्वधर्म समानतेच्या नावाखाली पुराणानांन्याय ट्या मित्रता
- 7) जाती-जातीत तीव्र द्वेषभावना आहे, उदा. विविध जातींसाठी आरक्षण आणि व्यावसायिक
- 8) उदा. निगाहासाठी ग्रामीण भागातून शहरात होणारे स्थलांतर दिवसेंदिवस गतीमान होत आहे
- 9) समाजाला सामोरे जाण्यासाठी जागतिकीकरणामुळे प्रभावात कसे उभे राहिले जाते हे जाणून घ्यायचे
- 10) परिपूर्ण वास्तव हवे
- 11) मराठी साहित्याची नाट्यता साहित्याच्या केंद्रस्थानी आलेली नाही.
- 12) ग्रामीण वास्तव कोलाहल मराठी साहित्यातून मांडण्यास सुरुवात झाली असून त्यातून समाज

एकूणच गेल्या तीन दशकात जागतिकीकरण या महावाहू भाषाजालाने बदल आले तसे पडलेले आहे. साहित्याच्या क्षेत्रातही बदल होऊन नवी मांडणीसाठी व्यवस्था घेण्याला महान प्रयत्न केंद्रस्थानी आले आहे. ग्रामीण भागातून अनेक गुंतागुंतीचे प्रश्न निर्माण झाले. साहित्यातून परिस्थितीतून ही गुंतागुंती समजावण्यासाठी महावाहू काव्य रीतरा उभा राहणे. यात सामान्य माणसाचे जागृते सातत्याने जागृत राहणे. साहित्याच्या केंद्रस्थानी येऊन जागतिकीकरण याचा तसेच बदल घडवून आणणे हे समुद्र घेईल असे वाटते.

संदर्भ -

- 1) साहित्य, संस्कृती आणि जागतिकीकरण - राजेश्वर वेणुकर
- 2) मराठी भाषा, संस्कृती आणि त्याची दिशा - राजा विद्या कुवळेकर
- 3) समाजाला सामोरे जाणे - राजा श्रीकृष्ण प्रकाश
- 4) ग्रामीण वास्तव्याचा इतिहास - मंडळकार नरम
- 5) जागतिकीकरणामुळे मराठी भाषा न साहित्यावरील प्रभाव - राजा वसुदेव ठारे
- 6) जागतिकीकरणामुळे मराठी भाषा साहित्य, संस्कृती, जागतिकीकरण - राजा विद्या कुवळेकर

प्राथमिक लेख (2017-2018)

# Childhood

Issues and Challenges



— Editor —

**Dr. Aparna Ashtaputre-Sisode**

ISBN 978-93-87377-08-0



9 789387 377080

**Publisher**  
**Mahatma Gandhi Education & Welfare Society, Parbhani**  
**& Shodhani Publication, Aurangabad.**

**Rs.350/-**

# PSYCHOLOGICAL ASSESSMENT OF CHILDREN IN THE CLINICAL SETTING

DR. YUVRAJ B. GAHRIJAN

## Abstract:

*This research article aims to enlighten about psychological assessment of children in clinical setting. Psychological assessment is the process which is the regular used by psychologists in clinical setting. Psychologists observe and evaluate the child's psychological and social problems. Psychological assessment focuses on description and analysis of the performance of a particular child in the problem situation. Different tests used in the clinical setting include tests for cognitive functions, rating scales and projective techniques.*

**Keyword:** Psychological assessment, Clinical setting.

## Introduction:

Psychological assessment is a procedure of testing. In this assessment procedure psychological tests can provide information which complements those obtained by other methods of psychological assessment. The test provide objective information which can be used to formulate several hypotheses to explain the child's problem. The psychological test are one of the sources of information about the individual child, the test findings should not be viewed as an end point of psychological assessment, but rather should be used to interpret the clinical information in a more comprehensive manner. The assessment may include observation, interviews, testing and consultation with other professionals who were involved in your child care. Psychological assessment is helpful to identifying your child's strengths and weaknesses. After detecting problems, assessment can be used to assist in planning your child's school program, to identify needs for special services in school, and to help you access resources in your community.

## What is clinical setting?

The place where clinical psychologists working for assessment, diagnosis and treatment of mental illness, abnormal behavior, and psychiatric problems is known as clinical setting.

## Following Tests Are Used In Clinical Setting:

Different tests used in the clinical setting include tests for cognitive functions, rating scales and projective techniques. The commonly used tests of cognitive functions are tests of attention, memory, intelligence and academic abilities. Rating scale are used for assessing the severity of behavior problems and for evaluating the effectiveness of a particular intervention technique for a specific behavior problem. Projective techniques such as Rorschach inkblot test, Draw-A-Person test, Bayley's unstructured projective test and Rorschach inkblot test provide data about the intrapsychic and interpersonal stresses. Rorschach inkblot test occasionally helps in confirming the diagnosis. In this compilation

The developmental psychopathology checklist which gives a comprehensive clinical profile of the child in terms of personality are discussed.

### Assessment Of Developmental Psychopathology:

The study of child psychopathology from a developmental perspective ideally takes into account the nature of specific items suitable for the setting, age and gender differences, developmental history, environment along with psychosocial correlates such as family interaction, stressor and social supports. In the clinical setting in India, there is a need to develop screening tool to assess psychopathology in children, which is comprehensive, yet developmental in perspective and can be used with relatively little training. Such a tool can also form the basis for developing strategies for the management of a child. Thus, the DPCL is designed to bridge the gap between clinical practice and research. Which is developed by Kapur M, Barnabas I. P., Reddy M.V., Rojiani J & Uma H. of NIMHANS. The DPCL has 124 items and six sub sections. The sub sections are:

- (i) Developmental history:
- (ii) Developmental Problems:
- (iii) Psychopathology:
- (iv) Psychosocial factors:
- (v) Temperament:
- (vi) Social supports and assets of the child:

### Assessment of Attention:

Attention refers to the selective aspects of perception which function so that at any instant a person focuses on certain features of the environment, to the exclusion of other features. It controls the flow of information processing. The concept of attention includes three functions, selection, capacity and sustained concentration.

In a child guidance clinic or a child mental health unit, the complaint we most often hear from parents is that their child is doing poorly in school. There could be several reasons for this, each of which need to be explored in order to arrive at the right diagnosis and in order to plan the correct management strategy.

A detailed assessment of the child's attention and other psychological functions would help to answer these questions and would definitely help to plan management. If the child does have an attention deficit, the way one administers the other psychological tests and the interpretations one makes of the results would also change. The following tests were used in the assessment of attention and hyperkinetic

children:

- (i) Color cancellation test (Kapur, 1974)
- (ii) Bender visuo-motor gestalt test (BGT) (Koppitz, 1975)
- (iii) Segon form board (Cattell, 1953)
- (iv) Wechsler intelligence scale for children (WISC) (Wechsler, 1949)
- (v) Porteus maze test (Porteus, 1965)
- (vi) Tapping test (Stevens et al, 1970)
- (vii) Reaction time test (Woodworth & Schlosberg, 1976)
- (viii) Conners abbreviated rating scale (CARS) (Conners, 1973)

#### **Assessment Of Learning Disability:**

The concept of learning disabilities has undergone distinct phases of development in history. The study of learning disabilities began with the works of Strauss and his colleagues in the early 1940s. The term they used for these children was "brain-injured" children. They established seven criteria to classify these children. They were: perceptual disorders, perseveration, conceptual or thinking disorder, behavioural disorders, soft neurological signs, history of neurological impairment and no history of mental retardation.

The term learning disabilities emerged from a need to identify and serve students who continually fail in school yet are not mentally retarded.

Learning disorders are diagnosed when the individual's achievement on individually administered, standardized tests in reading, mathematics or written expression is substantially below that expected for age, schooling and level of intelligence. The learning problems significantly interfere with academic achievement or activities of daily living.

#### **NIMHANS Index For Specific Learning Disabilities:**

This battery was originally developed by John (1989) for the purpose of her doctoral thesis. The battery then consisted of Bender Gestalt test, Minisompercepto - diagnostic test, Test of reading, Word comprehension, spelling and test of arithmetic. The battery was routinely used with the children of the child and adolescent mental health unit, NIMHANS for confirmation of specific learning disabilities. In the year 1992, Kapur et al compiled the following tests into a battery and named it NIMHANS index for SLD. The index consists of the following tests:

- (i) Attention test (Number cancellation)
- (ii) Language test (Reading, Writing, Spelling & Comprehension)



- (iii) Arithmetic (Addition, Subtraction, Multiplication, Division & Fractions)
- (iv) Visuomotor skill (The Bender Gestalt test & The Developmental test of Visual - Motor integration)
- (v) Memory (Auditory & Visual)

#### Assessment Of Memory:

Memory is a process by which information stored is brought into awareness when required. But, it does not refer to a single process or structure or an isolated intellectual skill; rather it refers to the processing, storage, retrieval function of the mind that must be seen as embedded in a context. In the broader sense, memory is the complex higher order process which includes the collection, storage and retrieval of information (Ericson and Scott, 1977). Similarly, it is an assortment of cognitive processes, elaborations, and schemas (Kail & Hagen, 1973); and serves as the closeness of fit between an output and an input on some specific dimensions (Russell, 1975). Memory is intimately involved in many of the individual's intellectual and social endeavors, and is reflected in the diversity of his behavior.

Thus, assessment becomes an important task to be performed while studying memory functioning and dysfunctioning of children. That's why memory assessment is very important.

#### Test Of Memory For Children:

A test battery consisting of twelve subtests for assessing memory process of children has been developed.

- (i) Personal information.
- (ii) Mental control.
- (iii) Sentence repetition.
- (iv) Logical memory.
  - (A) Story recall immediate.
  - (B) Story recall delayed.
- (v) Word recall meaningful.
- (vi) Digit span.
  - (A) Digit forward.
  - (B) Digit backward.
- (vii) Word recall non meaningful.
- (viii) Delayed response learning.
- (ix) Picture recall.
- (x) RVRT.
- (xi) Paired associate learning.

(XII) Cattell's screentriptylest.

**References:**

- Achenbach, T. M., & Edelbrock, C. S. (1983). Manual for child behavior checklist and revised child behavior profile. USA: Queen City printers Inc.
- Atkinson, C, & Shiffrin, R. M. (1968). The control of short-term memory. *Scientific American*, 225, 82-89.
- Basu, S. & Deb, A. (1996). Parent training in children with attention deficit hyperactivity disorder: An integrated approach for greater effectiveness. *Indian journal of clinical psychology*, 23, 2, 184-191.
- Cattell, R.B. (1953). A guide to mental testing. London, University of London press Ltd.
- Kapur M. (1974). Measurement of organic brain dysfunction. Doctoral thesis, Bangalore University, Bangalore.
- Koppitz, E.M. (1975). The Bender test for young children, (Vol II), New York, Grune&Stratton.
- Russell, E.W. (1975). A multiple scoring method for the assessment of complex memory functions. *Journal of consulting and clinical psychology*, 3, 800-809.
- Wechsler, D. (1949). Wechsler intelligence scale for children (Manual). New York, The psychological corporation.

**DR. YUVRAJ B. GAHERAO**  
Head, Dept. of Psychology,  
RajarshiShahu Art's, Commerce  
and Science College, Palghat.



brand names and product names mentioned in this book are subject to copyright, brand or patent protection and are trademarks or registered trademarks of their respective holders. The use of brand names, product names, common names, trade names, product descriptors etc. even without a particular marking in this work is in no way to be construed to mean that such names may be regarded as unrestricted in respect of trademark and patent protection legislation and could thus be used by anyone.

For more info: [www.injimage.com](http://www.injimage.com)

Publisher:

INJ LAMBERT Academic Publishing

is a trademark of

International Book Market Service Ltd., member of Dinn'Semertum Publishing

Group

17 Malabar Street, Biau Basin 71504, Mauritius

Printed at: see last page

ISBN 978-620-0-49907-3

ISI / Approved by Thesis Title, "Studies on Physical properties of some  
inerts prepared by Wet Chemical method" submitted and published  
by D. Bhatnagar Ambedkar Marathwada University Aurangabad in 10 April  
2009

Copyright © Suresh Trimbakrao Alons

Copyright © 2019 International Book Market Service Ltd., member of

International Publishing Group



4245

COPY TO LIBRARY

Department of Chemistry, M. V. College, A. B. Road,

Marathwada University, Aurangabad, India

10/04/2019

Some Aspects  
of  
**NEUMANN  
ALGEBRA**

**Dr. Tanisha B. Dale**

## **Physics - I**

S.S.Shide , S.V. Rajmane, R.M. Mahindrakar, V.B. Kawade

## **Physics - II**

S.S.Shide , S.V. Rajmane, R.M. Mahindrakar, V.B. Kawade

## **Physics - III**

Dr. D.S. Birajdar, R.M. Mahindrakar, S.S.Shide , V.B. Kawade

## **Practical Physics (F. Y. B.sc.)**

Dr. Sanjay K. Tupe

## **Mathamatics - III**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Mathamatics - IV**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Mathamatics - V**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Mathamatics - VI**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Zoology - III**

Dr. P. V. Jabde

## **Modern Zoology V & VI**

Dr. Bhalerao S.S.

## **Programming in Java**

Dr. Ramesh Manza

## **Fundamental of C**

Dr. Prasad Madan, Dr. Gajanan Chaudhari

Miss. Ujjwala Wagh

## Introduction

### 1. Noncommutative linear algebra

- 1.1 Linear spaces. Subspaces
- 1.2 The bases
- 1.3 The coordinates descriptions
- 1.4 The sums of subspaces
- 1.5 The group  $GL_n(K)$
- 1.6 Linear functional
- 1.7 Homeomorphisms and linear operators
- 1.8 The duality theory
- 1.9 The Euclidean spaces
- 1.10 Normed spaces
- 1.11 Euclidean norms

### 2. Some analytical Preliminaries

- 2.1 Jacobi polynomials
- 2.2 Integration of zonal functions
- 2.3 Some differential operators

### 3. Polynomial functions

- 3.1 Polynomial functions on the real unit spheres
- 3.2 Polynomial functions on the projective spaces
- 3.3 The Projective Addition Theorem

### 4. Cubature formulas and isometric embeddings $\mathcal{L}_2^m \rightarrow \mathcal{L}_2^n$

- 4.1 Spherical codes, cubature formulas and designs
- 4.2 The linear programming approach
- 4.3 Projective codes, cubature formulas and designs.
- 4.4 Existence theorems and corresponding upper bounds
- 4.5 Invariant cubature formulas
- 4.6 The orbit method based on subgroups of  $SU(2)$
- 4.7 Isometric embeddings  $\mathcal{L}_2^m \rightarrow \mathcal{L}_2^n$

## List of Symbol

## Reference

The book published with the financial assistance received from Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University Aurangabad.

**Some Aspects of Neumann Algebra**

Dr. Tanisha B. Dale

**Published By**

**Chinmay Prakashan**

Jijamata Colony, Paithan Gate,

Aurangabad - 431 001

**Mobile No. -09822875219 / 08788136159**

**Email :** chinmayprakashan@gmail.com

**Printers**

Omkar Printers

Aurangabad

**Typesetters**

Anjali Kulkarni

Vedika Typesetters

Aurangabad

**Cover Designing**

Apurva Graphics

Frist Ed. : 11-12- 2019

**₹ - 190**

ISBN - 978 - 93 - 84593 - 44 - 5



## **Physics - I**

S.S.Shide, S.V. Rajmane, R.M. Mahindrakar, V.B. Kawade

## **Physics - II**

S.S.Shide, S.V. Rajmane, R.M. Mahindrakar, V.B. Kawade

## **Physics - III**

Dr. D.S. Birajdar, R.M. Mahindrakar, S.S.Shide, V.B. Kawade

## **Practical Physics (F. Y. B.sc.)**

Dr. Sanjay K. Tupe

## **Mathamatics - III**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Mathamatics - IV**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Mathamatics - V**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Mathamatics - VI**

Dr. Jayashree Patil, Dr. S. B. Kiwne, Prof. B.D. Dawkar

## **Zoology - III**

Dr. P. V. Jabde

## **Modern Zoology V & VI**

Dr. Bhalerao S.S.

## **Programing in Java**

Dr. Ramesh Manza

## **Fundamental of C**

Dr. Prasad Madan, Dr. Gajanan Chaudhari

Miss. Ujjwala Wagh



**Chinmay Prakashan**

Aurangabad  
9822875219



# TRENDS OF RESEARCH IN ANIMAL SCIENCE



Dr. N.G. Shinde  
Dr. D.M. Gaikwad

TRENDS OF RESEARCH IN ANIMAL SCIENCE

© Dr. N.G. Shinde & Dr. D.M. Gaikwad

❖ **Publisher :**

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.  
Limbaganesh, Dist. Beed (Maharashtra)  
Pin-431126, vidyawarta@gmail.com

❖ **Printed by :**

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.  
Limbaganesh, Dist. Beed, Pin-431126  
[www.vidyawarta.com](http://www.vidyawarta.com)

❖ **Page design & Cover :**

Shaikh Jahuroddin,Parli-V

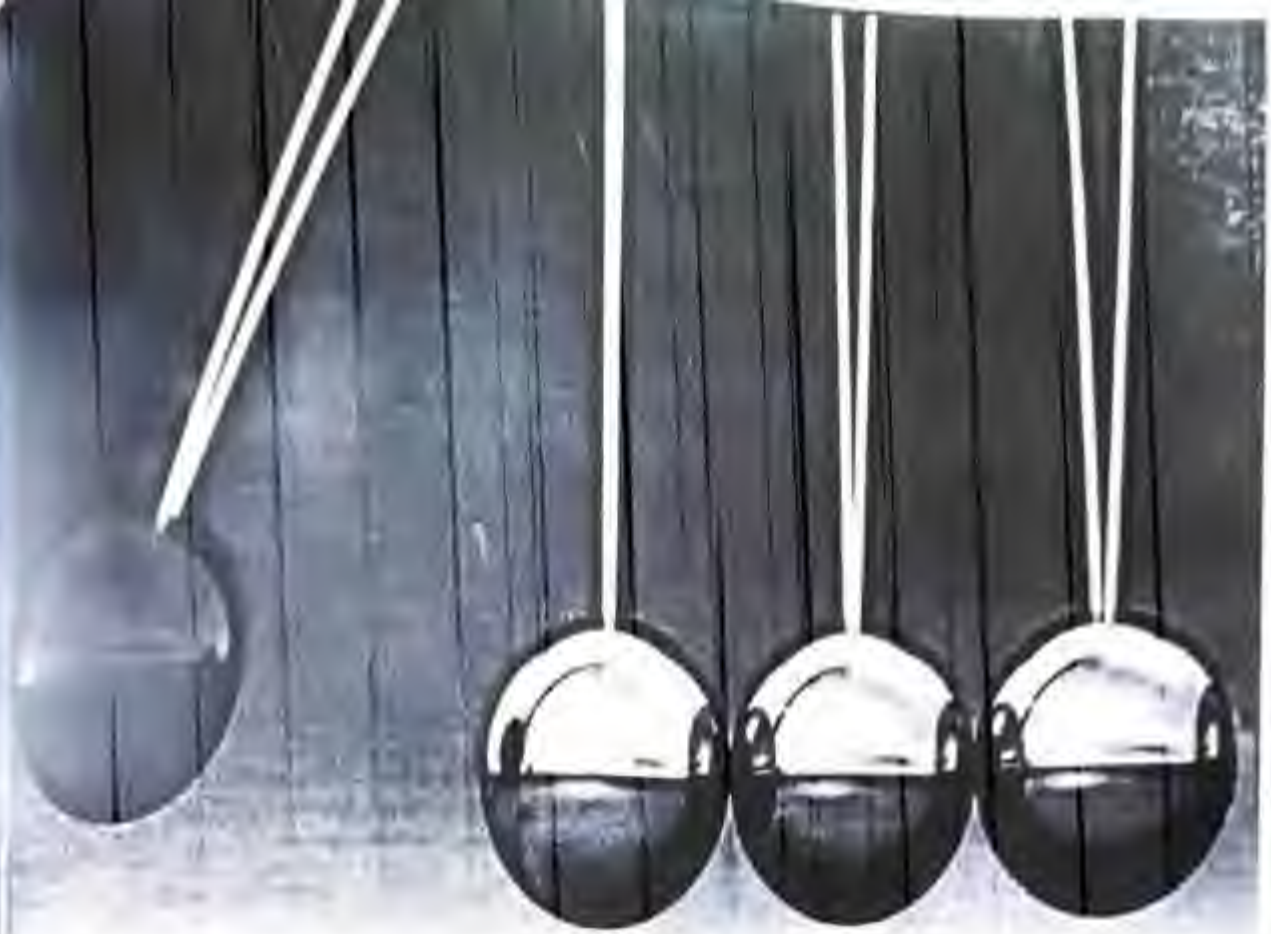
❖ **Edition: January 2020**

**ISBN 978-81-948448-8-4**

❖ **Price : 199/-**



All Rights Reserved. No part of this publication may be reproduced, or transmitted, in any form or by any means, electronic mechanical, recording, scanning or otherwise, without the prior written permission of the copyright owner. Responsibility for the facts stated, opinions expressed, conclusions reached and plagiarism, if any, in this volume is entirely that of the Author. The Publisher bears no responsibility for them, whatsoever Disputes, if any shall be decided by the court at Beed (Maharashtra, India)



# **OBJECTIVE PHYSICS**

**For B.Sc. Students**

*Editor : Dr. C. M. Kale*

## ABOUT THE BOOK...

The book entitled 'Objectives Physics for B.Sc. Students' completely focus on Multiple Choice Questions (MCQs) based on B.Sc. Physics syllabus prescribed by Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad (M.S) India. It strictly follows all the guidelines of the syllabus. Every care has been taken to cover the entire syllabus of all the semesters. This book includes all types of Multiple Choice Questions of B.Sc. first year, second year, and third year on every lesson and distributed in 12 sections. There are approximately 50 M.C.Qs prepared on each and every topic and there are total 2525 M.C.Qs. Also, an accurate answer of every M.C.Q is given in bold letters. The notable thing is that the M.C.Qs which have been asked in the previous examinations by Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad also included. This book is useful for B.Sc. Physics degree students and also the students who are preparing for the SET, NET, PET, and any similar examinations. I hope that all readers will welcome this book.

**R****RUSHI PUBLICATION**

B-115, Gajanan Colony, Gharkheda  
Aurangabad, (M. S., INDIA, 43) 005  
E-mail: [rushipublication27@gmail.com](mailto:rushipublication27@gmail.com)

ISBN: 978-81-951034-9-2



9 788195 103492

# OBJECTIVE PHYSICS

For B.Sc. Students

Edited by  
Dr. C. M. Kale

Published by  
Rushi Publication  
B-115, Gajanan Colony, Gharkhedu  
Aurangabad-431005  
E-mail: [rushipublication27@gmail.com](mailto:rushipublication27@gmail.com)

Copyright© 2021  
Reserved with authors

Edition  
First Edition  
30 April 2021

Typesetter  
Shravani Graphics, Sillod

Printed at  
Om Print  
MIDC, Chikalthana  
Aurangabad-(M.S.) India

Total Pages  
360

Distributor  
Mr. Rahul B. Gavande

Price  
Rs. 450/-

ISBN: 978-81-951034-9-2



*Note: The information written by every author(s) in this book is his manuscript. It has no concern at all with the publisher, the editor, or the editorial board.*

15. **MAGNETOSTATICS** 100-106  
 Dr. Ashok K. Dongare  
 Assistant Professor and Head, Department of Physics  
 Yashwantrao Pawar College, Patoda Dist. Haveri
16. **TRANSIENT CURRENTS** 107-112  
 Dr. Balwan U. Patil  
 Assistant Professor and Head, Department of Physics  
 Kothinori College, Khuldabad Dist. Aurangabad

**SECTION-V :**

**MATHEMATICAL, STATISTICAL PHYSICS  
 AND RELATIVITY**

17. **DIFFERENTIATION AND  
 ORDINARY DIFFERENTIAL EQUATION** 114-121  
 Ms. Vrushali C. Karade  
 Assistant Professor, Department of Physics  
 MSP Mandal's Shri Muktanand College, Gangapur  
 Dist. Aurangabad.
18. **STATISTICAL BASIS AND  
 CLASSICAL STATISTICS** 122-127  
 Mrs. Suvarna B. Patil  
 Assistant Professor, Department of Physics  
 Deogiri College, Dist. Aurangabad.
19. **QUANTUM STATICS** 128-134  
 Dr. Pravin K. Gaikwad  
 Assistant Professor, Department of Physics  
 Shri Chhatrapati Shivaji College, Ornerga.  
 Dist. Osmanabad
20. **THEORY OF RELATIVITY** 135-141  
 Dr. Suresh T. Alone  
 Assistant Professor and Head, Department of Physics  
 Rajarshi Shahu Arts, Commerce and Science College,  
 Pathri, Tal. Phulambri Dist. Aurangabad.

**SECTION-VI :**

**MODERN AND NUCLEAR PHYSICS**

21. **PHOTOELECTRIC EFFECT** 143-149  
 Dr. Surekha B. Jaiswal  
 Assistant Professor and Head, Department of Physics  
 Moreshwar Arts, Science and Commerce College,  
 Bhokardan, Dist. Jalna



**डॉ. देवानंद सस्वतारान अंधारे**

सहायक प्राध्यापक

भाषाशास्त्र विभाग प्रमुख

श्री संजयजी संस्वतारकर महाविद्यालय, काठिक

प. ० (३५२), ससावतार, रेंडूर, जिल्हा, जलशिव, पंजाब (संस्थान)

**- कार्य -**

- डॉ. अंधारेकर साहित्यिक सोलमर, वि. अंधारेकर
- डॉ. अंधारेकर साहित्यिक विभाग प्रमुख बनून कार्य
- डॉ. अंधारेकर साहित्यिक महाविद्यालय, काठिक येथे २०१२ पासून
- एम. ए. व एम. एड. यादीस साहाय्य करून देण्यात आल्याने डॉ. अंधारेकर यांना
- डॉ. अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक विभाग, अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक
- डॉ. अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक विभाग, अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक
- डॉ. अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक विभाग, अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक
- डॉ. अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक विभाग, अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक
- डॉ. अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक विभाग, अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक
- डॉ. अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक विभाग, अंधारेकर यांच्याकडून साहित्यिक



**श्रीमती वंदना जालिंदर अंधारे**

संपादक

उपसहाय्य अध्यापक साहित्यशास्त्र, अंधारेकर

प. ० (३५२), ससावतार, रेंडूर, जलशिव

**- कार्य -**

- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय, अंधारेकर येथे अंधारेकर यांना
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर
- साहित्यिक अंधारेकर महाविद्यालय अंधारेकर येथे अंधारेकर

# गांधीजी आणि भास्तीय वैचारिक जडणघडण



संपादक

डॉ. देवानंद सस्वतारान अंधारे  
श्रीमती वंदना जालिंदर अंधारे



संस्थान  
साहित्यिक अंधारेकर  
प. ० (३५२), ससावतार, रेंडूर, जलशिव, पंजाब







प्रा.डा. युवराज बालाराम गहेराव

सहायक अध्यापक, सदर्न रीजियल, कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, महाराष्ट्र शासन, मुंबई, ता. कुर्ली, जि. ठाणे/मुंबई.  
(बी.ए., बी.एड., पी.एच.डी., एन.ए. प्रोग्राम, मानसशास्त्र, पी.एच.डी. पी.एच.डी., एच.एड., पी.एच.डी. भाषाशास्त्र)

- मानसशास्त्र, सर्वाधिक मार्गदर्शक डॉ. अश्वत्थारु अंबेडकर महाराष्ट्र विद्यापीठ, औरंगाबाद.
- वीस वर्षांपासून अध्यापन क्षेत्रात कार्यरत आहेत.
- लक्षा वर्षे कनिष्ठ महाविद्यालयांमध्ये अध्यापनाचा अनुभव.
- आठ वर्षांपासून वरिष्ठ महाविद्यालयांमध्ये कार्यरत.
- आठ वर्षे मानसशास्त्र विभागप्रमुख म्हणून जबाबदारी पार पाडली.
- पी.एच.डी. साठी राजीव गांधी ज्युनियर व सিনিयर फेलोशिप प्राप्त.
- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महाराष्ट्र विद्यापीठ, औरंगाबाद. द्वि-महाना रिसर्च प्रोजेक्ट पूर्ण.
- संचालक अध्यक्ष, जालना प्रायव्हालॉजीकल असोसिएशन.
- मुख्य संचालक, मासिक प्रतिसिद्धता.
- संचालक, ग्रुप गुरुकुल निवासी शैक्षणिक संस्था.
- गेल्या १५ वर्षांपासून समुपदेशक म्हणून कार्यरत.
- कार्यशाळा, चर्चा सत्रांमध्ये रिसर्च परमन म्हणून भूमिका.
- शाळा, महाविद्यालये, विद्यापीठांमध्ये विविध विषयावर अनेक व्याख्याने.
- आंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय संशोधन पत्रिकेतून १५ संशोधन प्रसिद्ध.
- इतरां बरोवी करीता २००८ साली शिक्षणशास्त्र पुस्तकाचे लिखाण.
- मंत्र शास्त्रीबाबा विद्यापीठ, अहमदनगर येथील एन.ए. मानसशास्त्र अभ्यासक्रमाचा, उपस्थित संस्थाशासन पुस्तकाचा संचालक.
- माहितीवादी फुल विद्यापीठ, पुणे येथील बी.ए. तृतीय वर्षासाठी उपयुक्त उपस्थित आणि औद्योगिक मानसशास्त्र या पुस्तकाचे सहलेखक.
- आणखी भाषात मानसशास्त्रातील दुर्लभ विषयावर मराठीमध्ये लिखाण काम सुरू.



कैलाश पब्लिकेशन्स



# व्यक्तीभिन्नतेचे मानसशास्त्र

(Psychology of Individual Differences)



प्रा.डा. युवराज बालाराम गहेराव



उपयोजित आणि औद्योगिक  
**मानसशास्त्र**

डॉ. सुनील बी. धोंडगे  
डॉ. शरद एस. गोर्डे  
डॉ. युवराज बी. गहेराव  
डॉ. कल्पना एस. नागरे

सर्व हित साधनासाठी  
सर्वकाही पुस्तक संचालनालय

• [ajbbook.com](http://ajbbook.com)  
• [aajapin.com](http://aajapin.com)  
• Google Play Books  
• [atharvapublications.com](http://atharvapublications.com)



**अथर्व पब्लिकेशन्स**

सर्वकाही पुस्तक संचालनालय

[www.atharvapublications.com](http://www.atharvapublications.com)





प्रा.डा. युवराज बालाराम गहेराव

सहायक अध्यापक, सदर्न रीजियनल, कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, महाराष्ट्र शासन, मुंबई, ता. कुर्ली, जि. ठाणे/मुंबई  
(बी.ए., बी.एड., पी.एच.डी., एन.ए. प्रोग्राम, मानसशास्त्र, पी.एच.डी. पी.एच.डी., एच.एड., पी.एच.डी. भाषाशास्त्र)

- मानसशास्त्र, सर्वाधिक मार्गदर्शक डॉ. अश्वत्थारु अंबेडकर महाराष्ट्र विद्यापीठ, औरंगाबाद.
- वीस वर्षांपासून अध्यापन क्षेत्रात कार्यरत आहेत.
- लक्षा वर्षे कनिष्ठ महाविद्यालयांमध्ये अध्यापनाचा अनुभव.
- आठ वर्षांपासून वरिष्ठ महाविद्यालयांमध्ये कार्यरत.
- आठ वर्षे मानसशास्त्र विभागप्रमुख म्हणून जबाबदारी पार पाडली.
- पी.एच.डी. साठी राजीव गांधी ज्युनियर व सিনিयर फेलोशिप प्राप्त.
- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महाराष्ट्र विद्यापीठ, औरंगाबाद. द्वारे मानवता रिमार्च प्रोजेक्ट पूर्ण.
- संस्थापक अध्यक्ष, जालना प्रायव्हेटलाजीकल असोसिएशन.
- मुख्य संपाठक, मासिक परामिहलना.
- संचालक, ग्रुप गुरुकुल निवासी शैक्षणिक संस्था.
- गेल्या १५ वर्षांपासून समुपदेशक म्हणून कार्यरत.
- कार्यशाळा, चर्चा सत्रांमध्ये रिमार्च परमन म्हणून भूमिका.
- शाळा, महाविद्यालये, विद्यापीठांमध्ये विविध विषयावर अनेक व्याख्याने.
- आंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय संशोधन पत्रिकेतून १५ संशोधन प्रसिद्ध.
- इतरां बरोवी करीता २००८ साली शिक्षणशास्त्र पुस्तकाचे लिखाण.
- मंत्र शास्त्रीबाबा विद्यापीठ, अहमदनगर येथील एन.ए. मानसशास्त्र अभ्यासक्रमाचा, उपस्थित संस्थाशासन पुस्तकाचा संपादक.
- माथिजीवाई फुले विद्यापीठ, पुणे येथील बी.ए. तृतीय वर्षासाठी उपयुक्त उपस्थित आणि औद्योगिक मानसशास्त्र या पुस्तकाचे सहाय्यक.
- आणखी भाषात मानसशास्त्रातील दुर्लभ विषयावर मराठीमध्ये लिखाण काम सुरू.



कैलाश पब्लिकेशन्स



# व्यक्तीभिन्नतेचे मानसशास्त्र

(Psychology of Individual Differences)



प्रा.डा. युवराज बालाराम गहेराव



उपयोजित आणि औद्योगिक  
**मानसशास्त्र**

डॉ. सुनील बी. धोंडगे  
डॉ. शरद एस. गोरडे  
डॉ. युवराज बी. गहेराव  
डॉ. कल्पना एस. नागरे

सर्व हित साधनासाठी  
सबकी खी पुराई जयवा...

• [ajbbook.com](http://ajbbook.com)  
• [aepn.com](http://aepn.com)  
• Google Play Books  
• [atharvapublications.com](http://atharvapublications.com)



**अथर्व पब्लिकेशन्स**

सर्व हित साधनासाठी

[www.atharvapublications.com](http://www.atharvapublications.com)



## अनुबंधचतुष्टय

- ◆ संपादकीय आठ
- ◆ एक : कालानुबंध आणि संप्रदाय
१. भक्ती द्रविड उपजी  
डॉ. प्रभाकर मांडे, अहमदनगर २३
  २. संप्रदायाच्या अभ्यासाच्या दिशा  
डॉ. म. रा. जोशी, नागपूर २८
  ३. वारकरी संप्रदाय : महाराष्ट्राचे सांस्कृतिक संचित  
कै.डॉ. वा. सु. गिंदे, बेळगाव ३६
  ४. मध्ययुगीन मराठी संतकाव्याचा केशरमेळा  
डॉ. उषा मा. देशमुख, मुंबई ४६
  ५. भक्तिकालीन संत-महंतांचे भाषाभान आणि भाषा उपयोजन  
डॉ. लीला गोविलकर, अहमदनगर ६३
  ६. भक्तिपरंपरा आणि सामाजिक भान  
डॉ. श्यामसुंदर मिरजकर, मायणी ८३
  ७. बौद्ध परंपरा आणि संत साहित्य  
प्राचार्य डॉ. कमलाकर कांबळे, अंबाजोगाई ८९
  ८. जैन धर्म व भक्ती  
प्रा. गो. प. भालेराव, सेनगाव ९६
  ९. वीरशैव धर्म संप्रदाय  
डॉ. श्यामा घोणसे, पुणे १०३
  १०. स्वामी नारायण संप्रदाय  
डॉ. संजयकुमार करंदीकर, बडोदा (गुजरात) ११५
  ११. निंबरगी संप्रदायाचा भक्तिप्रवाह  
कै. डॉ. नरेंद्र कुंटे, सोलापूर १२२
  १२. महानुभाव साहित्य संशोधनाचा पुनर्विचार : काही अभ्यास  
डॉ. अविनाश आवलगावकर, पुणे १४३

## अनुबंधचतुष्टय

- ◆ संपादकीय आठ
- ◆ एक : कालानुबंध आणि संप्रदाय
१. भक्ती द्रविड उपजी  
डॉ. प्रभाकर मांडे, अहमदनगर २३
  २. संप्रदायाच्या अभ्यासाच्या दिशा  
डॉ. म. रा. जोशी, नागपूर २८
  ३. वारकरी संप्रदाय : महाराष्ट्राचे सांस्कृतिक संचित  
कै.डॉ. वा. सु. गिंदे, बेळगाव ३६
  ४. मध्ययुगीन मराठी संतकाव्याचा केशरमेळा  
डॉ. उषा मा. देशमुख, मुंबई ४६
  ५. भक्तिकालीन संत-महंतांचे भाषाभान आणि भाषा उपयोजन  
डॉ. लीला गोविलकर, अहमदनगर ६३
  ६. भक्तिपरंपरा आणि सामाजिक भान  
डॉ. श्यामसुंदर मिरजकर, मायणी ८३
  ७. बौद्ध परंपरा आणि संत साहित्य  
प्राचार्य डॉ. कमलाकर कांबळे, अंबाजोगाई ८९
  ८. जैन धर्म व भक्ती  
प्रा. गो. प. भालेराव, सेनगाव ९६
  ९. वीरशैव धर्म संप्रदाय  
डॉ. श्यामा घोणसे, पुणे १०३
  १०. स्वामी नारायण संप्रदाय  
डॉ. संजयकुमार करंदीकर, बडोदा (गुजरात) ११५
  ११. निंबरगी संप्रदायाचा भक्तिप्रवाह  
कै. डॉ. नरेंद्र कुंटे, सोलापूर १२२
  १२. महानुभाव साहित्य संशोधनाचा पुनर्विचार : काही अभ्यास  
डॉ. अविनाश आवलगावकर, पुणे १४३



## ॥ अनुक्रमणिका ॥

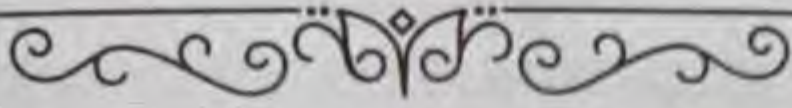
०१. संपादकीय : अत्याधुनिक शिक्षण प्रसाराचे जनक - डॉ. अशोक नाईकवाडे	१
०२. सर्वस्पर्शी शिक्षणमहर्षी - विक्रम काळे	६
०३. प्रेरणास्रोत - दिलीप दत्तात्रय वळसे पाटील	१०
०४. शैक्षणिक विकासाचा वटवृक्ष - मधुकरराव मुळे	१३
०५. कर्तृत्ववान सौजन्यमूर्ती - या. रा. जाधव	१७
०६. संवेदनशील, परोपकारी बाबूरावजी कदम - विजय सं. बोराडे	२८
०७. प्रयोगशीलतेचा ध्यास असलेले व्यक्तिमत्व - प्राचार्य प्रताप बोराडे	३४
०८. प्रेरणादायी व्यक्तिमत्व - डॉ. मदनसिंह पाटील	३९
०९. शिक्षणमहर्षी श्री. अंकुशराव कदम - डॉ. जगदीश वाघमाते	४४

१०. एका शिल्पकाराची गोष्ट - रा. रं. बोराडे	४९
११. निगर्वी... निर्मिक नि कलासक्त - प्रा. डॉ. सुधीर गव्हाणे	५६
१२. स्वप्न पाहणारे, दूरदृष्टे - बाबा भांड	६३
१३. श्रमयोगी सेवाव्रती - मा. द्वारकाभाऊ पाशीकर	६८
१४. किनारा तुला पामराला - नंदकिशोर कागलीवाल	७३
१५. सामाजिक व शैक्षणिक क्षेत्रातील योगदान - रंगनाथ (नाना) काळे	७७
१६. आम्ही मा. बाबूरावजींच्या प्रेमळ सावलीत वाढलो... - डॉ. पी. वाय. कुलकर्णी	८२
१७. सामाजिक भान असलेले व्यक्तिमत्त्व - माधव बोर्डे	८६
१८. एमजीएम संस्थेचे कल्पवृक्ष - डॉ. तसनीम पटेल	८८
१९. कुशल प्रशासक - अॅड. प्रदीप देशमुख	९७
२०. एमजीएम शैक्षणिक संकुल : एक कार्यशिल्प - धरंधर दळवी	१०१
२१. चतुरस्र व्यक्तिमत्त्व - डॉ. जगदीश कदम	१०८
२२. सहृदयी व्यक्तिमत्त्व - अॅड. एस.के. कदम	११५
२३. कर्तृत्वाचा उंच आलेख - एस. पी. जवळकर	१२१
२४. सकारात्मक ऊर्जेचा स्रोत - प्रेरणा दळवी	१२७



२५. एक उत्तुंग व्यक्तित्व - सौ. प्रतिमा भांड	१३०
२६. एमजीएमचे भगीरथ - रमेश तुळशीराम ठाकूर	१३४
२७. शिक्षणक्षेत्रातील एक बहुआयामी व्यक्तित्व - डॉ. गंगाधर निकम	१३८
२८. निर्मोही व्यक्तित्व - डॉ. गोविंद किशनराव हंबडे	१४३
२९. पत्रास कारण की... - डॉ. रेखा शेळके	१५०
३०. हे हात निर्मितीचे... - डॉ. आशा देशपांडे-माने	१५३
३१. 'ते' सर्वाही सदा सज्जन... - रवींद्र तहकिक	१५७
३२. Leadership Exemplified - Dr. (Col) Pardeep Kumar	१६३
३३. A Moving Spirit Behind MGM - Sheshrao Chavan	१६९
३४. Dadasaheb; The Creator - Nitin Mukund Gaikwad	१७५
३५. "Dad" OUR HERO ANKUSHRAO KADAM - Dr. Aparna Ranjeet Kakkad, - Dr. Asmita Pravin Suryawanshi. - Dr. Kshitija Girish Gadekar, -Dr. Sarika Ashish Gadekar	१८५
३६. संक्षिप्त परिचय	१९०





मा. अंकुशराव कदम



अमृतमहोत्सव

# शिल्पकार

मा. अंकुशराव कदम  
अमृतमहोत्सव

संपादक मंडळ

संपादक : प्राचार्य डॉ. अशोक नाईकवाडे

सहसंपादक : डॉ. जगदीश कदम

डॉ. कैलास इंगळे

नीलेश राऊत





शिल्पकार

मा. अंकुशराव कदम  
अमृतमहोत्सव

## ◆ दोन : अनुबंधाचे आकलन

१३. तेलगू आणि मराठी संत साहित्य : परस्पर अनुबंध  
कै. डॉ. लक्ष्मीनारायण बोल्ली, सोलापूर १५९
१४. कर्नाटकातील दास परंपरा  
डॉ. विजया तेलंग, गुलबर्गा (कर्नाटक) १७५
१५. वीरशैव संतकवी श्री चन्ना की हिंदी रचनाएँ  
डॉ. इरेश स्वामी, सोलापूर १८३
१६. गुजरातचा ज्ञानमार्गी संत अखा भगत  
डॉ. मृणालिनी कामत, बडोदा (गुजरात) १९०
१७. १२ व्या शतकातील शरणींच्या काव्य निर्मितीचे स्वरूप  
डॉ. अलका चिडगोपकर, पुणे २११
१८. माणिकप्रभू आणि सकलमत संप्रदाय  
डॉ. अपर्णा कल्याणी, सोलापूर २३५
१९. गोमंतकीय संत साहित्य  
प्रा. विनय मडगावकर, गोवा २६०
२०. मध्ययुगीन नाथ आणि वारकरी संप्रदायाचा अनुबंध  
डॉ. मंगला वैष्णव, औरंगाबाद २७८

## ◆ तीन : अनुभावबंध

२१. मध्ययुगीन संत-पंत साहित्यावरील पुराण परंपरेचा प्रभाव  
कै. प्रा. बा. दा. जोशी, नांदेड २९३
२२. संत साहित्य समीक्षेतील स्वातंत्र्योत्तरकालीन प्रभावी  
दृष्टिकोन : एक स्थूल आकलन  
डॉ. सतीश बडचे, औरंगाबाद ३०३
२३. संतत्व आणि माणवास्तव  
प्रा. भास्कर चंदनशिव, काळंब ३१४
२४. ज्ञानेश्वरीतील पर्यावरण : एक भक्तिदर्शन  
सौ. पयामा चातक देशपांडे, पुणे ३२९

२५.	भक्तिप्रवाह आणि संगीत डॉ. वंशाली गोस्वामी-कुलकर्णी, अंबाजोगाई	३३९
२६.	भावार्थ रामायणाच्या बालकांडातील लोकतत्त्व डॉ. दिनेश वाघुवरे, कडेगाव	३५९
२७.	संत ज्ञानेश्वर आणि संत मीराबाई यांच्या मधुराभक्तिपर काव्याचा तौलनिक अभ्यास डॉ. दीपा क्षीरसागर, चांड	३८८
२८.	वारकरी आविष्कार शैली डॉ. अशोक देशमाने, औरंगाबाद	३९८
२९.	भक्तिप्रवाहतील उपासक : संतकवी विष्णुदास डॉ. मारुती कुलकर्णी, किनवट	४०८
३०.	अमरावतीची कुळकथा डॉ. किरण देशमुख, नांदेड	४११
३१.	मध्ययुगीन काळाची सत्त्वे डॉ. शोभा नाईक, बेळगाव	४१४

#### ◆ चार : लौकिक बंध

३२.	निरपेक्ष स्नेहबंध प्रकाश जडे, मंगळवेढा	४२१
३३.	दादा न्यायाधीश अभिनंदन पाटंगणकर, औरंगाबाद	४२५
३४.	माझे बाबा डॉ. वैष्णवी आशोष जोशी, पुणे	४२८
३५.	बोले तैसा बाले मिता चौधरी, नांदेड.	४३१
३६.	संतत्वाचा वारसा आणि वसा डॉ. कैलास इंगळे, औरंगाबाद	४३४
◆	डॉ. विद्यासागर पाटंगणकर यांचा परिचय	४३७
◆	संपादक मंडळ	४५६

माझे विद्यार्थी डॉ. विद्यासागर पाटंगणकर यांनी आपले उभे आयुष्य अध्यापन व मध्ययुगीन संत साहित्य-संशोधन यासाठी वेचले नि त्यात अत्यंत लक्षणीय योगदान दिले.

डॉ. कैलास इंगळे आणि त्यांचे सहकारी यांनी संपादित केलेल्या "भारतीय भक्तिप्रवाह : स्वरूप साहित्य आणि संशोधन" या सद्भावग्रंथात त्यांच्या विषयांच्या भावना प्रकट झाल्या आहेत. या गौरवग्रंथात भारतीयभक्ती, धर्म व धर्मसंप्रदायांच्या विषयी मुलभूत संशोधन करणाऱ्या नामवंतांचे महत्त्वाचे लेख 'कालानुबंध आणि संप्रदाय' 'अनुबंधाचे आकलन', 'अनुभावबंध' या तीन विभागांत समाविष्ट केले आहेत. चौथा भाग हा लौकिक बंधाचा आहे. अनुबंध चतुष्टयातून या सद्भाव-गौरव ग्रंथाची मध्ययुगीन मराठी साहित्य संशोधन विषयक व विशेषतः भक्तिप्रवाहाच्या अनुषंगाने भारतीय पातळीवरून केलेली ही मांडणी तेलंगणा (आंध्र), कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, गोमंतक, अशा विविधांगी प्रदेशांतले भाषा, तत्त्वज्ञान, धर्म-पथ, संत यांच्या निमित्ताने भक्तीची एकसूत्री अद्योरेखित करते. तसेच भक्तीशी अनुबंधित समाजवास्तव, भाषाभान, गीत-संगीत, लोकमानस यांच्याही प्रभावाची केलेली चिकित्सा लक्षवेधी आहे.

या ग्रंथाने संशोधन क्षेत्रात मोलाची भर पडेल असा सला विद्यास वाटतो.

*Dr. V. S. Patangkar*

- पणजी यु. म. पताण

*विद्या*

पुस्तकालय, अहमदाबाद  
No. 0000000000



# भारतीय भक्तिप्रवाहः

स्वरूप, साहित्य आणि संशोधन



संपादक :

डॉ. मधुकर क्षीरसागर  
डॉ. शिवाजीराव देशमुख  
डॉ. कैलास इंगळे



# भारत के औद्योगिक भूगोल

डॉ. सचिन हिम्पतराव मोरे





# भारत के औद्योगिक भूगोल

औद्योगिक क्षेत्रों में 'उद्योग' शब्दों भी अलग-अलग तथा अलग-अलग अर्थों को कहते हैं। इस प्रकार इसमें सभी तरह के औद्योगिक कार्य सम्मिलित हो सकते हैं। कुछ विद्वान 'उद्योग' का इसी अर्थ में व्यवहार करते हैं और इसके अन्तर्गत शारीरिक, आर्थिक कार्यों में ही उद्योग सम्मिलित हो गे। प्राचीन काल में, शिल्पकार, कर्मचारी, कर्मचारी आदि में तन्त्र व्यवस्था प्रचलित हुए। इसी-विधियों एवं व्यवस्था आदि सभी कार्य सम्मिलित करते हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में सम्भवतः हर एक उद्योग को आधा या पूर्ण देश के समस्त औद्योगिक विकास का एक विशेषक है। इस क्षेत्र में, भारत सरकार ने भारतीय उद्योगों के विकास को जगते बढ़ाने और आकर्षित करने और निर्यात के बाजार में इसकी उपयोगिता तथा प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने रखने के लिए सम्य-समय पर औद्योगिक नीतियाँ जारी की हैं। भारत को आर्थिक समृद्धि के लिए कुछ कुछ कृषि उत्पादकता को बढ़ाए गए विधियाँ जारी हैं। कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सम्पूर्ण कृषि कार्य-विधियों का सुधारात्मक कार्यक्रम है। इसके लिए एक-एक क्षेत्रगत भूमि सुधारों को लागू करने की आवश्यकता है। जो हमारे क्षेत्रों के कर्मचारियों के शोधों के द्वारा कृषि आधुनिकीकरण और यन्त्रोपकरण को अद्यतन की आवश्यकता है। इस प्रकार का उत्पादन विद्यार्थी एवं शोधार्थी को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

**प्रमुख पुस्तकें में :-** औद्योगिक विकास का इतिहास • भारत में आधुनिक उद्योगों का विकास • भारतीय उद्योगोपकरण • खनिज उद्योग • भारत में लघु एवं कुटीर उद्योग • परत उद्योग और आर्थिकीय उद्योग • कृषि आधारित औद्योगिक उत्पादन में योगदान • औद्योगिक नीति का अर्थ • मानव एवं विकास • कृषि • आर्थिक उद्योग • भारत में परत एवं परिधान उद्योग।



**डॉ. सचिन हिमतराव मोरे (एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.)** वर्तमान में राजकीय साहू कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, जयपुर में फुल-टाइम, निर्यात और आयात (महाविद्यालय) में सहायक प्राध्यापक तथा विभाग प्रमुख, भूगोल विभाग में कार्यरत हैं। सन् 2004 से भूगोल विभाग में पढ़ाने का अनुभव है। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में अपने शोध निबंध प्रकाशित किये हैं। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और सम्मेलनों में भाग लेकर अपने शोध निबंध प्रस्तुत किए हैं।

₹ 1495/-

ISBN 9788195036073



**Head. Off. : 116, Chitragupta Nagar First,  
Industrial Park, Lakshmi, Gurgaon  
Haryana - 202 015 (INDIA)  
Mob. : +917891081213  
E-mail : [sp@drxpublications@gmail.com](mailto:sp@drxpublications@gmail.com)**

---

## अपेक्स पब्लिकेशन

---

118, चित्रगुप्त नगर प्रथम,  
इमलीवाला फाटक, गांधी नगर,  
जयपुर – 302 015 (भारत)  
Mob.: +917891981213  
Email: apexpublicationjpr@gmail.com

आई.एस.बी.एन. : 978-81-950360-7-3  
© सर्वाधिकार अधीन : 2021

टाइपसेटिंग: अपेक्स पब्लिकेशन, जयपुर

प्रिंटिंग प्रेस: थॉमसन प्रेस, नई दिल्ली

---

प्रकाशन से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त किये बिना मात्र उद्धरण के अतिरिक्त अन्य किसी भी उद्देश्य से इस ग्रन्थ के किसी भी अंश का किसी भी रूप में यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक, फोटोस्टेट, ध्वन्यालेखन अथवा अन्य किसी भी विधि से प्रतिलिपीकरण, प्रेषण अथवा अनुवाद सर्वत निषिद्ध है।

# विषय सूची

भूमिका

ix

अध्याय 1	औद्योगिक विकास का इतिहास .....	1
	पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान औद्योगिक विकास .....	1
	भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र .....	6
	प्रमुख उद्योग .....	6
	सूती वस्त्र उद्योग .....	7
	सीमेंट उद्योग .....	8
	लौह-इस्पात उद्योग .....	8
	चीनी उद्योग .....	9
	रासायनिक उर्वरक उद्योग .....	10
	पेट्रो-रसायन .....	11
	मोटर निर्माण उद्योग .....	11
	रेशम उद्योग .....	11
	रत्न एवं आभूषण उद्योग .....	12
अध्याय 2	भारत में आधुनिक उद्योगों का विकास .....	14
	भारत में आधुनिक .....	14
	औद्योगिक विकास एवं विनियमन अधिनियम .....	17
	अधिनियम के उद्देश्य .....	18
	औद्योगिक वित्त .....	21
	उद्योग का विकास और संरचना .....	25
	उद्योगिक के प्रकार, स्थान स्वरूप और विकास .....	28

कुटीर उद्योग.....	29
लघु पैमाने के उद्योग.....	30
बृहत् पैमाने के उद्योग.....	31
उद्योग का स्थानीकरण.....	32
उद्योगों के अनिवार्य तत्व.....	31
<b>अध्याय 3 भारतीय औद्योगीकरण.....</b>	<b>36</b>
औद्योगिक विकास.....	36
आवधाशाँ.....	42
उद्योग धन्धे.....	44
व्यापार.....	46
रूपका पैसा.....	48
माध्यम के गुण.....	49
<b>अध्याय 4 खनिज उद्योग.....</b>	<b>51</b>
भारत में खनन उद्योग.....	51
खनन उद्योग की परंपरा एवं विकास.....	51
भौगोलिक वितरण.....	52
अन्वेषण में शामिल संस्था.....	53
खनिज.....	54
उत्पादन.....	54
निर्यात.....	55
कानूनी और सर्वेधानिक ढांचा.....	56
खनन संबंधित मुद्दे.....	56
कायला.....	56
मैंगनीज.....	61
तांबा.....	63
जक्साइट.....	67
भविष्येक्षण तथा संरक्षण.....	70
अर्थात्त्वक खनिज.....	70
पाषाण संसाधन एवं उत्पादन.....	71
लोह भातु.....	74
पेट्रोलियम.....	78
प्राकृतिक रासायनिक खनिज.....	82

अध्याय 5	भारत में लघु एवं कुटीर उद्योग .....	93
	लघु उद्योग .....	93
	बड़े, छोटे और कुटीर उद्योग .....	101
	लघु एवं कुटीर उद्योगों की समस्याएं .....	104
	लघु एवं कुटीर उद्योगों के लिए राजकीय प्रयास .....	106
अध्याय 6	वस्त्र उद्योग और आत्मनिर्भर भारत .....	109
	भारतीय वस्त्र उद्योग .....	109
	समाधान के प्रयास .....	112
	कपड़ा उद्योग .....	112
अध्याय 7	कृषि आधारित औद्योगिक उत्पादन में योगदान .....	120
	भारतीय कृषि की उत्पादकता .....	120
	चाय .....	126
	कपास .....	128
	गन्ना .....	132
	गैहूं .....	134
	तावल .....	140
	मक्का .....	146
	सूती वस्त्र उद्योग .....	151
	रुनी कपड़ा उद्योग .....	153
	रेशमी वस्त्र उद्योग .....	154
	कृत्रिम वस्त्र उद्योग .....	155
	जूट उद्योग .....	156
	चीनी उद्योग .....	158
	वनस्पति तेल उद्योग .....	160
	चाय उद्योग .....	161
	काफ़ी उद्योग .....	161
	चर्म उद्योग .....	162
	भारत में कृषि-आधारित उद्योगों का अवलोकन .....	162
	ग्रामीण और शहरी भारत में औद्योगिक परिदृश्य .....	163
	कृषि-आधारित उद्योग- परिभाषा और प्रकार .....	163

	चुनिदा सरकारी पहल की समीक्षा.....	164
	कृषि-आधारित उद्योग मूलों और समस्याओं की समीक्षा.....	166
<b>अध्याय 8</b>	<b>औद्योगिक नीति का अर्थ, महत्व एवं विकास.....</b>	<b>167</b>
	आर्थिक नीति.....	167
	औद्योगिक नीति का अर्थ.....	167
	औद्योगिक नीति का महत्व.....	168
	भारत में औद्योगिक नीति का विकास.....	169
	औद्योगिक नीति, 1991.....	173
<b>अध्याय 9</b>	<b>वन-आधारित उद्योग.....</b>	<b>188</b>
	वन के प्रकार एवं उसके उत्पाद.....	183
	कागज उद्योग.....	192
	रबड़ उद्योग.....	193
	कूटोद उद्योग.....	194
	पर्यटन उद्योग.....	196
	ईको-टूरिज्म.....	198
<b>अध्याय 10</b>	<b>भारत में वस्त्र एवं परिधान उद्योग.....</b>	<b>203</b>
	उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ.....	204
	चुनौतियों से निपटने हेतु सुझाव.....	204
	भारत के प्रमुख उद्योग.....	205
	भारत में सूती वस्त्र उद्योग का विकास.....	206
	कपास के प्रकार.....	207
	भारत में सूती वस्त्र मिल.....	207
	उद्योग की स्थापना को प्रभावित करने वाले कारक.....	208
	विश्व में शूत तथा सूती वस्त्रों का उत्पादन एवं वितरण.....	210
	वस्त्र उद्योग.....	212
	उत्पी वस्त्र उद्योग.....	242
	रेशमी वस्त्र उद्योग.....	248

# जलवायु भूगोल

डॉ. प्रविण विलासराव ठाकरे







# जलवायु भूगोल

डॉ. प्रविण विलासराव ठाकरे

(एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.)

सहायक प्रोफेसर - भूगोल विभाग

राजर्षी शाहू कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, पाशी,  
तहसील फुलंब्री, जिला औरंगाबाद, महाराष्ट्र

  
PeX  
Publication  
\*  
JAIPUR • (INDIA)

## **अपेक्स पब्लिकेशन**

118, चित्रगुप्त नगर प्रथम,  
इमलीवाला फाटक, गांधी नगर,  
जयपुर-302015 (भारत)  
Mob.:+917891981213  
Email:apexpublicationjpr@gmail.com

आई.एस.बी.एन.: 9789392193019  
© सर्वाधिकार अधीन: 2022

टाइपसेटिंग:अपेक्स पब्लिकेशन, जयपुर

प्रिंटिंग प्रेस: ग्लोबल प्रिंटिंग सर्विसेस, दिल्ली-110092

प्रकाशन से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त किये बिना मात्र उद्धरण के अतिरिक्त अन्य किसी भी उद्देश्य से इस ग्रन्थ के किसी भी अंश का किसी भी रूप में यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक, फोटोस्टेट, ध्वन्यालेखन अथवा अन्य किसी भी विधि से प्रतिलिपीकरण, प्रेषण अथवा अनुवाद सर्वत निषिद्ध है।

# विषय सूची

भूमिका

ix

अध्याय 1	जलवायु का अर्थ एवं परिभाषा.....	1
	भारत के जलवायु प्रदेश.....	1
	जलवायु का स्वरूप.....	5
	वर्षा आधारित जलवायु समूह.....	9
	कोपेन का वर्गीकरण.....	10
	जलवायु पर प्रभाव डालने वाले कारक.....	13
अध्याय 2	जलवायु और उसका वर्गीकरण.....	20
	मौसम और जलवायु.....	20
	जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक.....	20
	थोर्नथ्वेट का वर्गीकरण.....	23
	कोपेन का वर्गीकरण : एक समीक्षा.....	24
अध्याय 3	ऋतुएँ.....	27
	जाड़े की ऋतु.....	28
	ग्रीष्म ऋतु.....	29
	वर्षा ऋतु.....	30
	ऋतुओं के अनुसार वर्षा का वितरण.....	34
	भारत के वर्षा विभाग.....	35
	वर्षा तथा कृषि.....	36

अध्याय 4	मानसून एवं पवन .....	38
	मानसून आगमन की अवधि .....	40
	पवन का अर्थ .....	41
	मानसून पवन .....	44
	पूरुवा पवन या व्यापारिक पवन .....	50
	पूर्वी एशिया का मानसून .....	54
	विश्व के विभिन्न क्षेत्रों पर मानसून का प्रभाव .....	60
	मानसून उत्पत्ति का सिद्धांत .....	51
अध्याय 5	चक्रवात .....	57
	चक्रवात के विकास की अवस्थाएँ .....	67
	बर्कनीज का चक्रवातीय प्रतिरूप .....	62
	तड़ित झंझा .....	72
	तड़ित झंझा तथा बिजली का चमकना .....	77
	शीतोष्ण कटिबन्धीय चक्रवात .....	83
अध्याय 6	जलवायु परिवर्तन : कारण एवं प्रभाव .....	89
	जलवायु परिवर्तन .....	94
	जलवायु परिवर्तन के कारण .....	94
	ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन .....	97
अध्याय 7	जलवायु विज्ञान .....	110
	अर्थ एवं परिभाषाएँ .....	110
	भारत की जलवायु .....	112
	मानसून की क्रियाविधि .....	114
	जलवायु का प्रकार .....	115
	जलवायु विज्ञान का वर्गीकरण .....	116
अध्याय 8	जलीय चक्र एवं नमी .....	118
	जलीय चक्र .....	118
	वाष्पीकरण .....	119

	तापमान और नमी.....	121
	संघनन का सिद्धान्त.....	125
	नमी का मापन.....	131
	ताप-नमी सूचकांक.....	133
अध्याय 9	वायुमण्डलीय ताप.....	135
	वायुमंडल के ताप की प्राप्ति.....	138
	वायुमंडल के गर्म एवं ठंडा होने की विधियाँ.....	138
	सतह के ताप का वितरण.....	141
	धरातल पर वार्षिक तापक्रम की मुख्य विशेषताएँ.....	146
	तापमान का ऊर्ध्वाधर वितरण.....	150
	वायुमंडलीय साम्यावस्था तथा ताप ह्रास दर.....	163
अध्याय 10	कोहरा.....	166
	वातापी कोहरा.....	166
	कोहरों का नामकरण.....	168
	मेष.....	171
	कोहरा तथा मेष में अन्तर.....	179
	वर्षा या वृष्टि के विभिन्न प्रकार.....	180
	कोहरों का वर्गीकरण.....	195
	कोहरों का सामान्य वर्गीकरण.....	198
अध्याय 11	वायुमंडल का भौतिक स्वरूप.....	204
	वायुमण्डल.....	208
	वायुमण्डल का स्तरीकरण.....	209
	वायुमंडल का ढाँचागत रूप.....	212
	वायुदाब का मौसमी बदलाव.....	215
	वायुमंडल की साम्यावस्था.....	218
	वायुमंडलीय साम्यावस्था तथा ताप ह्रास दर.....	221
	वायुमंडल की संरचना सम्बन्धी नूतन परिकल्पना.....	224

अध्याय 12 वायुमंडलीय प्रदूषण.....	226
वायु प्रदूषण.....	232
पर्यावरण प्रदूषण से वायुमंडल प्रभावित .....	233
कार्बन-डाइ ऑक्साइड बढ़ने के प्रभाव .....	234
कार्बन-डाइ ऑक्साइड की वृद्धि पर रोक के उपाय.....	235
पर्यावरण प्रदूषण एक चुनौती .....	236
प्रदूषण के स्रोत .....	236
प्रदूषण का इतिहास.....	237
प्रदूषण-पर्यावरण में असन्तुलन .....	238
प्रदूषण-अन्तर्राष्ट्रीय आयाम.....	240
पर्यावरण प्रदूषण: आशय एवं परिभाषा .....	243



# **Herbal Medicinal Wealth :**

## **Utilization With Conservation.**



### **Editors**

**Prof. Narayan S. Jadhav**

**Dr. Vinod D. Patange**

**Prof. Arvind S. Dhabe**

**Dr. Shital N. Jadhav (Ghorband)**

# **Herbal Medicinal Wealth :** Utilization with Conservation

## **Editors :**

Dr. Narayan S. Jadhav

Dr. Vinod D. Patange

Prof. Arvind S. Dhabe

Dr. Shital N. Jadhav (Ghorband)



**Rajarshi Prakashan,**  
**Udgir**



## **Herbal Medicinal Wealth : Utilization with Conservation**

**Editors :** Prof. Narayan S. Jadhav  
Dr. Vinod D. Patange  
Prof. Arvind S. Dhabe  
Dr. Shital D. Ghorband

**Publisher :** Mrs. Jayashri More

**Published by :**

Rajarshi Prakashan,  
S.T. Colony, Nalegaon Road, Udgir  
Dist - Latur (M.S.)

**Mob. :** 8830707388

**E-Mail -** rajarshiprakashan@gmail.com

**ISBN :** 978-81-955085-5-6

Copy rights @ Editors.

**First Published :** March - 2022

**Cover page design :** Sai Offset & Printers, Hadolti

Price-299/-

All rights reserved,

No material may otherwise be copied, modified, published or distributed without the prior written permission of copyright owner. Academic facts, views and opinions published by authors are in the book express solely the opinions of the authors. Respective authors are responsible for their consent, citation of sources and the accuracy of their references. The publisher / Editors cannot be held responsible for any lacks or possible violations of third parties' rights.

The Editors and SDSP Trust, Hippalgaon acknowledge and express indebtedness to National Medicinal Plants Board, Ministry of AYUSH, Government of India, New Delhi, for sanctioning financial assistance to organize Two days 'National Seminar on Recent Advances in Utilization of Medicinal Plants' at Dept. of Botany, Dr. BAMU, Aurangabad(MH) on 12th-13th March and to bring out seminar proceedings in the form of present book. The editors are equally thankful to the management of Shree Dhanwantari Sevabhavi Pratishthan, Hippalgaon for extending whole hearted cooperation.

1. Health from Natural Wealth
2. Future Prospective of Cultivation of Medicinal Herbs
3. Medicinal Plants Conservation and Cultivation in Ancient India
4. Concept of Pharmacovigilance in Ayurveda
5. AnukraDravya- Current researches, identification of medicinal plants, current trends and challenges
6. Long Pepper -The Crucial Herb
7. GEO-BOTANICAL INDICATORS FOR PRESENCE OF GROUND WATER - AN INSIGHT FROM V'8Y'YURYEDA
8. Title- Critical Review On The Term Vedanasthapan W.S R To Vedas by Mahakabir
9. Use of algae in medicine
10. PHARMACOVIGILANCE OF AYURVEDA AND ADVERSE DRUG REACTION
11. In vivo efficacy study of Gharugion so2 oxide induced rat model  
Research Article
12. An experimental study of Kashaya and MadhurSkandha Dravyas in the management of ParinamaShula (Peptic Ulcer)
13. Vrikshayurveda - An introduction to ancient plant science
14. ROLE OF PHYTOBIOTICS IN IMPROVING HEALTH STATUS OF BIRDS IN POULTRY FARMING AND TO REDUCE USE OF ANTIBIOTICS AND DRUGS ACROSS EFFECTIVE ANALYSIS
15. Ethno-medicinal uses of *Echinopschinatus* Roxb
16. Role of Pharmacovigilance for Herbal Medicines: Concept and Regulation
17. Intellectual Property Rights (IPR) and Benefit sharing
18. Exploration of Intellectual Property Rights of Ayurvedic Medicinal Plants and Its Benefits
19. Morphometric study of Cassia Species from Maharashtra, India
20. Vegetable Grafting: Eco-friendly approach for sustainable vegetable production
21. IDENTIFICATION AND STANDARDIZATION OF MEDICINAL PLANTS
22. In-Vitro Propagation of *Ceropegia bulbosa* Roxb, var. *imbosa*
23. Collection Methods of Guggulu
24. Status of Medicinal plants and their Conservation in India
25. A CURRENT SCENARIO OF TRADITIONAL MEDICINAL PLANTS OF WESTERN
26. Clinical Efficacy Of Nyagrodhadi Tail In Post-Op Fistula-in-Ano Wound- Case Study GHAT OF INDIA
27. Review Article Pharmacovigilance In Ayurveda & Adverse drug reaction
28. Intellectual property Rights and Regulations

Dr.  
Ma  
Dab  
Un

Ra  
cin  
atr  
of  
for  
sol  
led  
ar  
wh  
sy  
el  
er  
ra

w  
so  
"T  
"A  
ch  
p  
a  
T  
w  
o  
-  
b  
A

## 15. Ethno-medicinal uses of *Echinopsechinatus* Roxb

Tularam D. Kamble

Department of Botany, Rajarshi Shahu Arts, Commerce & Science  
College, Patli Tq. Phulambri Dist. Aurangabad 431111, (M.S.) India

Email: tularamkamble2506@gmail.com

### Abstract :

The medicinal plants survey was administered in Hingoli district of Maharashtra state for documentation the knowledge regarding medicinal plants species used against different diseases. The present study provides information about ethno medicinal uses of *Echinopsechinatus* Roxb. documented from district. It is commonly known as Ulkatari which belongs to the family Asteraceae.

Key Word: Diseases, Hingoli, knowledge, Medicinal uses.

### Introduction :

The man has close relation with nature and dependent on plants for fundamental needs from the time unknown. Plants are the fundamental source of food and energy, clothing and shelter, lifesaving drugs, flavouring and even the oxygen, that we breathe. The plants which possess the property of pharmacological effect on human body against ailments is called the medicinal plants. Medicinal plants are naturally known to produce the secondary metabolites such as alkaloids, steroids, terpenes, flavonoids, saponins, glycosides, tannins, resins, lactones, quinines, volatile oil etc. which shows pharmacological effect against various ailments and may cure different diseases. Plants are richest bioresources of drug for traditional system of medicine, modern medicine, food supplements, folk medicine, pharmaceutical intermediates, and chemical entities for synthetic drugs.

The synthetic drugs are considered to have more side effects to human being. Therefore, the medicines of herbal origin are used in many developed countries. The use of such drugs is increasing day by day. Various drugs are prepared from the medicinal plants in many countries of the world. Medicinal plants and traditional medicine has become

mainstay of health care in many developing countries. Recently World Health Organization (WHO) estimated that 80% of population depends on medicines of herbal origin for their primary health care. Due to changed life styles, majority populations in developing countries are suffering with various new and medicine resistant diseases. Therefore the demand of non-toxic or side effect less medicinal plants has also increased. All the collected data were compared with the pertinent literature (Bhuktar 2001, 2002, 2003; Jayshree 2011; Chavan et al. 2021); the identification of plant was done with the help of various floras (Naik 1979, 1998; Sharma 1998; Singh 2000, 2001).

### Botanical Description :

#### Family : Asteraceae

*Echinopschimanus* Roxb. Fl. Ind. vol. 2, 3: 447. 1832; Hook. f. Fl. Bor. India 3: 358. 1881; Naik, Fl. Osmanabad 184. 1979 and Fl. Marathiwada 1: 475, 1998; Shiroikar & Lakshmin. in Singh et al. Fl. Maharashtra St. Distr. 2: 207. 2001; M. R. Almeida, Fl. Mah. Ill. 99. 2001.

#### Local Name

- Gujarati: Shaliyo, Udanito, Utkalo
- Hindi: Gokhu, Uthkanta, Utakatira
- Sanskrit: Kantala, Kantaphala, Utati, Utkantaka.
- Urdu: Barhumiandi, Labh, Utkatara.
- Marathi: Urdutari
- Telugu: Brahmadandi
- Kannada: Brahmadande

Much branched, rigid, annual herbs. Leaves alternate, sessile, oblong lyrate or deeply pinnatifid, lobes triangular-oblong, sinuate, spinescantly pointed. Compound heads globose, on stout peduncles. Involucral bracts of individual simple heads scale-like, outer oblanceolate, intermediate bracts often turned into sharp spines. Florets bisexual, very tubular, 5-lobed, white corolla; lobes of the corolla linear, acute. Achene obovate, densely villous at base. Pappus short, brush-like.

Fls. & Frts.: November-March.

Uses: Reserved from study area. The one teaspoon root powder is used

orally at morning for fifteen days to cure piles and one teaspoon root powder is given at morning and evening for two to three days on fever in children.

#### Medicinal Uses :

It is used in malarial fever, skin diseases and wound healing. Root paste thought to facilitate childbirth (Singh, 2010). Root powder in water is given orally twice in a day in headache (Bagul, 2013). The root powder is given internally after parturition as a tonic and restoration of vagina and uterus. Entire plant decoction is given orally as abortifacient (Mali, 2011). Fresh root decoction is given two times in day to cure urinary problems (Punjam, 2010). anti diabetic, antihypertensive, analgesic, anti-inflammatory, antifungal activity, hepatoprotective, antifertility, antioxidant, diuretic and protective effects (Hamsalakshmi et al 2018). The root and seed are used for the treatment of sexual disability and aphrodisiac (Maurya, et al 2015).

#### REFERENCES

- Bagul, R. M. 2013. Some Ethnomedicinal Plant Species of Satpuda Forest Region of East Khandesh/Jalgaon District, Maharashtra. *Journal on New Biological Reports*, 2(3): 264 - 271.
- Bhaktar A. S. 2001. A preliminary list of some medicinal plants of Hingoli district. *International Journal of Mendel* 18 (1-2): 35-36.
- Bhaktar A. S. 2002. Traditional Use of Medicinal Plants of Hingoli District, In: *Proceeding plant Resource Development by A. M. Mungikar and A. S. Bhaktar (Eds.)*, Dr. B. A. M. University, Aurangabad. 140-152.
- Bhaktar A. S. 2003. Therapeutic Methods of medicinal plants on different diseases. *International Journal of Mendel* 20(3-4): 91-92.
- Hamsalakshmi, J Suresh, Babu S. and Sripa M 2018 Phytochemical and Pharmacological Profile of *Echinopochinatus* Roxb. - A Review. *Indo- Journal of Pharmacognosy and Phytochemical Research*, 10(4): 146-150.
- Jayshree U. Patil and S. D. Borade. 2011. Folkloric medicinal plants of Hingoli district, Maharashtra. *Indian Journal of Natural Product and Resources*. Vol. 10(1): 97-101.

Chavun R.T., A. A. Waghmare & S.S. Choudhan 2021. Studies on ethno-botanical plants used by Banjara tribal community in Hingoli district in Maharashtra, India. *Pla. Sci.* Vol. 04 Iss. 04 & 05: 250-256

Mali, P. V. and Bhadane, V. V. 2011. Ethno-medicinal Wisdom of Tribals of Aurangabad District (M.S.), India. *Indian J. Nat. Prod. and Resour.* 2(1): 102 - 109.

Maurya SK, Kushwaha AK, Seth 2015A. Ethnomedicinal review of Usnakantaka (*Echinopsechinatus* Roxb.). *Phcog Rev*; 9: 149-54.

Naik, V. N. 1979. The Flora of Osmanabad. Venus Publishers, Aurangabad.

Naik, V. N. 1998. Flora of Marathwada volume. 1 & 2. Anant Prakashan, Aurangabad.

Sharma, B.D; Karthikeyan S and Singh N.P. 1998 Flora of Maharashtra state: Monocotyledones: 270-635. Botanical Survey of India, Calcutta.

Punjani, B. L. 2010. Herbal Folk Medicines Used for Urinary Complaint in Tribal Pockets of Northeast Gujarat. *Indian J. Trad. Know.* 9(1): 126 - 130.

Singh, N.P. & S. Karthikeyan. (eds.). 2000. Flora of Maharashtra state: Dicotyledones volume 1. B.S.I. Calcutta.

Singh, N. P., P. Lakshminarasimhan., S. Karthikeyan & P.V. Prasanna. (eds.). 2001. Flora of Maharashtra state: Dicotyledones volume 2. B.S.I. Calcutta.

Singh, Prasant Kumar., Kumar, Vinod., Tiwari, R. K., Sharma, Alok, Rao, Ch. V., and Singh R. H. 2010. Medico-Ethnobotany of Chhatrapati Block of District Sonbhadra, Uttar Pradesh, India. *Advances in Biological Research*, 4(1): 65 - 80.

Chayan R. T., A. A. Waghmare & S. S. Choudhari (2021). *Some ethno-botanical plants used by Banjara tribal community in Hingoli district in Maharashtra, India*. *Pl. Sci. Vol. 04(1)*: 04 & 11-256

Mali, P. Y. and Bhadane, V. V. 2011. Ethno-medicinal Wisdom of Tribes of Aurangabad District (M.S.), India. *Indian J. Nat. Prod. and Res.* 2(1): 102 - 109.

Maurya SK, Kushwaha AK, Seth 2015 A. Ethnomedicinal uses of *Usnakantaka* (*Echinopsechinatus* Roxb.). *Phcog Rev*; 9: 149-54

Naik, V. N. 1979. The Flora of Osmanabad. Venus Press, Aurangabad.

Naik, V. N. 1998. Flora of Marathwada volume 1. Annu Prakashan, Aurangabad.

Sharma. B.D, Karthikeyan S and Singh N.P. 1998 Flora of Maharashtra state: Monocotyledones. 270-635. Botanical Survey of India, Calcutta

Punjani, B. L. 2010. Herbal Folk Medicines Used for Urinary Complaint in Tribal Pockets of Northeast Gujarat. *Indian J. Trad. Know.* 9(1): 126 - 130.

Singh, N.P. & S. Karthikeyan. (eds.). 2000. Flora of Maharashtra state: Dicotyledones volume 1. B.S.I, Calcutta

Singh, N. P., P. Lakshminarasimhan., S. Karthikeyan & P.V. Prasanna (eds.). 2001. Flora of Maharashtra state: Dicotyledones volume 2. B.S.I, Calcutta

Singh, Prasant Kumar, Kumar, Vinod., Tiwari, R. K., Sharma, Rajendra, Rao, Ch. V., and Singh R. H. 2010. Medico-Ethnobotany of Chate Block of District Sonbhadra, Uttar Pradesh, India. *Advances in Biological Research*, 4(1): 65 - 80



## About Editors



**Prof. Jayaraj S. Jithan** is working as Head, Dept. of Tropical & M. V. Diseases, Amal Jyothi Medical College & Hospital, Edappally, Thiruvananthapuram (MH). He has 15 years of teaching & 21 years of research experience. His specializations in Life Style Diseases, Dermatology. His special interests are Rheumatology & Bone Care, Tuberculosis & Scabies, Diabetes & Pregnancy. He has been contributing to the field of Ayurveda in different fields (i.e. Academic, Clinical, Research, Prevention and Publications). He has as his credit more than 15 publications in national, national & international journals & conference proceedings. He presented his Academic & Clinical research work in different National, international conferences & symposiums. He is Faculty of Research & Teaching & Technology Faculties in Yashwantrao Chavan Vaidya (CIVV) - The Most Powerful Ayurveda School, Panchikaran, treatment of Rheumatoid Arthritis (RA) also in International Bank of Biomedicine, *Large Scale of Clinical Studies*, Mumbai, May-2018.



**Dr. Nand Dattaraj Patange** is working as Associate Professor, Dept. of Vidyayugala S.L. Mulla Jayangula Vaidya Mahavidyalaya, Tumkur. Has 15 years of VY and PG teaching experience. Has worked for more than 10 AYURVED sponsored research projects. Has published 10 research papers in International and National journals. He is a author of - *Devayugala yellaha* book for VY students. Received Odharva Granthi award for his Book, Edited by Kulkarni, titled *Kalpapur* on the 50th anniversary of *Vaidya Vidyapeetha* with *Maharaja Yashwantrao Chavan*. He is an active member of different committees and (i) *Journal of Vaidya Medicine* plans related research.



**Prof. Dhairi Arvind Shivakumar** is working as Professor, Dept. of Tropical & Former Head, Departments of Tropical & M. V. Diseases, Amal Jyothi Medical College - THIRUVANANTHAPURAM. He has been in teaching since 7 years. He has attended 1st Undergraduate level of International conference at post graduate level. He is guided 21 students for Ph.D. and 96 are working in 10 research projects. He has followings of leading associations for Ayurveda, University (UJAT), Society of Pharmacognosy, Phytochemistry (ISPP), PhD Fellowship (University of Kerala), research, Spain, 2018. He is member of 11 groups, 10 committees and international bodies, societies etc. Working with *Chandrashekhara*, *DIFFERENT*, A quarterly Journal of Life Sciences, Kerala.



**Dr. Smita N. Jithan (Cheruvu)** Working as an Asst. Professor, Dept. of Tropical & Diseases, Amal Jyothi Medical College & Hospital, Edappally, Thiruvananthapuram (MH). She is teaching Ayurveda since 10 years. Attached to work with various Ayurveda research work shops. She is trained in Kerala, Thailand and Germany under the guidance of Prof. in National & International conferences.



**Rajarshi Prakashan**

S. T. Sathya Mahagan Road  
 Thiruvananthapuram (MH)  
 Phone: 9447047448  
 Email: [rajarsiprakashan@gmail.com](mailto:rajarsiprakashan@gmail.com)

ISBN : 978-81-906085-1-4



# **GEOGRAPHY OF INDIA**

**DR. SATISH B. JADHAV  
DNYANESHWAR F. PATHRIKAR**



# GEOGRAPHY OF INDIA

DR. SATISH B. JADHAV  
DNYANESHWAR F. PATHRIKAR

The logo for PeX Publication features a stylized mountain range with three peaks of varying heights, rendered in a dark blue-grey color. Below the mountains, the text 'PeX' is written in a large, elegant, black serif font. Underneath 'PeX', the word 'Publication' is written in a smaller, black serif font. A thin horizontal line separates 'Publication' from the text 'JAIPUR • (INDIA)' below it. A small asterisk is positioned between 'JAIPUR' and '(INDIA)'.

PeX  
Publication  
JAIPUR • (INDIA)

ISBN : 978-81-951161-8-8

© All rights reserved  
First Edition: 2021

**Apex Publication**

Regd. Off. 118, Chitragupt Nagar First,  
Imali Phatak Lalkothi, Gandhi Nagar,  
Jaipur 302015, India  
Mob.: +917891981213  
Email: apexpublicationjpr@gmail.com

Typeset by Apex Publication, Jaipur

Printed at : Thomson Press Ltd. New Delhi

*All Rights Reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, scanning or otherwise, without the prior written permission of the copyright owner.*

# Contents

---

	<i>Preface</i> .....	(ix)
<b>Chapter 1.</b>	<b>Introduction</b> .....	<b>1</b>
	Water Bodies .....	1
	Geological Development .....	5
	Physiographic Regions .....	7
	Indo-Gangetic Plain .....	10
<b>Chapter 2.</b>	<b>Geographic and Demographic Setting in India</b> .....	<b>14</b>
	Principal Regions .....	15
	Surrounding Seas .....	24
	Population Projections .....	48
	Population and Family Planning Policy .....	49
	Role of the Government .....	57
	Structure and Dynamics .....	69
<b>Chapter 3.</b>	<b>The Indian Mineral Sector</b> .....	<b>73</b>
	History of India's Mineral Sector .....	74
	Natural Products .....	75
	The Soil .....	76
	Irrigation .....	77
	Forests .....	80
	Food Grains .....	82
	Other Vegetable Products .....	83
	Fruits and Vegetables .....	84
	Mineral Produce and Resources .....	88
	Current Status of Mining Industry in India .....	96
	Small Scale Mining Sector .....	98
	Scenario by Principal Minerals .....	102

<b>Chapter 4. Climatic and Weather of India</b>	
Climate of India	111
Climate Regions	113
The Peninsular Plateau	121
Hill Range of the Peninsula	122
Soils	124
The Earth's Crust	125
<b>Chapter 6 Classification of Rocks According to Origin</b>	128
Structure of Atmosphere	130
Latitude, Longitude and Time	131
Weather in India	132
Climate India, Weather in India	133
Atmosphere	134
	136
<b>Chapter 5. Population of India</b>	
Distribution of the Population	150
The Density of Population	150
Religion	153
Age and Sex Profile	156
Change in the Age-Sex Structure of India	157
Indian States & Territories Ranking by Sex Ratio	159
Female Sex Ratio Map of India	162
The Age of India	163
Age and Sex Composition - The Population Pyramid	168
Age-sex Structures and Population Pyramids	169
Age Structure and Sex Composition	172
Sex Composition of Human Population in India	174
The Basic Components of Population Change	176
Age and Sex Structure of Population of India	182
Population Statistics in India	185
Sources of Population Data	187
The Population Census	190
Boundary and Population Data	192
Change in the Age Structure of India's Population	196
<b>Chapter 6. Settlements</b>	204
Form and Substance of Urban Centres	204
The New Land Revenue Settlements	211
Urban Settlements - types, Distribution and Functional Classification	221
Industry	226
Services in Settlements	229
<b>Chapter 7. Transport Geography of India</b>	235
Expressways in India	238
The Government of India Policy Response to the Urban Transport Problem	239

Currently being Implemented to Address the Urban Transport Problem .....	240
The Performance of Urban Transport Systems .....	242
Transportation and Economic Development .....	249
Economic Development Impacts .....	259
Inadequacy of the Road Network .....	267
Road Transport Development in India .....	272
District Rural Road Planning .....	274
<b>Chapter 8. Geography of Agriculture .....</b>	<b>279</b>
Climate Change on Crop Production in India .....	280
Land Reforms .....	284
Land Reforms in Ninth Plan .....	286
Agricultural Growth and Performance .....	294
Characteristics of Rainfed Agriculture .....	299
Definition of Rainfed Agriculture and Its Performance .....	302
Accelerating Agricultural Growth .....	305
<i>Bibliography</i> .....	<b>310</b>
<i>Index</i> .....	<b>312</b>

# Preface

---

Geography of India is a comprehensive and detailed analysis of India's physical setting. India is known for rich mineral and natural resources. Accordingly, the book has given special treatment to the study of resources in India.

Geography of India is a comprehensive and detailed analysis of India's physical setting. India is known for rich mineral and natural resources. Accordingly, the book has been given special treatment to the study of resources in India. Agriculture and industry play a prominent part in India's economic life. Situated entirely in the northern hemisphere, India is the second most populous and the seventh largest country in the world. The globe shows the Indian subcontinent as the southward extension of the great landmass of Asia.

The fertile Indo-Gangetic plain occupies most of northern, central and eastern India, while the Deccan Plateau occupies most of southern India. To the west of the country is the Thar Desert, which consists of a mix of rocky and sandy desert. India's east and northeastern border consists of the high Himalayan range. The highest point in India is disputed due to a territorial dispute with Pakistan; according to India's claim, the highest point (located in the disputed Kashmir territory) is K2, at 8,611 m (28,251 feet). The highest point in undisputed Indian territory is Kangchenjunga, at 8,598 m (28,208 feet). Climate ranges from equatorial in the far south, to tundra in the Himalayan altitudes.

India is bordered by Pakistan, the People's Republic of China, Bangladesh, Myanmar, Nepal, Bhutan and Afghanistan. Sri Lanka and the Maldives are island nations to the south of India. Politically, India is divided into 28 states, six federally administered union territories and a national capital territory. The political divisions generally follow linguistic and ethnic boundaries rather than geographic transitions. A great arc of mountains, composed of the



Himalaya, Hindu Kush, and Patkai ranges, define the Indian subcontinent. These mountains were formed by the ongoing tectonic collision of the Indian Plate with the Eurasian Plate which started some 50 million years ago. These mountain ranges are home to some of the tallest mountains in the world and provide a natural barrier against the cold polar winds. They also facilitate the monsoon that drive climate in India. The protection and climatic control they have provided has been a geographical quality that has assisted India's position as a Great power. The numerous rivers that originate in these mountains provide water to the fertile Indo-Gangetic plains. These mountains are recognised by biogeographers as the boundary between two of the earth's great ecozones: the temperate Palearctic that covers most of Eurasia, and the tropical and subtropical Indomalaya ecozone that includes the Indian subcontinent and extend into Southeast Asia and Indonesia. Historically, these ranges have served as barriers to invaders.

India lies to the north of the equator between 8 degree 4 minutes and 37 degree 5 minutes north latitude and 68 degrees 7 minutes and 97 degrees 25 minutes east longitude. It is the seventh-largest country in the world, with a total land area of 3,287,590 km<sup>2</sup> (1,269,219 square miles). India measures 3,214 km (1,997 miles) from north to south and 2,933 km (1,822 miles) from east to west. It has a land frontier of 15,200 km (9,445 miles) and a coastline of 7,516.5 km (4,670.5 miles). The Andaman and Nicobar Islands in the Bay of Bengal and Lakshadweep in the Arabian Sea are parts of India. India is bounded on the southwest by the Arabian Sea and on the southeast by the Bay of Bengal. On the north, northeast, and northwest are the Himalayas. Kanyakumari constitutes the southern tip of the Indian peninsula, which narrows before ending in the Indian Ocean.

India's climate is strongly influenced by the Himalayas and the Thar Desert. The Himalayas, along with the Hindu Kush mountains in Pakistan, provide a barrier to the cold winds from central Asia. This keeps most of the Indian subcontinent warmer than most locations in similar latitudes. The Thar Desert is responsible for attracting the moisture laden monsoon winds that provide most of India's rainfall. It is difficult to generalise India's climate, India's huge size sees climatic conditions in Kashmir having little relation to that in the extreme south. In addition to this, the varied topography of the land sees many regions having their own microclimates. Climate in India ranges from tropical in the south to a temperate climate in the north. Parts of India in the Himalayas have a polar climate.

The book is meant for covering geography of India on the whole consisting of physical and economic geography of India etc. with vivid description.

Dr. Satish B. Jadhav  
Dnyaneshwar F. Patilkar

# GEOGRAPHY OF INDIA

Geography of India is a comprehensive and detailed analysis of India's physical setting. India is known for rich mineral and natural resources. Accordingly, the book has given special treatment to the study of resources in India. The geography of India is extremely diverse, with landscape ranging from snow-capped mountain ranges to deserts, plains, hills and plateaus. India comprises most of the Indian subcontinent situated on the Indian Plate, the northern portion of the Indo-Australian Plate. Having a coastline of over 7,000 km (4,300 miles), most of India lies on a peninsula in southern Asia that protrudes into the Indian Ocean. India is bounded in the southwest by the Arabian Sea and in the southeast by the Bay of Bengal. India the seventh largest country in the world occupies 2% of the world's land area. The geographical features of the country is extremely diverse. It has landscape of snow-capped mountain ranges deserts plains hills and plateaus. The climate also has a diversification. It is equatorial in the extreme south and tundra in the Himalayan altitudes. The geography of India describes the physical features of India a country in South Asia that lies entirely on the Indian Plate in the northern portion of the Indo-Australian Plate. The book is meant for covering geography of India on the whole consisting of physical and economic geography of India etc. with vivid description.

**Contents:** Introduction • Geographic and Demographic Setting in India • The Indian Mineral Sector • Climatic and Weather of India • Population of India • Settlements • Transport Geography of India • Geography of Agriculture



Dr. Satish B. Jadhav is Principal in the Department of Geography at Rajawade Shahu Arts, Commerce and Science College, Pathri, Phulambri, Aurangabad. He obtained his M.A., B.Ed., Ph.D. Degree from Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad, Maharashtra. He has teaching experience in the various fields of Geography. He has published research papers in various national and 15 international journals of repute. He attended several National and International Conferences, Seminars and Symposia. He is also life member of Maharashtra Geography Parishad (M.G.P.), Deccan Geography Society, Pune.



Dnyaneshwar E. Pathrikar is Associate Professor in the Department of Geography at Rajawade Shahu Arts, Commerce and Science College, Pathri, Phulambri, Aurangabad. M.A (Geography), NET, JRF, B.F.Ed M.A (History) from Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad, Maharashtra. He has 12 years teaching experience in the various fields of Geography. He has published research papers in various national and international journals of repute. He attended several National and International Conferences, Seminars and Symposia. He is also life member of Maharashtra Geography Parishad (M.G.P.).

₹ 1495/-

ISBN # 9788195116186



TheX  
Publications

Regd. Off: 111, Chitragut Nagar First

# GEOGRAPHY OF NATURAL CALAMITIES

Dnyaneshwar F. Pathrikar



# GEOGRAPHY OF NATURAL CALAMITIES

Dnyaneshwar F. Pathrikar



ISBN : 978-81-951161-1-9

© All rights reserved  
First Edition: 2021

**Apex Publication**

Regd. Off. 118, Chitragupt Nagar First,  
Imali Phatak Lalkothi, Gandhi Nagar,  
Jaipur 302015, India  
Mob.: +917891981213  
Email: apexpublicationjpr@gmail.com

Typeset by Apex Publication, Jaipur

Printed at : Thomson Press Ltd. New Delhi

*All Rights Reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, scanning or otherwise, without the prior written permission of the copyright owner.*

**Dedicated To**

My Parents

Late.Fakirrao B. Pathrikar

Rekhabai F. Pathrikar,

My Sister Ashabai F. Pathrikar,

Sau.Kalpana D.Pathrikar

Ku Bhumi D.Pathrikar

Kumar Mayank D. Pathrikar

&

My Friends

Late. Shivaji Nagare, Bharat Dokhale

## Acknowledgement

---

I extend my gratitude to Honourable Shri Dwarkabhau Y. Pathrikar President (Mitra Sadhan Shikshan Prasarak Mandal, Pathri) and Smt. Ushatai D. Pathrikar, and Shri Rajubhau Pathrikar for his kind cooperation to publish this Book.

Dr. Satish Jadhav Principal Rajarshi Shahu Arts, Commerce and Science College, Pathri Phulambri Aurangabad and Librarian who encouraged me to write books of this

I am also grateful to Dr. Madan Surywanshi (HOD, Department of Geography, Dr. B.A.M.U). Dr. U B Pathre, Dr. D S Gajhans, Dr. S H More, Dr. S B Ubarhande, all Teaching and Non Teaching Staff, for their kindly cooperation and Apex Publication, Jaipur.

– *Dnyaneshwar F. Pathrikar*

## Preface

---

Disaster management is a multidisciplinary area, covering a wide range of issues such as monitoring, forecasting, evacuation, search and rescue, relief, reconstruction and rehabilitation. It also requires multi-sectoral governance as scientists, planners, volunteers and communities all have important roles to play.

Natural disasters are the result of a hazard overwhelming highly vulnerable community, often resulting in mortality and morbidity. Over the past decade, over 300 natural disasters occur yearly around the world affecting millions and cost billions. The disaster cycle is a framework used to base a coordinated plan to respond, recover, prevent, and prepare for a disaster. Access to clean water, proper sanitation, food/nutrition, shelter, and the threat of communicable diseases are concerns that have the potential to be detrimental to the management of a natural disaster, slowing the recovery process.

Natural and human-caused disasters affect thousands of people each year. Major adverse events such as these have the potential to cause catastrophic loss of life and physical destruction. They are often unexpected and can leave whole communities in shock.

People who live through a disaster can experience emotional distress. Feelings of anxiety, constant worrying, trouble sleeping, and other depression-like symptoms are common responses to disasters before, during, and after the event. Many people are able to "bounce back" from disasters with help from family and the community, but others may need additional support to cope and move forward on the path of recovery. Anyone can be at risk, including survivors living in the impacted areas and first responders and recovery workers.



A natural disaster is the consequence of when a potential natural hazard becomes a physical event (e.g. volcanic eruption, earthquake, landslide) and this interacts with human activities. Human vulnerability, caused by the lack of planning, lack of appropriate emergency management or the event being unexpected, leads to financial, structural, and human losses. The resulting loss depends on the capacity of the population to support or resist the disaster, their resilience. This understanding is concentrated in the formulation: "disasters occur when hazards meet vulnerability." A natural hazard will hence never result in a natural disaster in areas without vulnerability, e.g. strong earthquakes in uninhabited areas. The term natural has consequently been disputed because the events simply are not hazards or disasters without human involvement. The degree of potential loss can also depend on the nature of the hazard itself, ranging from a single lightning strike, which threatens a very small area, to impact events, which have the potential to end civilization.

Landslides are rock, earth or debris flows on slopes due to gravity. They can occur on any terrain given the right conditions of soil, moisture, and the angle of slope. Integral in the natural process of the earth's surface geology, landslides serve to redistribute soil and sediments in a process that can be in abrupt collapses or in slow gradual slides. Such is the nature of the earth's surface dynamics. Also known as mud flows, debris flows, earth failures, slope failures, etc., they can be triggered by rains, floods, earthquakes, and other natural causes as well as human-made causes, such as grading, terrain cutting and filling, excessive development, etc.

The nature of management depends on local economic and social conditions. Some disaster relief experts such as Fred Cuny have noted that in a sense the only real disasters are economic. Experts, such as Cuny, have long noted that the cycle of emergency management must include long-term work on infrastructure, public awareness, and even human justice issues. This is not important in developing nations. The process of emergency management involves four phases: mitigation, preparedness, response, and recovery.

This book provides a thorough introduction to natural disaster risk management. Many aspects of disaster risk management, such as those involved in earthquakes, volcanic eruptions, floods, avalanches and mudslides call for similar prevention and preparedness instruments, management concepts, and countermeasures.

- Dayanishwar F. Pathrikar

# Contents

---

	<i>Acknowledgement</i> .....	(vii)
	<i>Preface</i> .....	(ix)
<b>Chapter 1.</b>	<b>Introduction</b> .....	<b>1</b>
	Climatic .....	1
	Fire .....	3
	Health and Disease .....	3
	Occurrence of Disasters .....	4
	Geological .....	4
	Floods .....	6
	Flood and Hydrological Disasters .....	9
	Earthquake .....	10
	Drought .....	15
	Cyclone .....	17
<b>Chapter 2.</b>	<b>Lightning Hazards</b> .....	<b>23</b>
	Environmental Formation of Clouds .....	28
<b>Chapter 3.</b>	<b>Committees of Natural Disasters</b> .....	<b>37</b>
	The importance of disaster management .....	38
	Disaster management tools .....	40
	Disaster Informatics .....	44
	Search and Rescue Optimal Planning System (SAROPS) .....	49
	Unified Victim Identification System (UVIS) .....	52
	Sahana FOSS Disaster Management System .....	56
	Data Relating to Physical Destruction: The Ideal .....	61

<b>Chapter 4. Water Related Natural Calamities .....</b>	<b>77</b>
Blizzards .....	91
Hurricane .....	100
Mangrove .....	101
<b>Chapter 5. Wildfire .....</b>	<b>102</b>
Wildfire Statistics .....	111
Temperate Forests and Global Warming .....	112
Operational Fire Management Systems and Organizations .....	122
FOREST FIRE .....	123
The Needs of the Fire Management .....	123
Climate Change Impacts on Forest Health .....	124
<b>Chapter 6. Naturally Occurring Earthquakes .....</b>	<b>136</b>
Earthquake .....	142
Measuring the Size of an Earthquake .....	148
Natural Disaster Effects as Stressors .....	151
Professional and Phases Activities in Disaster Management .....	156
Disaster Ecology Model; Exposure to Hazards .....	159
Performance of Lifelines During Earthquakes .....	167
Behaviour of Non Structural Elements During Earthquakes .....	171
The Social and Economic Consequences of Earthquakes .....	173
Earthquake Effects on Ground and Sea .....	177
Behaviour of Structures During Earthquakes .....	182
Damages to RC Structures during Bhuj Earthquake .....	187
<b>Chapter 7. Landslides .....</b>	<b>191</b>
Knowledge based Landslide Susceptibility Mapping in the Himalayas .....	199
Results and Discussion .....	206
Assigning Weight to Thematic Layers and Rank to the Classes .....	209
Earthquake Induced Landslides in the Sikkim-Darjeeling Himalayas .....	211
Human Impacts on a Himalayan Landslide Swarm .....	217
<b>Chapter 8. Indirect Losses of Natural Calamities .....</b>	<b>234</b>
<b>Chapter 9. Floods .....</b>	<b>242</b>
Floods in the Hindu Kush Region .....	249
Flood Disasters in the Hindu Kush Himalayas .....	250
Flood Forecasting Capacity in the HKH region .....	251
Development of a Regional Flood Information System .....	252
Challenges and Opportunities for Cooperation .....	256
Glacier Floods a Growing Threat Across the Third Pole .....	261

Regional Flood Information System in the Hindu Kush-Himalayan Region .....	263
Glacier Lake Outburst Cascades and Backwater Lake Formations in the Hindukush Mountains .....	264
<b>Chapter 10. Tsunami and Cyclone .....</b>	<b>268</b>
Tsunami .....	268
Onset Type and Causes .....	274
Main Mitigation Strategies .....	276
Contribution to Tsunami Disaster Relief and Rehabilitation Endeavor .....	277
The Orissa Super-Cyclone, 1999 .....	279
Formation of Cyclones .....	287
Avalanches .....	294
Bushfire .....	298
<b>Chapter 11. Mountain Hazards .....</b>	<b>302</b>
Subjective Hazards .....	302
Objective Hazards .....	303
Hazardous Conditions in the Drakensberg .....	304
Weather Hazards .....	307
 <i>Bibliography</i> .....	 319
 <i>Index</i> .....	 321

# GEOGRAPHY OF NATURAL CALAMITIES

A natural disaster is a sudden event that causes widespread destruction, major collateral damage or loss of life, brought about by forces other than the acts of human beings. A natural disaster might be caused by earthquakes, flooding, volcanic eruption, landslides, hurricanes etc. To be classified as a disaster, it will have profound environmental effect and/or human loss and frequently causes financial loss. Disaster management is a multidisciplinary area, covering a wide range of issues such as monitoring, forecasting, evacuation, search and rescue, relief, reconstruction and rehabilitation. It also requires multi-sectoral governance as scientists, planners, volunteers and communities all have important roles to play. Natural disasters are out of human control but the consequences of natural disasters overlap with the consequences of war or conflict. In both contexts, there is human suffering caused by damage to life, personal property, and infrastructure. Families are displaced and victims lose shelter. This is complicated further by immense shortages of food and drinking water. Several medical and psychological problems among the victims are major offshoots of natural disaster. This book provides a thorough introduction to natural disaster risk management. Many aspects of disaster risk management, such as those involved in earthquakes, volcanic eruptions, floods, avalanches and mudslides call for similar prevention and preparedness instruments, management concerns and commitments.

**Contents:** Introduction • Definition • Committee of Natural Disasters • Water • Air • Natural Disasters • Volcanoes • Naturally Occurring Earthquakes • Landslides • Management of Natural Calamities • Floods • Tsunami and Cyclone



**Dr. Dayanand K. Patil** is an Associate Professor in the Department of Geography, Rajawade Faculty, Life/Commerce and Science, Maharashtra State University, Aurangabad. M.A. (Geography) & Ed. D. (M.Ed.) from Dr. Babasaheb Ambedkar Maharashtra University, Aurangabad, Maharashtra. He has 20 years teaching experience in the various fields of Geography. He has published research papers in various national and international journals of repute. He attended several National and International Conferences, Seminars and Symposia. He is also life member of Maharashtra Geography Parishad (M.G.P.).

₹ 1895/-

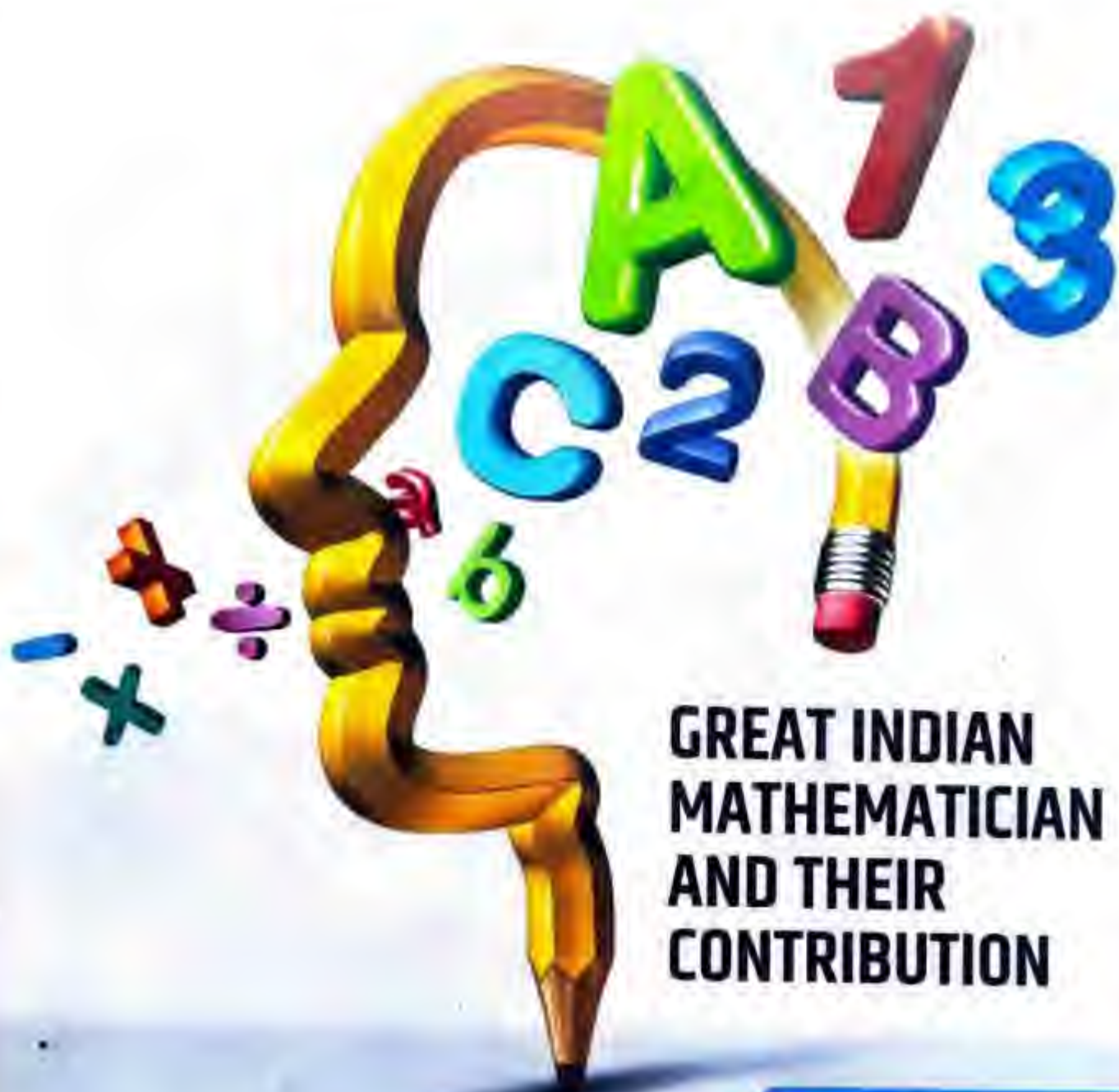
ISBN 9788195116117



Regd. Off. : 118, Chhatrapati Nagar First,  
Bhamburda Phatak, Lalkothi, Gandhi Nagar,  
Jaipur - 302 015 (INDIA)

Mob.: 9917991981213

Email: [enepublication@pr@gmail.com](mailto:enepublication@pr@gmail.com)



# **GREAT INDIAN MATHEMATICIAN AND THEIR CONTRIBUTION**

**Editor  
BHIMANAND P. GAJBHARE**

**KNOWLEDGE WORLD PUBLICATION**

# Contents

Preface

iii-v

No.	Name	Page No.
1	Natural Genius: Srinivasa Ramanujan Iyengar <i>Mr. B. P. Gajbhare</i>	1
2	Father of Indian Statistics: Prasanta Chandra Mahalanobis <i>Dr. Sunil Narsing Bidarkar</i>	6
3	D. R. Kaprekar: Journey of Giant from School Teacher to Recreational Mathematician <i>Dr. Sachin Vitthalrao Sarode</i>	15
4	T. A. Sarasvati Amma A Prominent Scholar in Indian Mathematics <i>Dr. Mansha Kotwani</i>	22
5	Roots Series- Found by Shakuntala Devi <i>Dr. T.B. Dale</i>	32
6	Narendra Karmarkar - Indian Mathematician <i>Dr. Premdas M. Rathod</i>	38
7	Bhaskara I: Great Indian Mathematician and Astronomer <i>Miss Varsha A. Dhande</i>	47

- **Great Indian Mathematician and Their Contribution**  
*Editor,*  
Mr. Bhimanand P. Gajbhare
- **First Edition: 2021**
- **Copyright © 2021 Reserved with Editor**
- **Published By:**  
Knowledge World Publication,  
Sharadanagar, Parli-Vaijanath  
Dist. Beed. 431515 (M.S.) India  
Email: [knowledgeworldpub@gmail.com](mailto:knowledgeworldpub@gmail.com)
- **Printed At**  
Bharat Offset Printer  
Station Road Parli (V) Beed.431515
- **ISBN:978-81-949113-9-5**
- **Price 500/-**  
  
(Five Hundred Only)

All rights reserved. No part of this publication should be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the author, editor and publisher.

This book has been published in good faith that the material provided by authors is original. Every effort is made to ensure accuracy of material, but the editor, publisher and printer will not be held responsible for any inadvertent errors. In case of any dispute, all legal matters are to be settled under Beed jurisdiction.



ISSN 2319735-0



वर्षे अकरावे । अंक आठवा । जूले २०२१



माझ्या दोघाती  
सायली गळे  
सियापाव्या गावत  
सायली गळे



१८ जुलै



लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे  
स्मृतिदिनानिमित्त  
विनम्र अभिवादन..!

## ❖ रमाई

- ❖ वर्ष : अकरावे । अंक : ८ था । जुलै २०२२
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : देववीणा गरवडे  
शोभा खांडे  
सालिदा खडगे  
चेवीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनीदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळ्वे  
कल्पना वाहुले  
शारदा गर्गाभये  
राजकन्या गोंडापणे  
डॉ. प्रयामल गरुड
- ❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लांखंडे  
आयु. र्थर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरत  
प्रा. आशासलता कांचळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांचळे
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



वर्षे अकरावे । अंक दहावा । सप्टेंबर २०२१



तुझ्या शब्दांचे  
दिव्य युगांतर  
महती तुझी  
नांदो दिगंतर

PUBLISHED IN MAKATHI

ISSN-2319735-8  
ABD/RNP/428/2020-22

मासिक  
**रमाई**

१७ सप्टेंबर



लोकनेते सूर्यपुत्र भय्यासाहेब तथा  
यशवंतराव आंबेडकर  
यांच्या स्मृतीस विनम्र अभिवादन

❖ **रमाई**

❖ वर्ष : अकरावे । अंक : १० वा । सप्टेंबर २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशोला गवंदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
वेवीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गर्जभिये  
राजकन्या गोडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक : भोमराव आंबेडकर  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
आयु. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा शीरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ मांडणी : सुधाकर निमर्गन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-3



चौथो अंक / अंक अंक / अंक अंक



राज्य  
राज्य  
राज्य  
राज्य

PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2319735-8  
ABD/RNP/428/2020-22

# रमाई

धम्मचक्र प्रवर्तन दिनाच्या  
हार्दिक शुभेच्छा



## ❖ रमाई

❖ वर्ष : अकरावे । अंक : ११ वा । ऑक्टोबर २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजधिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक : भीमराव आंबेडकर  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरूणा लोखंडे  
आयु. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशासलता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रिखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद, - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



साहित्यकारों पंजिका  
 चलचलतीये परछमद्व  
 योनिप्रद

# रुमाइ



सर्वे अकशले । अंक जगता । नोदितार २०२१



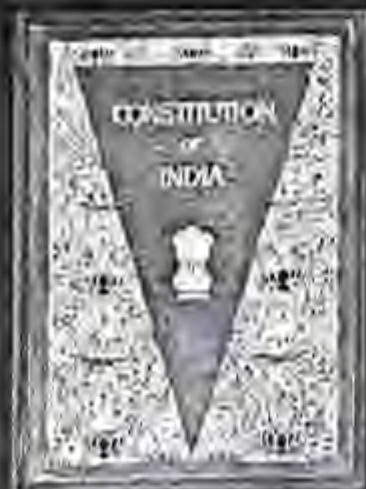
रुमाइ लेखन  
 सोनियापाट्ट सावता  
 मरुवाया समाज  
 अणु सफा जालन

# रमाई

२८ नोव्हेंबर



क्रांतिबा जोतिबा फुले  
स्मृतिदिनानिमित्त विनाय अभिवादन



## ❖ रमाई

❖ वर्ष : अकरावे । अंक : १२ वा । नोव्हेंबर २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गर्वदे

रोभा खाडे

ललिता खडसे

बेबीनंदा पवार

सुलभाश्री शिरसाट

प्रा. विजया शिरसाट

सुनंदा जाधव

डॉ. प्रज्ञा साळवे

कल्पना वाहुळे

शारदा गजभिये

राजकन्या गोंडारण

डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक

: मा. भौमराव आंबेडकर

मा. ज. वि. पवार

प्रा. रणजित मेश्राम

डॉ. अरुणा लोखंडे

मा. उर्मिला पवार

प्रा. डॉ. आशा थोरत

प्रा. आशालता कावळे

प्रा. विजयकुमार गर्वई

डॉ. संजय मून

डॉ. चेतना सोनकावळे

❖ मांडणी

: सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ

: सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

संपादक

'रेखांकन' एल-१/२१/४,

रामनगर, एन-२, सिडको,

औरंगाबाद, - ४३१००६.

मो. ९४०२१२३३७५,

९६२३७२६५२०



ISSN 2319735-8

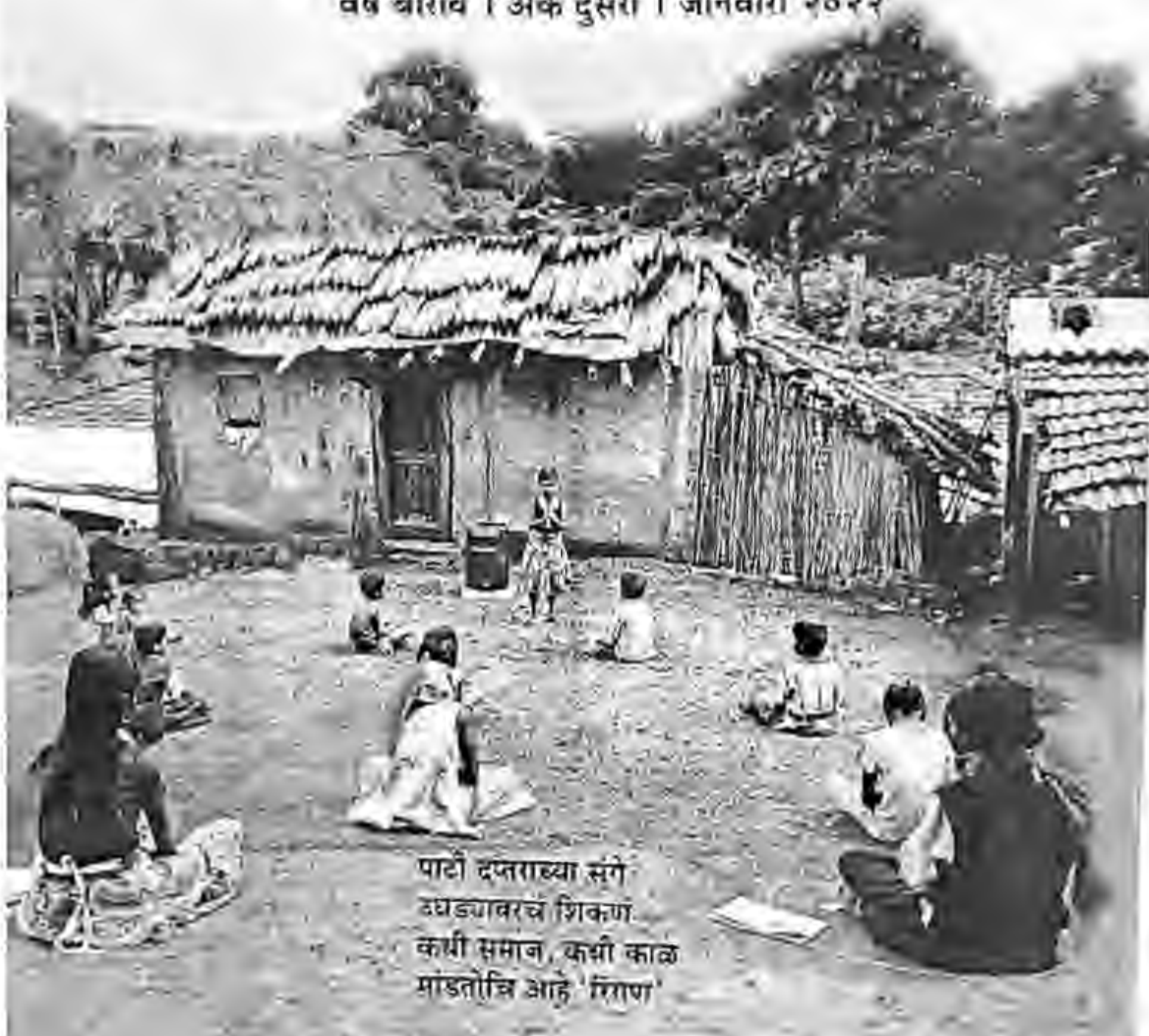


आघडकरी महिला  
चळवळीचे मुखपत्र  
मासिक

रुकाई



वर्षे चारावे । अंक दुसरा । जानेवारी २०२२



पाटी दप्तराच्या संगे  
दघड्यावरचे शिकणे  
काही समान, कधी काळ  
मांडतोचि आहे 'रिाण'

संस्कृत  
रमाई

भीमा-कोरेगाव  
शौर्यदिन



१ जानेवारी

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर  
पराठवाडा विद्यापीठ  
नामविस्तार दिन



१४ जानेवारी

जयंतीच्या हार्दिक शुभेच्छा

सावित्रीबाई फुले



३ जानेवारी

राजमाता जिजाऊ



१२ जानेवारी

❖ रमाई

❖ वर्ष : नाराये । अंक : २ रा । जानेवारी २०२२

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेनीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा वाधल  
डॉ. एजा साळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या रोंडाणे  
डॉ. श्यामल गळडे

❖ मार्गदर्शक : मा. भोंमराव य. आंबेडकर  
मा. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा शंभरा  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकावळे

❖ सांडणी : सुभाकर निहांग

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखाकन' एन-२/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडकी,  
औरीगावाड. - ४२१००६,  
मो. ९४०३१२३३५१,  
९३२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



अंजिडकारी महिला  
बळवळीचे मुखपत्र  
मासिक

रुसाई



वर्षे चाराने । अंक तिसरा । फेब्रुवारी २०२२



मिळून साऱ्याजणी  
एकजिकीन करु विधा  
नामाच ठाव पाव  
राम अर्जुनाजी जाते

१९९७  
रमाई

७ फेब्रुवारी



रमाई जयंतीच्या हार्दिक शुभेच्छा

❖ रमाई

❖ वर्ष : २०२२ । अंक : ३ रा । फेब्रुवारी २०२२

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवदे  
रौभा खाटे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक

: मा. भीमराव य. आंबेडकर  
मा. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ मांडणी

: सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ

: सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक

'रेखाकिन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मौ. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



आंबेडकरी महिला  
चळवळीचे मुखपत्र  
मासिक

रुकाई



वर्षे बारावे । अंक चौथा । मार्च २०२२

कचऱ्यातला जन्म  
कचऱ्यातली जिंदगी  
कचऱ्यातच मरणे  
आयुष्याची गंदगी



# रमाई

१० मार्च



कतिज्योति सवित्रीमाई फुले  
यांच्या स्मृतीदिनानिमित्त  
विनम्र अभिवादन

## ❖ रमाई

❖ वर्ष : बारावे । अंक : ४ था । मार्च २०२२

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशैला गवडे  
शोभा खाडे  
सुलिता खडसे  
मंजोन्दा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गवभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक : मा. धोंगराव य. आवेडकर  
सा. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय भूत  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ मांडणी : सुधाकर निमार्गज

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखाकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडका,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
फो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



आंध्रप्रदेशकरी महिला  
चळवळीचें मुखपत्र  
मासिक

रुमाई



वर्षे बारावे । अंक चौथा । एप्रिल २०२२

दाजित रेंगळले  
फाळोख मुक्कामी  
मालावरती नफारटसे  
लक्ष्मणवत्या जन्मी





२७ मे ( रमाई स्मृतिदिन )



सुख भेष्यान्व पट्टिलिचरीत,  
पुटेया हाँसाट सुखाला

पोटक होतान आदुव्यमट करुता शाकल,  
जमाळा सुखी कटण्याच्या मोठिमेत,  
स्वतः रूप यान्वाल भोगून देखील  
माह्या करुताट आदुव्यात इतभुखाला त्यामून,  
माह्या कठीण जीवन भागाविष्ट,  
सहभागी होण्यास वापरता दखतुका  
सुखीचं सलुय, जनाचं औदार्य, चाणीचं भादुय,  
अपत्तिमत्वातलं पावित्र्य,  
संगतं अग्नि अग्निचल मगोवृत्ती दखजणाच्या  
आभाळसुखका मनाच्या समूह.

- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

(डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर या पुस्तकाची अर्पणपरिचर)

❖ रमाई

- ❖ वर्ष : २०२० | अंक : ६ | मे २०२२
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा भैश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवरे  
शोभा खाटे  
ललिता खडगे  
वेजीनेदा पवार  
मुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळवं  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गर्जाभये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक

- ❖ मार्गदर्शक : मा. भीमराव य. आंबेडकर  
मा. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित भैश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा वोरत  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मुन  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ प्रकाशन

: रमाई प्रकाशन, औरंगाबाद

❖ मांडणी

: सुभाकर निसर्ग

❖ मुखपृष्ठ

: सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा भैश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/८,  
रामनगर, एल-२, सिडको,  
औरंगाबाद, - ४३१०४६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०





वर्षे चारवे । अंक सातवा । जून २०२२



गोमठल्या डाकीणी  
चा अन्नाओनी  
दोस येवले पलतीने  
पुनी जणायो लाल

ISSN 2319735-8



आंबेडकरी महिला  
चळवळीचे मुखपत्र  
मासिक

रुमाई



वर्षे बारावे । अंक आठवा । जुलै २०२२



आली गं भेटाया  
झोपडीस नदीमाय  
डोळ्यात नाही पाणी  
पोटातल्या गावाचे काय?

PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2319735-8  
ABD/RNP/428/2020-22



१८ जुलै



लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे  
स्मृतिदिनानिमित्त  
विनम्र अभिवादन..!

## ❖ रमाई

- ❖ वर्ष : बारावे । अंक : ८ वा । जुलै २०२२
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंडे  
शोभा खाटे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गनभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

- ❖ मार्गदर्शक : मा. भोमराव य. आंबेडकर  
मा. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

- ❖ प्रकाशन : रमाई प्रकाशन, औरंगाबाद
- ❖ मॉडणी : सुधाकर निसर्गान
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8

आचडकरस महिला  
चक्रवर्तीच मूळपत्र  
मासिक

# रुमाई



वैद्यद्वारावे । अंक नववा । मार्गशीर्ष

दिव्य त्रिरंगा  
क्षितिजास भिद्यता  
व्याकुल स्वातंत्र्य  
रस्त्याव्या कडला



मासिक

# रमाई

१ ऑगस्ट

१५ ऑगस्ट



लोकशाहीर



महाकवी

अण्णाभाऊ साठे वामनदादा कर्डक

यांच्या जयंती निमित्त  
विनम्र अभिवादन

## ❖ रमाई

- ❖ वर्ष : बारावे | अंक : ९ वा | ऑगस्ट २०२२
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बैबोनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा बाघव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

## ❖ मार्गदर्शक

- मा. भीमराव य. आंबेडकर  
मा. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरूणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

## ❖ प्रकाशन

रमाई प्रकाशन, औरंगाबाद

## ❖ मांडणी

सुधाकर निसर्गन

## ❖ मुखपृष्ठ

सरदार जाधव

## ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम संपादक

'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडकी,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



आंबेडकां महिला  
चळवळीचें मुखपत्र  
मासिक

रुमाई



वर्षे बारावे । अंक दहावा । सप्टेंबर २०२२



दगडालाही माहित नव्हते  
दगडाचें कठोर जीणें  
दगडांचें प्रहाल, डमले  
त्यांत चिरडले कोवळे गाणें

PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2319-7358  
ABD/RNP/42A/2020-21

साप्ताहिक  
**रमाई**

१७ सप्टेंबर



लोकनेते सूर्यपुत्र भय्यासाहेब तथा  
यशवंतराव आंबेडकर  
यांच्या स्मृतीस विनम्र अभिवादन

❖ **रमाई**

❖ वर्ष : बारावे । अंक : १० वा । सप्टेंबर २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मैश्राम

❖ संपादकीय पंडळ : दैवशीला गवंदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गर्जाभये  
राजकन्या गोंडाने  
डॉ. श्यामल गरुड

❖ मार्गदर्शक : मा. भीमराव म्. आंबेडकर  
मा. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मैश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा धोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ प्रकाशन : रमाई प्रकाशन, औरंगाबाद

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्ग

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मैश्राम  
संपादक

'रिखांकन' एल-१/२२/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३२२३३७५,  
९६२३७२६५२०

१५ २३ १९७६



चर्चे बारावे । अंक अकरावा । ऑक्टोबर २०२२



अशा काय गुज  
बोलल्या मायलेकी  
आनंदात न्हाले  
चांदणे त्रैलोकी



PUBLISHED IN MAKATHI

ISSN-2316-7358  
ABD/RN/428/2020-21



धम्मचक्र प्रवर्तन दिनाच्या  
हार्दिक शुभेच्छा



## ❖ रमाई

❖ वर्ष : आठवे ( वीक ) ११ वा १ ऑक्टोबर २०२३

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवडे  
रोभा खाटे  
ललिता गवडे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना सातुळे  
सारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरुड

❖ मार्गदर्शक : मा. भीमराव य. जांबेडकर  
मा. क. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
मा. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरत  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय भूग  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ प्रकाशन : रमाई प्रकाशन, औरंगाबाद

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्ग

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखाकन' एल-१/२१/४,  
रावणगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२५५२०

ISSN 2319735-8



आवेडकरी माहला  
चलवळीचे मखपत्र  
मासिक

रुमाई



वर्षे बारावे । अंक बारावा । नोव्हेंबर २०२२

फटाके, गोडघोंड  
पणतीचा उजेड  
दूर सणांचे कीतुक  
उभा जन्म ठजाड



PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2319-715X  
AND/RNP/428/2020-21

# रमाई

२८ नोव्हेंबर



क्रांतिबा जोतिबा फुले  
स्मृतिदिनाभिहित धिनघ्न अभिवादन



## ❖ रमाई

❖ वर्ष : बारावे । अंक : १२ वा । नोव्हेंबर २०२२

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेचोनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
मुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरुड

❖ मार्गदर्शक : ना. भीमराव य. आंबेडकर  
ना. ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
ना. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ प्रकाशन : रमाई प्रकाशन, औरंगाबाद

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्ग

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखाकरी एल-१/२१/४,  
रामनगर, एल-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



वर्षे सातवे । अंक दुसरा । जानेवारी २०१७



बायलंमळें, स्त्रीपिढें एका  
प्रायःसिद्धें, तिसां संद  
काडव्यांत आमीची प्राप्ती राव  
विकास आमचा कोसो नस

❖ रमाई

❖ वर्ष : सातवे । अंक : २ रा । जानेवारी २०१७

❖ संपादक

प्रा. रेखा मैक्षार

❖ सहसंपादक

शर्मिष्ठा भोसले

❖ कार्यकारी संपादक

देवशीला गर्बदे

❖ संपादकीय मंडळ

शोभा खाळे । ललिता खाळे  
केनेनेवा पवार । सुलभाश्री सिरसाठ  
प्रा. वितया सिरसाठ । सुब्ब बाधव  
डॉ. प्रता साळवे । कलान बाहुले, शारदा गर्बधिये

❖ मार्गदर्शक

राजा डाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मैक्षार  
प्रा. अविनाश टोळस । प्रा. सुशीला मूल-बाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे । उर्मिला पवार  
प्रा. वितयकुमार गर्बदे । डॉ. संजय मून

❖ मांडणी : सुधाकर गिरमन, औरंगाबाद.

❖ मुखपृष्ठ : सरदार बाधव

❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : नायुराव गर्बदे

❖ प्रबन्धवहाराचा पत्ता :

प्रा. रेखा मैक्षार

संपादक

रेखाकर' एल-१/२१/४, रामनगर, एन-२,

सिडकी औरंगाबाद. - ४३१००९.

फोन. ९४०३१२२३७५, ९६२३७२६५२०

किंमत : २० रुपये मात्र

मासिक  
रमाई

## अंतरंग

१. क्रांतीज्योती  
- फुलावती काटे
२. भारतीय स्त्रीमुक्ती आणि सशक्तिकरण  
- प्रा. डॉ. मानसी चाहेता
३. कृष्णा  
- प्रमिला चौडेस्वार
४. कायापालट  
- अरुणा पवार
५. पालि साहित्यातील...  
- डॉ. वीना नारारे
६. आवश्यकता प्रबोधनाची  
- सुचित्रा धनेसर
७. मुजाचा सोबखडे गांची मुलाखत  
- डॉ. तसुधा वैद्य
८. कविता

## ● अत्यंत महत्वाचे ●

रमाईची मांडणी, जाहिरात, देणगी प्रकाशक्यागती गोळा  
जाण्याची गरज नाही. भारतीय कुळजाली बँक आपला पत्ता  
राखीत फोटो खाते क्रमांकाने रक्कम जमा करता येई.

## वार्षिक वर्गणी ३००/- रुपये

- Maharashtra Bank  
Remai (Masik) Account No 60134651307  
Branch Name - Town Center N-7, Aurangabad  
Branch Code - 1527  
MICR Code - 431074015  
IFSC Code - MAHB0001327  
ईमेल चालत्यांतक 9403128375 वा तारखर SMS करणा

या अंकात व्यक्त झालेले मते संधीयत लेखकांची असून त्यास संपादक मंडळ सहमत असले आहे नाही - संपादक



वर्षे सातवे । अंक तिसरा । फेब्रुवारी २०१७

तप्त लोखंडास देऊनी आकार  
दिवसेंगणिक जतले उद्यम  
वतनास पारखे आम्ही झालो  
हातावरचे पोट, रस्त्यावर मुक्काम



जिम्मा २०/-

३२



रमाई जयंती निमित्त  
रमाई परिवारातर्फे  
हार्दिक शुभेच्छा...!

❖ रमाई  
❖ वर्ष - सातवे । अंक - ३ रा । फेब्रुवारी २०१७

❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम  
❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा गोसले  
❖ कार्यकारी संपादक : दैवशोला गावंडे

❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खांडे । ललिता खडसे । वेबांनदा पवार । सुलभाश्री सिरसाट । प्रा. विजया शिरसाट  
मुनदी नाथव । डॉ.प्रजा साळवे । कल्पना वाहूटे, शारदा गजभिये

❖ पारंगदर्शक : राजा दाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अतिनाथ डोळस ।  
प्रा. सुशीला मूल-नाथव । डॉ. अरुणा लोखंडे । उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई । डॉ. सज्जद मुन

❖ सांडणी : सुभाकर तिसर्गण, औरंगाबाद.

❖ मुखपृष्ठ : सरदार नाथव

❖ मुखपृष्ठ छापाचित्र : बाबुराव गवई

❖ पत्रव्यवहाराचा यत्ना : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक

‘उखोकर’ एस्. १/२२०४ रामनगर, एन-२, सिडकी, औरंगाबाद - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३२५९, ९४२३३२६१२१

विजयंत ७० वर्षीय सात

१३

ISSN 2319735-8



वर्षे सातवे । अंक चवथा । मार्च २०१७

जीव कोवळा  
पोटात जाळ  
सांगा पुरली कोठे  
स्वातंत्र्याची नाळ?



१३





# जागतिक महिला दिनाच्या हार्दिक शुभेच्छा...!

❖ वर्ष : मातवें । शक : २०१५ । मार्च २०१५

❖ संपादक : **श. रेखा मेखाम**

❖ सहसंपादक : शशिळा भोसले

❖ कार्यकारी संपादक : दीवरीला गवडे

❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाडे । सलिला खडसे । विवीनंदा पवार । सुसभा(श्री) सिरसाट । प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव । डॉ. प्रज्ञा राळवे । कल्पना काळवे । शारदा मन्नाथिंगे

❖ मार्गदर्शक : राजा दाने । ज. वि. पवार । प्रा. रमकित मेखाम । प्रा. अशिताला शेजरे ।  
प्रा. सुशीला मुल-जाधव । डॉ. अरुणा लोखंडे । अर्मिला शिवार  
प्रा. विजयकुमार गवई । डॉ. संजय गुन

❖ पोंडणी : सुशंकर निमगन, औरंगाबाद.

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : जाधव गवई

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेखाम

संपादक

निर्वाहक : प्लॉ-१/२१/४, रामनगर, एत-२, सिडको, औरंगाबाद - ४३१००६  
मो. ९४०३१२३७५, ९६९३७२५२

किंमत : २० रुपये मो.प



ISSN 2319735-8



वर्ष सातवे । अंक पाचवा । एप्रिल २०१७

तहानली भरती आभाळ पेटले  
जीव कामावीस पाणी आटले



१७५



रमाई

भा.प.न.प.व्य.

डॉ. बाबासाहेब

आंबेडकर

जयंतीच्या हार्दिक

शुभेच्छा

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : ५ वा । एप्रिल २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : देवशीला गवंडे
- ❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाडे । ललित खडरो । वेबांनंदा पवार । सुलभाश्री सिरसाठ । प्रा. विजया शिरसाठ । सुनंदा जाधव । डॉ.प्रता साठवे । कल्पना वाहुळे, सारदा गजधिवे
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अविनाश डोळस । प्रा. सुशीला मूल-जाधव । डॉ. अरुणा लोखंडे । तर्मिला पवार । प्रा. विजयकुमार गवई । डॉ. संजय मून
- ❖ गांठणी : सुधाका निसर्गन, औरंगाबाद.
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा यत्ना : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' घल-१/२१/४, रामनगर, एन-२, सिडको, औरंगाबाद, - ४३१००६,  
मो. ९४०३२२३३७५, ९६२३७२६५२०.

किंमत : २० रूपय मात्र

ISSN 2219735-6



વર્ષે સાતલો એક મહાયા | મે ૨૦૧૬

રુક્મિ એક સુ  
સાહિત્ય કમિટી  
-૨૦૧૬  
દીક્ષામ્બી નાથુર



સાદરે  
આભાર  
આપના સહયોગથી

૨૦૧૬

2019-2020 (100th Anniversary)

# मासिक रमाई



- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : ६ वा । मे २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्याकारी संपादक : दैवशीला गवंडे
- ❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाडे । ललिता खडसे । देवीनंदा पवार । सुलभाश्री सिरसाठ । प्रा. विजया शिरसाठ । सुनंदा जाधव । डॉ. प्रज्ञा साळवे । कल्पना वाहूळे, शारदा गजभिये
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अविनाश डोळस । प्रा. सुशीला मूल-जाधव । डॉ. अरुणा लोखंडे । उर्मिला पवार । प्रा. विजयकुमार गवंई । डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन, औरंगाबाद.
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवंई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा यत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम

किंमत : २० रुपये मात्र

संपादक

‘रेखांकन’ एल-१/२१/४, रामनगर, एन-२, सिडको, औरंगाबाद. - ४३१००६.

मौ. ९४०३१२३३७५, ९६२३७२६५२०

रमाई - मे २०१७



वर्षे मातवे । अंक मातवा । जून २०१७

आवड-धावड  
मराड मातीचा आमग  
मोगळे टागिड  
फाटका पमाग





मासिक  
रमाई

# मासिक रमाई

PUBLISHED IN MAIDATHI

ISSN: 2719775-8  
PRN: ABB4282014201A

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : ७ वा । जून २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : देवशीला गर्वडे
- ❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाडे । ललिता छडसे । व्रिनीन्दा पवार । झुलभाश्री सिरसाट । प्रा. विनया शिरसाट  
सुनंदा नाथव । डॉ. प्रज्ञा साळवे । कल्पना वाहूळे, शारदा गजपिथे
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अग्निनाश डोळस ।  
प्रा. सुशीला मूल-नाथव । डॉ. अरुणा लोंबडे । उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गर्वई । डॉ. संजय मून
- ❖ पांडणी : सुधाकर निसर्गन, औरंगाबाद
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार नाथव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : वावुराव गर्वई
- ❖ प्रज्ञाभवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रिखोकन' एल-२/२१/४, रामनगर, एल-२, सिव्हाकी, औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५, ९६२३७२६५२७

किंमत : २० रुपये मात्र



वर्षे सातवे । अंक आठवा । जुलै २०१७



दगडातच झाला जन्म  
दगडांनीच खांडली नाळ  
बोई दगढ, उरी दगढ  
दगडातच वाढे नाळ

विमल २०१७





# मासिक रमाई

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : ६ वा । जुलै २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोंसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : दैवशीला गर्बदे
- ❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खांडे । ललिता खडसे । बेबीनंदा पवार । सुलभाश्री सिरसाठ । प्रा. विजया शिरसाठ  
सुनंदा जाधव । डॉ. प्रज्ञा साळवे । कल्पना वाहूळे, शारदा गजभिये
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अविनाश डोळस ।  
प्रा. सुशीला मूल-जाधव । डॉ. अरुणा लोखंडे । उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गर्बई । डॉ. संजय मूल
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन, औरंगाबाद.
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गर्बई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम

किंमत : २० रुपये पात्र

संपादक

'रेखांकन' एल-१/२१/४, रामनगर, एम-२, सिडको, औरंगाबाद. - ४३१००६.

मौ. ९४०३१२३३७५, ९६२७७२६५२०



बसे मानवे । अफ नयवा । ऑगस्ट २०१७



उखड्यांत हरबली  
म्हानांच्यो वाट  
समृद्धीत काजळली  
भक्षाम पहाट



# मासिक रमाई

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : ९ वा । ऑगस्ट २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : दैवशीला गवंदे
- ❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाडे । ललिता खडसे । बेबीनंदा पवार । सुलभाश्री सिरसाठ । प्रा. विजया शिरसाठ । सुनंदा जाधव । डॉ. प्रज्ञा साळवे । कल्पना वाहूळे, शारदा गजभिये
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अविनाश डोळस । प्रा. सुशीला मूल-जाधव । डॉ. अरुणा लोखंडे । उर्मिला पवार । प्रा. विजयकुमार गवई । डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन, औरंगाबाद.
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४, गुमनगर, एन-२, सिडको, औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५, ९६२३७२६५२०

किंमत : २० रूपये मात्र

ISSN 2319735-0



सर्वोच्चतमं प्रतिभा  
सामर्थ्येण प्रकाशय  
प्रकाशकः

# समाधि



वर्षे मातया । अक दहावा । मासिक २०१५

समाधी प्रकाशने  
सर्वे वर समाधि  
सामर्थ्येण प्रकाशय  
प्रकाशकः

२०१५

# मासिक रमाई

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : १० वा । सप्टेंबर २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : दैवशीला गवंदे
- ❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाडे । ललिता खडसे । बेबीनंदा पवार । सुलभाश्री सिरसाठ । प्रा. विजया शिरसाठ  
सुनंदा जाधव । डॉ. प्रजा साळवे । कल्पना वाहुळे, शारदा गजभिये
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अविनारा डोळस ।  
प्रा. सुशीला मूल-जाधव । डॉ. अरुणा लीखंडे । उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई । डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन, औरंगाबाद.
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४, रामनगर, एन-२, सिडको, औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५, ९६२३७२६५२०

किंमत : २० रुपये मात्र



चर्चे मातवे । अंक अकरावा । ऑक्टोबर २०१६



आपलाच आंख  
आपलाच हात  
माळागांवाचि फुलां  
संसार रपा



- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : ११ वा । ऑक्टोबर २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : दैवशीला गवंडे
- ❖ संपादकीय मंडळ : गोपा खाडे । ललिता खडसे । लेखीनंदा पवार । सुलभाश्री सिरसाठ । प्रा. विजया शिरसाठ  
सुनंदा जाधव । डॉ. प्रज्ञा साळवे । कल्पना वाहूळे, शारदा गजभिये
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अविनारा डोळस ।  
प्रा. सुशीला मूल-जाधव । डॉ. अरूणा लोखंडे । उर्मिल पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई । डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन, औरंगाबाद.
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : भानुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४, रागनगर, एन-२, सिडकी, औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५, ९६२३७२६५२०

किंमत : २० रुपये मास

# रुमाइ

सर्वे सत्तवे । अक वीरावा । नोव्हेंबर २०१७

सनातनी कोवळ्या गुळियातली पायल  
दुसक्यागी टांगली स्वातश्राधी लडली



१३



PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-3319775-8  
PRN-ABD/428/2014-2016

2000  
भीमा-कारंगाळ  
द्विशताब्दी वर्ष



- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : सातवे । अंक : १२ वा । नोव्हेंबर २०१७
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : दैवशीला गवंदे
- ❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाटे । ललिता खडसे । रेवीनिंदा पवार । मुलभाश्री सिरसाट । प्रा. विजया सिरसाट । सुनंदा जाधव । डॉ. प्रज्ञा साळवे । कल्पना वाहळे, शारदा गजभिये
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले । ज. वि. पवार । प्रा. रणजित मेश्राम । प्रा. अविनारा डोळस । प्रा. सुरीला मूल-जाधव । डॉ. अरुणा लोखंडे । उर्मिला पवार । प्रा. विजयकुमार गवई । डॉ. संजय मून
- ❖ मंडणी : सुधाकर निसर्गन, औरंगाबाद.
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : जयुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' मूल-१/२१/४, रामनगर, एन-२, सिडको, औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३२२३२७५, ९६२३७२६५२०

किंमत : २० रुपये मात्र

रमाई - नोव्हेंबर २०१७

ISSN 23107354



# रुमाई



बर्से आठवे । अंक महिला । डिसेंबर २०१७

भाटका वर्यपिल दिव  
गहरीय स्त्री मुक्ती दिव  
सन्सुभृति देहज विज  
संज

मिजा-पुरि-...  
मिजा-पुरि-...  
मिजा-पुरि-...  
मिजा-पुरि-...



PUBLISHED BY MAHARASHTRA

ISSN-23191354

ISSN-23191354



२५ डिसेंबर

८

वा

वर्धापन दिन

स्त्री मुक्ती दिन

- ❖ भात
- ❖ वर्ष : आठवे । अंक : १ ला । डिसेंबर २०१७
- ❖ **संपादक** : **प्रा. रेखा मेश्राम**
- ❖ **महसंपादक** : शर्मिष्ठा गोसली
- ❖ **कार्यकारी संपादक** : दीवशीला गवडे
- ❖ **संपादकीय मंडळ** : शीमा जाडे  
ललिता खडसे  
जेबेनंदा पवार  
सुलभाश्री गिरसाठ  
प्रा. विजया गिरसाठ  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवंत  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजभिरगे
- ❖ **मार्गदर्शक** : राजा डाले  
व. वि. पवार  
प्रा. विनित मेधाम  
प्रा. अविनारा डोळ्या  
प्रा. सुरशीला पुलबाघव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
अर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवडे  
डॉ. संजय भूत
- ❖ **भाडणी** : सुधाकर निसराण
- ❖ **मुखपृष्ठ** : हरदार बाधय
- ❖ **मुखपृष्ठ छायाचित्र** : बबुराव गवडे
- ❖ **पत्रव्यवहाराचा पत्ता** : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखाकर्म एत-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद, - ४३१००६,  
मो ९४०३१९३३७४,  
९६२३७२६५१०

किंमत : २० रुपये मात्र

ISSN 2319735-3

સામાજિક સેવા  
સંસ્થાના અધ્યક્ષ  
શ્રી ૨૦૨૩

# રુમાઈ



૨૫ આઉટ | એક વર્ષ | જાનવારી ૨૦૧૮

સાપ્તાહિક  
ગેઝેટી પોલિસાઈ  
સાપ્તાહિક  
ગેઝેટી પુસ્તકાઈ





# १६ जानेवारी



२४ वा

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

मराठवाडा विद्यापीठ

# नामविस्तार दिन

- रमई
- ज्येष्ठ मानसि अंक : २ ता. १ जानेवारी २०१६
- संपादक : **प्रा. रेखा भेंश्राम**
- सहसंपादक : जसिंता बोरले
- कार्यकारी संपादक : देवशाला गवडे
- संपादकीय संचालक :
  - डा. भा. छाडे
  - ललिता खडसे
  - चैतानंद म्हा
  - सुलभाश्री शिरसाठ
  - प्र. विजया शिरसाठ
  - सुतोदा जाधव
  - डॉ. चंता माजवे
  - कल्पना वाडगे
  - शारदा गजाभर्ये
- मार्गदर्शक :
  - राजा हाले
  - ज. वि. पवार
  - प्र. रणजित भेंश्राम
  - प्र. अविनाश डोळस
  - प्र. सुशोला मलगाधव
  - डा. अल्पा लोखंडे
  - जमला गवारे
  - प्र. विजयकुमार गवडे
  - डॉ. संजय मुने
- ★ मांडणी : सुधाकर निमगन
- मुखपृष्ठ : सदान जाधव
- ★ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवडे
- प्रतियवहाराचा पत्ता : **प्रा. रेखा भेंश्राम**  
संपादक  
रेखाकन एन-१, २१/१०  
रामनगर, एन-२, गिडकी  
आरंगवाट, - ४३१००६  
मो. ९१०३१२३३०६,  
९६२३०५६१२०

किंमत : २० रूपये मात्र

1957-58



# रुसाई



चर्चा आठवडा अंक तिसरा ११ फेब्रुवारी २०२०



संपादक: डॉ. राजेश वाघारे  
संपादिका: डॉ. मनिषा वाघारे  
लेखिका: डॉ. मनिषा वाघारे  
लेखिका: डॉ. मनिषा वाघारे

## अनुक्रमणिका

१. संपादकाय
२. आमुची अक्षर माव  
- सुनंदा नागदिवे
३. नामनिस्सार दिनाचे २४ वर्षे  
- प्रा. रेखा मेश्राम
४. भोगा-कोरेगावचा विजयस्तंभ बोलतो तेव्हा  
- सुनिता इंगळे
५. बोधिचेतिय संस्थेची वाटचाल  
- लीला रामटेके
६. रमाई मासिकाचा ८ वा वर्धापन दिन (वृत्तांत)
७. विशेष मुलाखत : राधिका वेमुला  
- शर्मिष्ठा भोसले
८. कविता

● अत्यंत महत्त्वाचे ●

वार्षिका / वार्षिकात / देणगी / ... पोस्टात जाण्याची गरज नाही. भारतातील कुठल्याही बँक ऑफ महाराष्ट्र, राखित मुदतीत खालील क्रमांकाल रक्कम जमा करता येते

**वार्षिक वर्गणी ३००/- रूपये, आजीवन वर्षाणी ३०००/- रूपये**

- Maharashtra Bank -

Ramai (Masik) Account No 60134651307

Branch Name - Town Center, N-1, Aurangabad.

Branch Code - 13 27

MICR Code - 431014015

IFSC Code - MAHB0001327

वेसे भरल्यानंतर 9403123375 वर नंबरवर SMS करावा

अकारण व्ययक्त झालेली मते सर्वोपरि लेखकाची दायज्यता असून संपादक महोदय सहमत असणे नाही - संपादक

PUBLISHED IN MARATHI

ISSN 210742-  
8042/2011



# ७ फेब्रुवारी



## माता रमाई जयंतीच्या हार्दिक शुभेच्छा

❖ रमाई  
❖ वर्ष : साल्वे । अंक : ७ रा । फेब्रुवारी २०१८

❖ संपादक : प्रा. रेखा मैश्राम  
❖ सहायसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले  
❖ कार्यकारी संपादक : देवशीला गवंडे  
❖ संपादकीय मंडळ : शोभा गाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
मुलभाशी सिरसाठ  
प्रा. विजया शिरसाठ  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साल्वे  
कल्पना वाहूळ  
शाखा गजाभरे  
राजकन्धर्ग गोंडगण  
राधा ढाले

❖ मार्गदर्शक : राधा ढाले  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मैश्राम  
प्रा. अविनाश जोळम  
प्रा. सुशीला मुलवाभव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय भूत

❖ मांडणी : सुभाकर तिसमान  
❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव  
❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई  
❖ पत्रकारांचा पत्ता : प्रा. रेखा मैश्राम  
संपादक  
रेखाकाने पल-१/२१/४  
हामनगर, एत-२, सिडकी  
औरंगाबाद - ४३१००६  
मो. ९४०३१२३३७७,  
९६२३७२१५२०

किंमत : २० रुपये मात्र





# रुसाई



वर्षे आठवे । अंक चौथा । मार्च २०१८

रानसंगतीने काढावे दिस  
सरपन जसे डोईवर  
हेच चालने, हेच जळणे  
वाट विकासाची कोसोदूर





१० मार्च



कृतिज्योति सवित्रीमाई फुले  
अंच्या स्मृतीदिनाभिहित  
विलास अभिवादन

❖ सात

❖ वर्ष : शारदी । अंक : ४९ । मार्च २०१८

❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम  
❖ सहायसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले  
❖ कार्यकारी संपादक : दैवशीला गवई  
❖ संपादकीय मंडळ : शोभा खाटे

ललिता खडसे  
वेदोपदेश पवार  
सुलभाश्री सिरसाठ  
पा. विजया सिरसाठ  
मुनका जाधव  
डॉ. प्रज्ञा माळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजभिणे  
राजकन्या गौडगणे

❖ सांगदर्शक

: राजा ढाले  
ब. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेधाम  
पा. अविनाश डोळम  
पा. सुशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मुन

❖ वांडणी : सुधाकर निमर्गन  
❖ मुखपृष्ठ : शारदा जाधव  
❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई  
❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम

संपादक  
'रेखाकिन' एम-१/२१/४,  
गमनागर, एन-२, तिहको,  
औरंगाबाद - ४३१००६-  
फो. ९४०३१२३३०५  
९६३३७२६५२०

किंमत । :- रुपये मात्र

(ISSN 2318745 3)



# रत्नाइ



वर्ष आठवे । अंक पाचवा । एप्रिल २०१८

महाट् उगाडल सवा  
फिलो उक्ति अंधि मया  
सावित्रीची न लेक  
अगा वासन साग





१४ एप्रिल डॉ. ब्रामासाहेब  
 ओडेडकर व ३० एप्रिल नथाकात  
 भ. मातम बुध्द  
 यांच्या जयंतीच्या हार्दिक  
 शुभेच्छा..!



✦ रमण  
 ✦ वर्ष : आठवे । अंक : ५ वा । एप्रिल २०२८

- ✦ संपादक : **प्रा. रेखा भेशाम**
- ✦ सहायसंपादक : शशिदा भोसले
- ✦ कार्यकारी संपादक : देवकील गवंडे
- ✦ संपादकीय मंडळ : गोपा छाडे  
 ललिता खडमे  
 बबोर्नडा गवत  
 भूलभाई शिरमाट  
 प्रा. विजया शिरमाट  
 मुनंदा जाधव  
 डॉ. प्रभा साठव  
 कल्पना वाहळे  
 शारदा गवळिचे  
 ज्ञानकन्या गोंडार

✦ मासदलक

- पद्मना बाळे
- डॉ. वि. उकार
- प्रा. रणजित भेशाम
- प्रा. अशितारा डाळम
- डॉ. सुनील म्हायकासब
- डॉ. लक्ष्मणा साखंडे
- सुमिल पवार
- प्रा. विजयकुमार गवडे
- डॉ. संजय नु

✦ संपादणी

सुधाका निमोन

✦ मुखपृष्ठ

सावना जयस

✦ मुखपृष्ठ जापानित्र

अशुभाब गवडे

✦ संपादकालागवा पत्ता

**प्रा. रेखा भेशाम**

संपादक  
 'सिद्धांत' पत्ता-१/११/१  
 रामनगर, अंन-२, मिडको  
 औरंगाबाद - ४३१००६.  
 फोन. २४००३१४२००५,  
 ९८२३०२६६२०

ISSN 2319735-6



चर्चे जाळवे । श्रेक साहावा



'रुमाई' चळवळीचे 6 वे  
साहित्य संमेलन,  
सोलापूर, २०१८

अध्यक्ष

श्री. हिरा दया पवार

PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2219-1118  
(GRIFFIN 429/2017) 0000



**अपंग..**

मूढ धेपाच्या पोटस्थितीत,  
 पुष्ट्या सनात सुखात  
 नोळख होणा आदुव्यभार जलता खाऊन,  
 जगात पुढी करणाऱ्या मोठ्या,  
 स्यात नसू जगात प्रामुख उडीत  
 महत्त्व उडवत आदुव्यात एव सुखात त्यातून,  
 महत्वा घट्टीत जीवत आणित,  
 महत्वाची होण्यास तल्पना जखपुन,  
 कुडीत वातुर्य महार्थ औकर्य, जाणीव मादुर्य,  
 व्यक्तीमत्तातल पालित्य,  
 शांत आणि जावेदना प्रजावृष्टी कायवपाच्या  
 आत्मसंयतका भताच्या एवमुप,  
 - डॉ. बाबासाहेब आंबेडकराः  
 (इंग्लंड ऑफ पाकिस्तान या पुस्तकाची अपंगपरिचर)

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : ज्येष्ठ । अंक : ३ वा । मे २०१६
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ सहसंपादक : शर्मिष्ठा भोसले
- ❖ कार्यकारी संपादक : ऐशाला गवडे
- ❖ संपादकीय मंडळ : सौभा खाडे  
 ललिता छवसे  
 केवीनंदा पवार  
 सुलभाश्री सिरसाळ  
 डॉ. विजया शिरसाळ  
 सुनंदा जाधव  
 डॉ. प्रता साळवे  
 कल्पना वाहूळे  
 शारदा गर्जभारे  
 राजकन्या गोडारे

- ❖ मार्गदर्शक : राजा डाले  
 न. वि. पवार  
 प्रा. रणजित मेश्राम  
 प्रा. अश्विनाश डोळस  
 प्रा. सुशीला मुलगावडे  
 डॉ. भरुणा लोखंडे  
 शर्मिला पवार  
 प्रा. विजयकुमार गवडे  
 डॉ. संजय मून

- ❖ मांडणी : सुसमकत तिसमोन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदा जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : वासुदेव गवडे
- ❖ पत्रव्यवहागाचा कर्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
 संपादक  
 रिखाकर्ना एत-१/२१/४,  
 रामनाथ, एन-२, सिडको,  
 औरंगाबाद. - ४३१०१६,  
 मो. ९४०३१२३३७५,  
 ९६२३४२३५२



वर्षे आठवे । अंक सातवा । जून २०१८

गुज निळ्या आसमंताचे  
ऐकण्या घेऊनी उंच भगरी  
हिमकन्या मनिषाने गाठले  
ध्येय गिरी-शिखरी

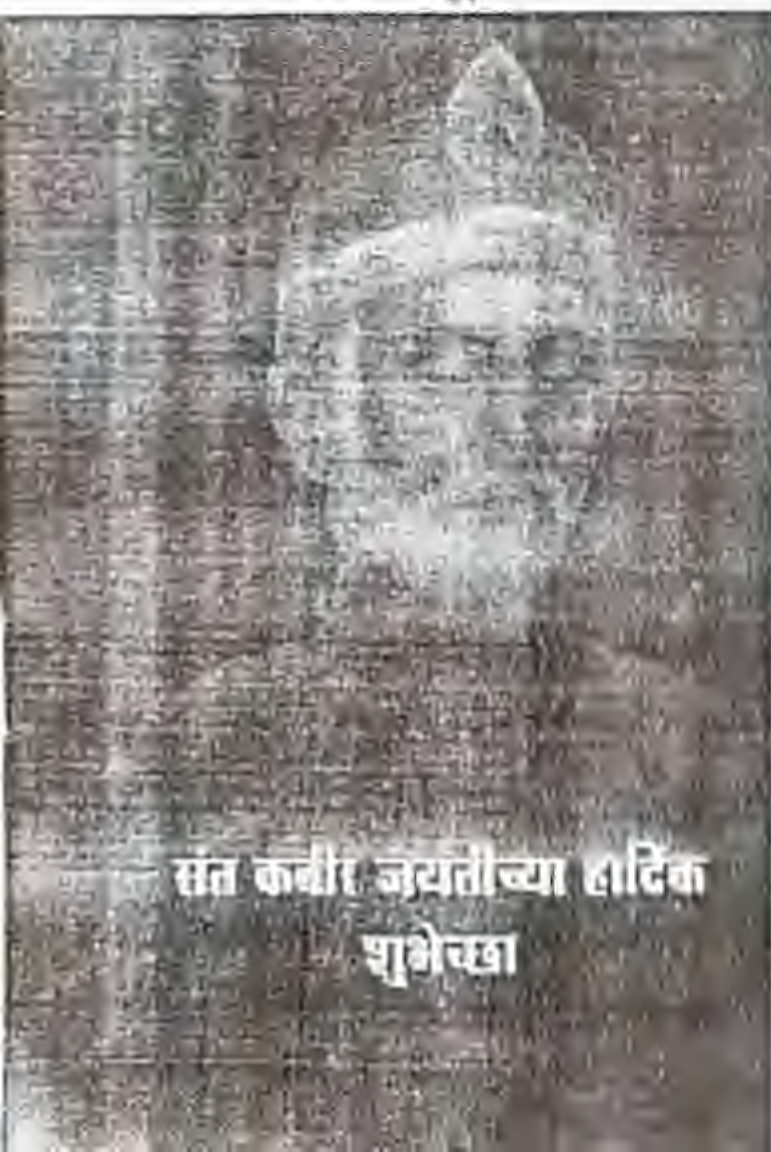
## मनिषा वाघमारे

।पारोस्ट गिळर  
सर करणारी  
पाटसी कन्या





२८ जून



संत कवीर जयंतोच्या हादिक  
 शुभेच्छा

- ❖ संपादक : प्रो. रमेश भोवसा
- ❖ संपादकीय मंडळ : वैद्यकीय सर्वेक्षणे  
 रोपण काले  
 लक्ष्मण मळगे  
 कैलाश भवार  
 सुलभश्री विद्यालये  
 प्रा. विनायक विठ्ठल  
 सुबदा जगज्ज  
 डॉ. ए.ए. राजगुळे  
 कान्हाळ सातुळे  
 साखळी लक्ष्मण  
 राजकान्त गोडगरे
- ❖ संपादकीय मंडळ : राजा काले  
 ज. वि. भवार  
 डॉ. रमणिक भोवसा  
 प्रा. अश्विनीका गोडगरे  
 प्रा. सुशीला सुलभाकर  
 डॉ. अश्विनीका गोडगरे  
 अश्विनीका गोडगरे  
 प्रा. विनायकभार गवई  
 डॉ. अश्विनीका गोडगरे
- ❖ संपादकीय मंडळ : सुभाकर विठ्ठल
- ❖ मुखपृष्ठ : सदाशिव जगज्ज
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : अश्विनीका गोडगरे
- ❖ प्रमुख्यव्यवस्थापका प्रस्ता : प्रा. रमेश भोवसा  
 संपादक  
 वैद्यकीय सर्वेक्षणे-१/२५/७  
 साखळी, प्रा. र. विठ्ठल  
 जीर्णोद्धार - ४३१००४,  
 पो. ४३०२११००००,  
 ४३१००४/४३१००४





घपें आठवे । अंक आठवा । जुलै २०१८

तुम्हीच माझे आभाळ  
तुम्हीच माझी भूमी  
तुम्हीच दिले धान  
नाही कशाची कमी



PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-21197153  
C/RNP/42/2017-2019



१५ ऑगस्ट

महाकवी

वामनदादा कर्डक

जयंतीच्या हार्दिक शुभेच्छा...

- ❖ र्षा
- ❖ वर्ष : आठवे । अंक : ८ वा । जुलै २०१८
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशिला गवई  
शोभा खाटे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री मिरसात  
प्रा. विजया शिरसाट  
मुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे

- ❖ मार्गदर्शक : राजा डाले  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. अविनाश डोळम  
प्रा. सुशीला मूलगाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून

- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई
- ❖ प्रवच्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम

संपादक  
दैवशिला गवई-१/२१/१८  
रामनगर, एन-२, सिडको  
औरंगाबाद - ४३१००६  
फोन, ९४०३१२३३७५,  
९४२३७२६५२०

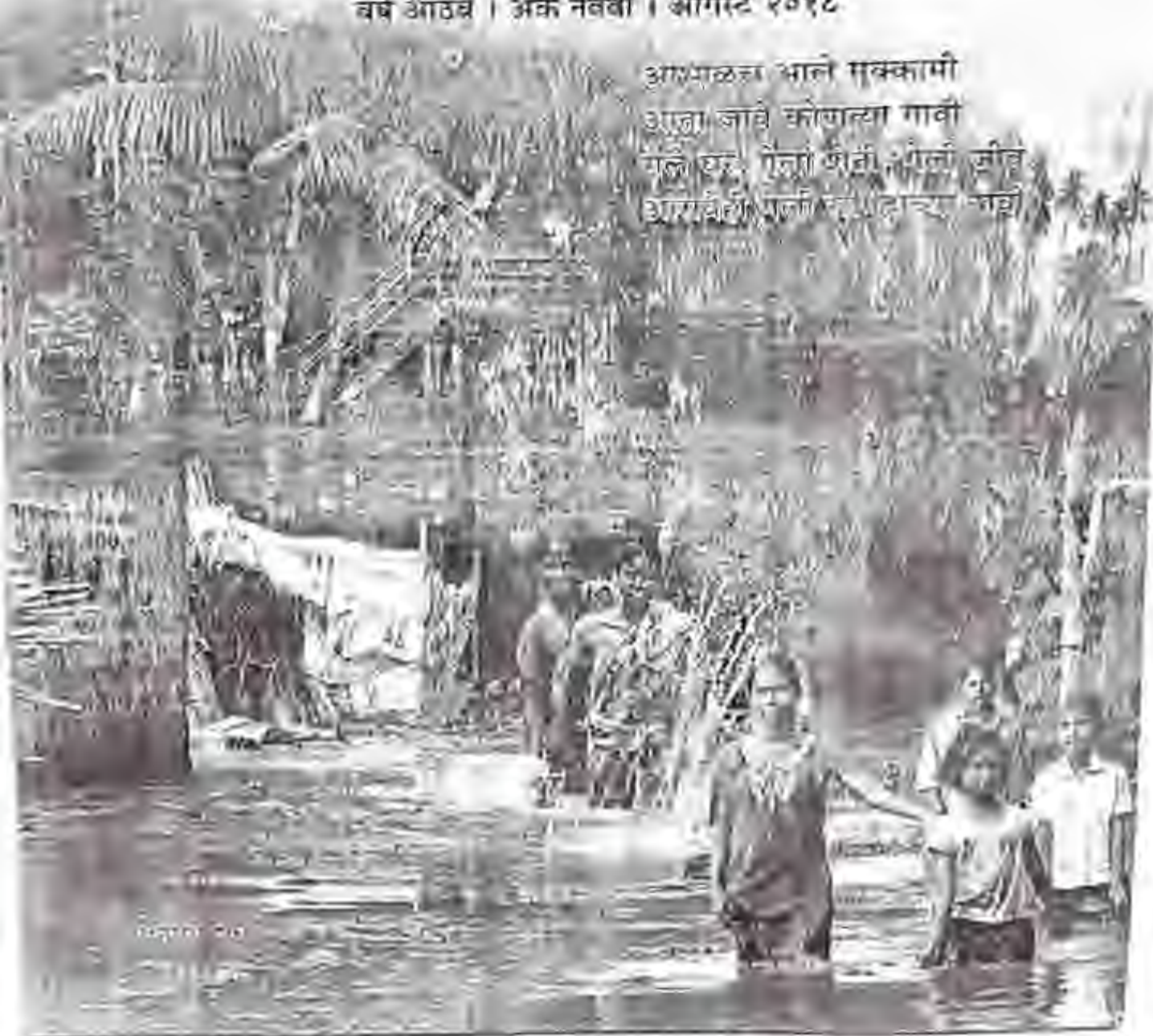
१५

ISSN 2319735-8



वर्षे आठवे । अंक नववा । ऑगस्ट २०१८

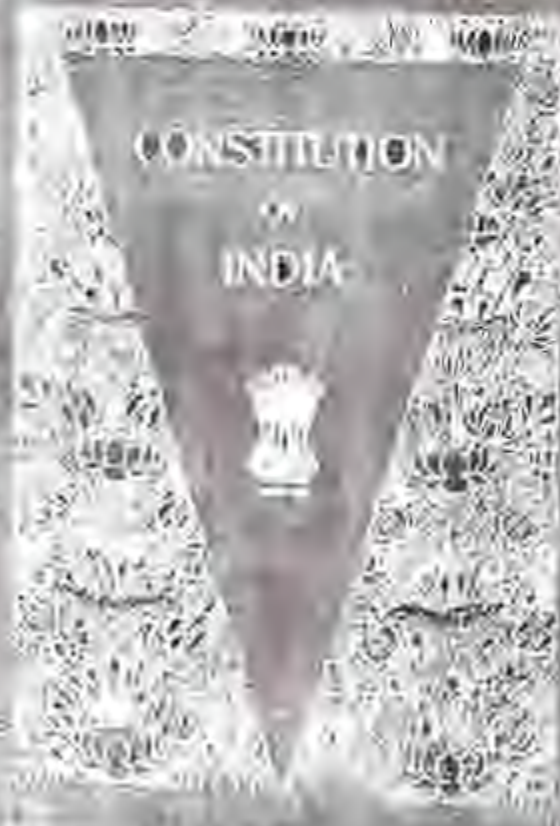
आयुष्याला आले सुककामी  
आता जावे कोणत्या गावी  
पुले घर, पैसां अती, शेतही जीव  
आयुष्याला पुरी काढायला गयी



सुकाई २०

PUBLISHED IN MARATHI

पुस्तक संस्था  
पुणे, महाराष्ट्र, ४११००५



संविधान बचाओ...  
देश बचाओ...

- ❖ रमाई
- ❖ वर्षा । आठवे । अंक : १ वा । ऑगस्ट २०१८
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशोला गवंदे  
शोभा खाटे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री सिरसाठ  
प्रा. विजया शिरसाठ  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळवे  
कल्पना बाहूळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडारणे
- ❖ मार्गदर्शक : राधा ढाले  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. अविनाश डोळस  
प्रा. सुशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : नाबुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकर्ण' पल-४/२१/४,  
रामनगर, एन-२, मिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
सी. ९४०११२३३७५,  
९८२३७२६५९०

ISSN 2319735-8



आपुलीच माणस  
माणिक  
**रुमाई**



६. गाठये । अंक दहावा । सप्टेंबर २०१८



आपुलीच माणस  
दुगानपुंग धरित  
आपुलीच भूसी  
दुगानुदुगे नापित

१०

ISSN 2319735-8

संस्कृत-  
भाषा-  
सामिका  
रुमाई

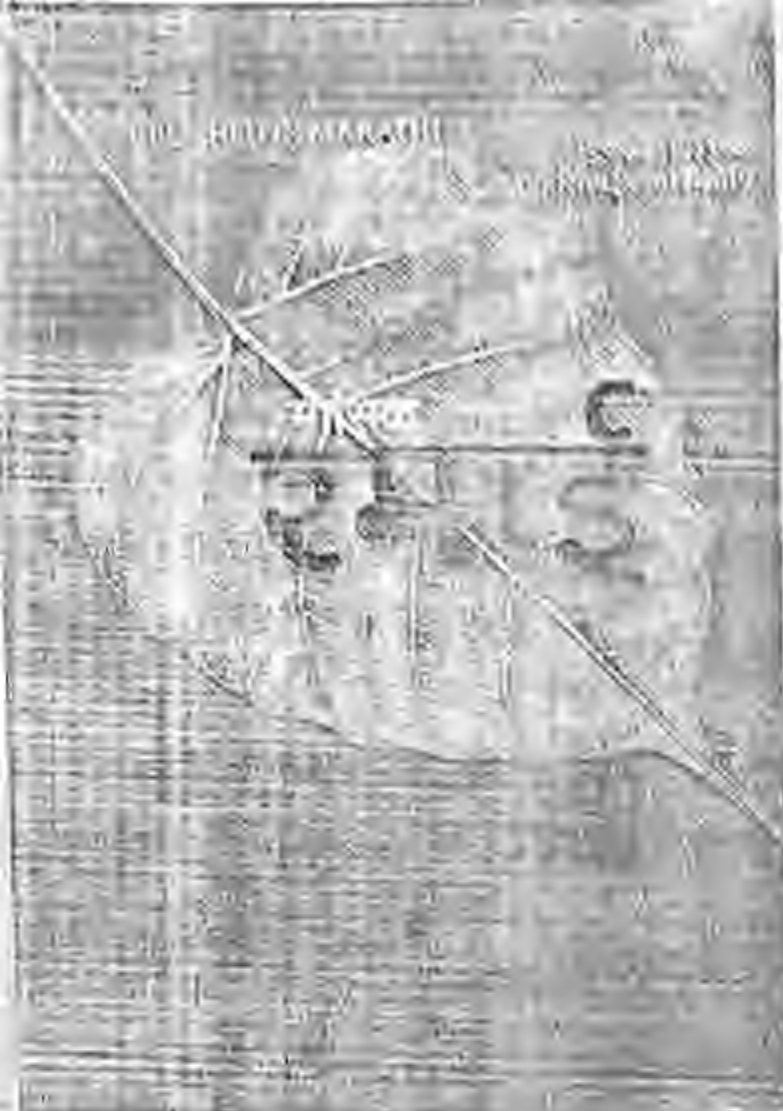


चर्चे आठव | अह अहोरा | ऑक्टोबर २०१८



जोमडनेल्या कळीर  
म्यःही जाळयडले  
डाक्यात घाडनं भिजली  
आठी घेव फोडलान

किंवा ००



धम्बराक प्रवर्तन दिनाच्या  
हार्दिक शुभेच्छा



❖ साई

❖ प्रमुख : जाधव । अंक : ११ भा । ऑक्टोबर २०१८

❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : देवशाळा गवळी  
शोभा माले  
ललिता खडसे  
बेनीनेदा पवार  
शुभाभोषी भिरसात  
प्रा. विजया शिंदेसाठ  
सुनील जाधव  
डॉ. प्रभा सोळवे  
करुणा जाधव  
आर्या मनभिये  
शालकाच्या गौडणे

❖ मार्गदर्शक

: राजी ललि  
अ. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. अश्विनीश पोळस  
प्रा. सुनील मूलनाथ  
डॉ. अरुणा सोळवे  
अमिला पवार  
प्रा. विजयाकुमार गवळी  
डॉ. संजय मूले

❖ मांडणी : सुभाकर निरगंज

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : जयसूर्य गवळी

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम

संपादक  
रेखाकान्ते, फ्लॅट-१/२१/४,  
सातमठ, फ्लॅट-२, सिद्धार्थ,  
जोगियावाड, ४२१००९,  
मो. ९२०३१२३०९०,  
९९२३०२४५२०



# रसाइ



वर्ष १९७६ | अंक ३ भाग १ | मार्च १९७६

संस्थापक संपादक  
डॉ. ए. ए. केशव  
संस्थापक संपादक  
डॉ. ए. ए. केशव  
संस्थापक संपादक  
डॉ. ए. ए. केशव





GURSHABH MISHRA

108-111/11  
10/10/11/2017/2017



3 नोव्हेंबर - विद्यार्थी दिन  
25 नोव्हेंबर - संविधान दिन

शक्ति  
युमेच्छा.२

CONSTITUTION  
OF  
INDIA



- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : आठवे । अंक : १२ वा । नोव्हेंबर २०१८

- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ :

दैवशांला गवंडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री सिल्लाट  
प्रा. विजया सिल्लाट  
सुनंदा बाशच  
डॉ. प्रज्ञा साळवंत  
कल्पना वाळुंटे  
शानंदा गजोर्धरे  
राजकन्या गंडवले

- ❖ मार्गदर्शक

1 राजा जाले  
ज. वि. पवार  
प्रा. एण्जित मेश्राम  
प्रा. अविनाश डोळम  
प्रा. सुरशीला मूलजाधव  
डॉ. धरुणा लोखंडे  
डॉ.मिना पवार  
प्रा. विजयकुमार गजई  
डॉ. सजय मून

- ❖ संपादकीय
- ❖ मुखपृष्ठ : सुधाकर निमार्गन
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गजई

- ❖ प्रव्यवहाराचा जला : प्रा. रेखा मेश्राम

संपादक  
रेखाकरी एल-२/२१/४,  
समताप, एल-२, सिडकी,  
औरंगाबाद - ४३१००६,  
मौ. ९४०३१२२३७५,  
९६२९७२६५२



कृषि

विज्ञान के द्वारा  
मानव को सुख  
और समृद्धि प्रदान  
करने का प्रयत्न





१ जानेवारी

भीमा-कोरगाव  
शौचीदिन



- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : नव्वे । अंक : १ ला । जानेवारी २०१९
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंडे  
शोभा लाडे  
सुलिता श्रद्धसे  
चैत्रीनंदा गवार  
सुलभाधी शिरसाठ  
प्रा. विजया शिरसाठ  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडारणे
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले  
ज. वि. पवार  
मा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुरीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
वर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बागुराज गवई
- ❖ पत्राभ्यासाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एल-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६  
मौ. ९४०३१२३३७५,  
९१२३७२६५२०

१/१

ISBN 2319736-8



वर्षे नववे । अंक दुसरा । फेब्रुवारी २०१९

पांढासाठी वाहतानां भोळी  
वेहावेही झाले सरपण  
रानोमाळ भटकतात  
हाडांचेही झाले माण





## ७ फेब्रुवारी



माता रमाई जयंतोच्या  
हार्दिक शुभेच्छा

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : नववे । अंक : २ ला । फेब्रुवारी २०१९
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : देवशाला गवडे  
शोभा खाटे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
मुलभाश्री शिरसात  
प्रा. विजया शिरसात  
मुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळसे  
कल्पना वाहुटे  
शारदा मजभिये  
राजकन्या गोंडाणे
- ❖ मार्गदर्शक : राजा डाले  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवडे  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो. ९४०३६२३३७५,  
९६२३७२६५२०



चर्चे नवचे । अंक तिसरा । मार्च २०१९

घासलांचे अस्मित्वच हरवले  
भित्तवेही आगछपापारे मात्र... हने  
भाणुसपाय उपाते क्वाळवना  
छावलीसदीं श्री मीसोली...



संस्कृत

90 मार्च



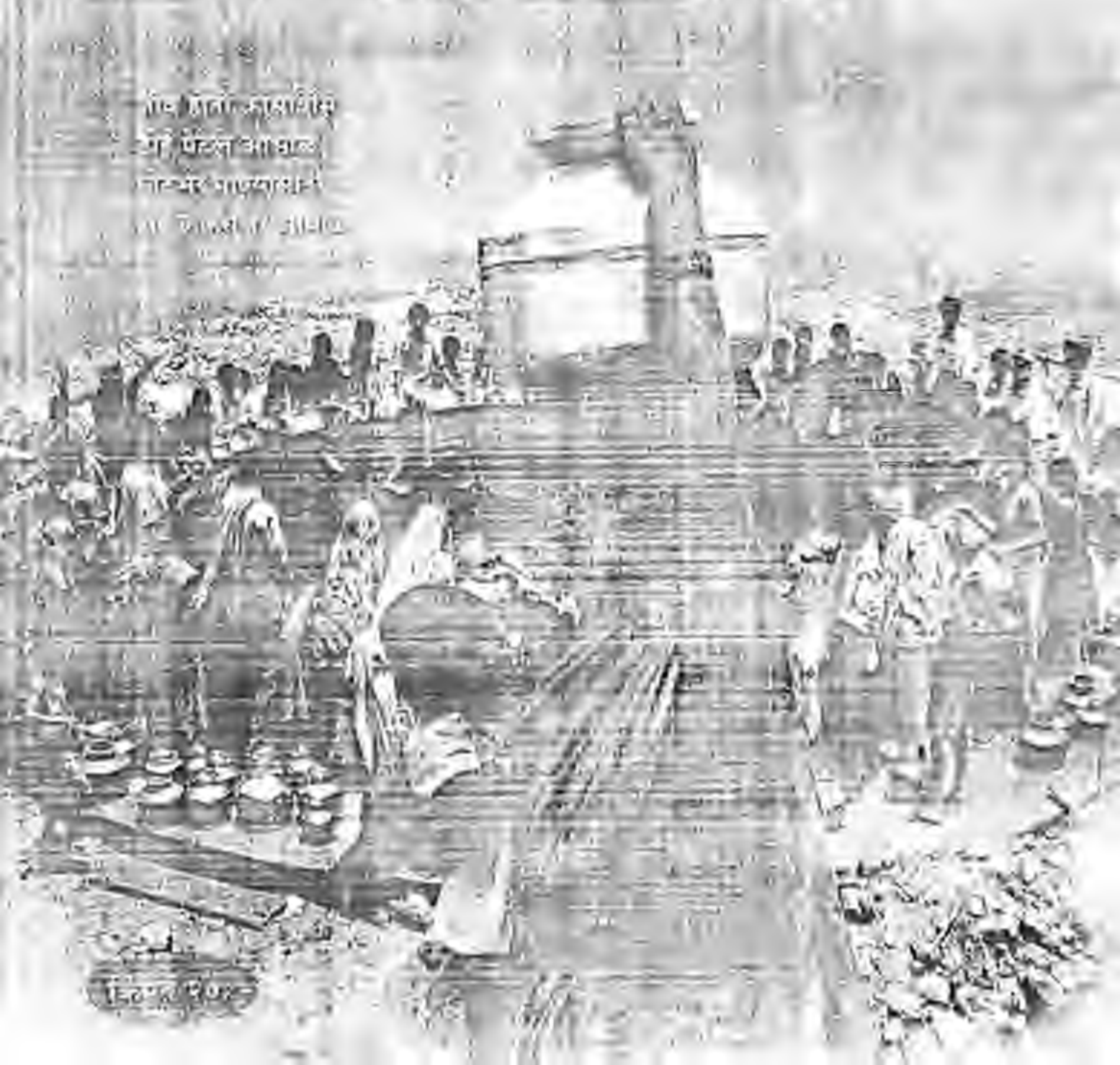
कतिड्योति सवित्रीमाई फुले  
याच्या स्मृतीदिनाभिहित  
दिनभ्र अभिवादन

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : नववे । अंक : ३ स । मार्च २०१९
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मैश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री सिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा साठवे  
कल्पना ताहळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाने
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ठाले  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मैश्राम  
प्रा. सुशीला मूलचाधव  
डा. अरुणा जोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुख्यपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुख्यपृष्ठ छायाचित्र : नातुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मैश्राम  
संपादक  
रेखाकन एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



वर्षे नववे । अंक चवथा । एप्रिल २०११

ज्येष्ठ संपादक: का.स.रा.सि.सि.  
अ. पांडुरंग आ.रा.सि.  
सहायक संपादक: रा.सि.  
आ.सि.सि.सि.सि.सि.सि.







१४ एप्रिल

संविधान समिती  
भांडारकर  
डॉ. वाराभाहेव  
अध्यक्ष जयतीच्या  
जादिकी शुभेच्छा

❖ रमाई

❖ वर्ष : नववे । अंक : ४ था । एप्रिल २०१९

❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंडे

शोभा खाटे

ललिता खडसे

बेबीनंदा पवार

सुलभाश्री शिरसाठ

प्रा. विजया शिरसाठ

सुनंदा जाधव

डॉ. प्रज्ञा साळवे

कल्पना वाहूळे

शारदा गजभिये

राजकन्या गोंडाणे

❖ मार्गदर्शक

: राजा डाले

ज. वि. पवार

प्रा. रणजित मेश्राम

प्रा. सुशीला मूलजाधव

डॉ. अरुणा लोखंडे

उर्मिला पवार

डा. विजयकुमार गवई

डॉ. संजय मून

❖ मांडणी : सुधाकर विसर्जन

❖ मुखपृष्ठ : सादार जाधव

❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम

संपादक

रेखांकन एल-१/२१/४,

रामनगर, एन-२, सिडको,

औरंगाबाद. - ४३१००६.

मो. ९४०३१२३३७५,

९६२३७२६५२०

संस्कृत साहित्य  
संमेलन

# रुमाई

वर्ष जन्मदिन, डॉ. माधवा / म २०१९



'रुमाई' चळवळीचे ८ वे  
साहित्य संमेलन  
अमरावती, २०१९

संमेलनाध्यक्ष  
मा. प्रा. डॉ. निशा शेंडे



असिक्



अर्पण...

मूढ मंगलाया परिशिष्टीय  
 पुटेया सत्ताय पुण्याय  
 पौषय मोजय अद्युयायत खस्ता चउता  
 धरणा सुखी कळण्याय कोडित  
 हवक रूप वतायाय भाग्या दखीय  
 माध्या सत्ताय अद्युयायत एम सुखायायामुन  
 माध्या कटीय जीवय भाग्याय  
 सत्तायी मोज्याय तलपत्ता दानवुया  
 सुदीय वलुय, भागय ओदय, नापीय माधुय  
 व्यकीमल्यायय पणिय  
 हाय भागि अदिचय भागपुवी दानवुयाया  
 भाग्यायसवतयी भाग्याय भाग्याय

मै. भाग्यायतयी अदिचयत

पौषय भागि पाकिस्तान या पुस्तकाची अर्पणियाय

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष: तवते | अंक: 14 वा | मे 2019
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दिव्याला मवंदे  
 शोभा खाडे  
 ललिता खडसे  
 बेनीनंदा पवार  
 सुलभाश्री मिरसाळ  
 प्रा. विनया शिरसाळ  
 सुमंदा नाभव  
 डॉ. प्रज्ञा साळ्वे  
 कल्पना वाहूडे  
 शाखा गळभमे  
 राजकन्या बोडगणे
- ❖ सार्वजनिक : राजा डाली  
 म. वि. पवार  
 प्रा. रणजित मेश्राम  
 प्रा. सुशीला मुलगावले  
 डॉ. अरुणा खोडके  
 अमिता पवार  
 प्रा. कितककुमार मवंडे  
 डा संजय भुन
- ❖ सांडपी : सुभाकर निखील
- ❖ पृष्ठपत्र : सखार नाभव
- ❖ पृष्ठपत्र छापाचिन : जगदुराम गडडे
- ❖ प्रवच्यवहागाचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
 संपादक  
 रेखाचर्चा फोन-९/२२/४,  
 रामनगर, एम-२, सिडको,  
 औरंगाबाद - ४३१००६,  
 मो. ९४००२२३३७५,  
 ९६२३७२८५२०

# रुमाइ



सर्षे नवदे । अंक सातवा । जूना २०१३



सर्षे नवदे । अंक सातवा । जूना २०१३

WASHI

ISSN: 017654  
PUBLISHED BY: 1110

रमाई

२८ जून



श्री ज्योतीन्या हार्दिक  
शुभेच्छा

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : नववे । अंक : ६ वा । जून २०१९
- ❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशोला गवडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
देवीनंदा पवार  
सुलभाश्री सिरसाट  
प्रा. धिजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहूळ  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे
- ❖ मार्गदर्शक : राजा ढाले  
ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांकन एल-१/२१/४,  
रामनगर, एल-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

# रुमाई

वर्षे नववे । अंक आठवा । जुलै २०१९

विचारा चुलीवरच्या तव्याला, विचारा दुर्डीतल्या भाकरीला  
 मिते झाले सारे तत्व तरां माती पायाखालची गेली कशी चोरीला?



१८ जुलै



संस्थाभाऊ साठे  
संस्थादिनामिच्छ  
संस्था अधिवास्त

❖ स्पाई  
❖ वर्ष : २०२० | १० वा | जुलै २०२०

❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम  
❖ संपादकीय मंडळ : देवशीला गवत,  
शोभा खड  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभात्री शिरसाठ  
डॉ. विजया मारनाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रसाद लालव  
अल्पना कावडे  
शारदा तडोभडे  
राजकन्या गाडगे

❖ पाठकसंघ : ज. वि. पंजाब  
प्रा. रत्नाजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मुलगांधव  
डॉ. अदिति जाधव  
उर्मिला कवत  
प्रा. विजयकुमार तडो  
डॉ. प्रकाश मुन

❖ संपादन : सुशीला विजय  
❖ मुखपत्र : माता जाधव  
❖ मुखपत्र छापाई : वाहाळ गवत

❖ शतकवारागवा वस्तु : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
संपादक : २०२०  
संपादक : २०२०  
संपादक : २०२०  
संपादक : २०२०  
संपादक : २०२०

CS10726-2



एक आनंद । अक्टूबर २०१३



एक आनंद । अक्टूबर २०१३



BY MAKATHI

ISSN-23107248  
PUBLISHED BY MAKATHI IN 2019



१७ सप्टेंबर



डा. अय्यासाहेब तथा  
द. क. राव आंबेडकर  
का स्मृतीस  
अभिवादन

❖ रमाई  
❖ वर्ष : नववे । अंक : ८ वा । ऑगस्ट २०१९

❖ संपादक : प्रा. रेखा मेश्राम  
❖ संपादकीय मंडळ : दैवशोला गवई  
शौभा खाटे  
ललिता खडसे  
वेवोनेदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजभिये  
रावकन्या गोडाये

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलवाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून

❖ सांडणी : सुधाकर निसर्ग  
❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव  
❖ मुखपृष्ठ छायाचित्र : बाबुराव गवई  
❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखाकिन' एल-९, २९/४,  
रामनगर, एन-२, सिडकी  
औरंगाबाद - ४३१००६  
मो. ९४०३१२३३५  
९६२३७२६५००



# रुमाई



वर्षे नववे । अंक नववा । सप्टेंबर २०१९



वाहून गेले छप्पर,  
गेले गाडगे मडके  
पिलांता घेऊनी जवळ  
जाईन कुठे हे ओडके?



१७ सप्टेंबर



यश्यासाहेब तथा यशवंतराव  
जैडकर यांच्या स्मृतीस  
विनय अभिवादन

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : नववे । अंक : १ चा । सप्टेंबर २०११
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंडे  
शोभा खांडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळ  
शारदा गजोभवे  
राजकन्या गोंडाणे
- ❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. इणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मुलगाधव  
डॉ. अरुणा लाखंडे  
जर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको  
औरंगाबाद. - ४३१००९  
मौ. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



# रुमाइ



वर्षे नववे । अंक दहावा । ऑक्टोबर २०१९



संपादक: अशोक शिंदे  
संपादक: अशोक शिंदे  
संपादक: अशोक शिंदे  
संपादक: अशोक शिंदे



समाचार प्रवर्तन दिनाच्या

निमित्त शुभेच्छा



१९९१/९२ मधील प्रवर्तन



❖ (मा)

❖ वर्ष : वर्ष १० | अंक : १० | ऑक्टोबर २०१९

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : टैवशीला गवई  
 रोभा खाडे  
 ललिता खडसे  
 बेबीनंदा पवार  
 सुलभाश्री शिरसाट  
 प्रा. विजया शिरसाट  
 सुनंदा जाधव  
 डॉ. प्रजा साळवे  
 कल्पना वाहुळे  
 शारदा राजधिम  
 राजकन्या गोंडामे

❖ मार्गदर्शक

: न. वि. पटवर्ण  
 प्रा. रणोजित मेश्राम  
 प्रा. सुरीला मूलवच्छ  
 डॉ. अरुणा लोखंडे  
 रॉमिला पवार  
 प्रा. विजयकुमार गवई  
 डॉ. संजय मुन

❖ मांडणी

: सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ

: सरदा जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा प्रता

: प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
 संपादक

रेखाकान एत-१/२१/३,  
 रामनगर, एत-२, सिडको,  
 औरंगाबाद. - ४३१००३.  
 मो. ९४०३४२३२७५,  
 ९६९३७२६७९०



# रुमाइ



# रमाई

६ डिसेंबर

पद्मनाभ ठा. दादासाहेब आंबेडकर  
साहित्यिक दिनानिमित्त विनम्र अभिवादन...



- ✦ रमाई
- ✦ वर्ष : नवमी । अंक : २१ वा । नोव्हेंबर २०१९
- ✦ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ✦ संपादकीय मंडळ : दिशाला गवई  
शोभा खांडे  
ललिता खडसे  
चवंगटा पंचा  
मूलभायी शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनदा जाधव  
डा. प्रज्ञा माळवे  
कल्पना वाहुळ  
शारदा गजभिषे  
राजकन्या गोडार्णे
- ✦ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलजाधव  
डा. श्रुतभा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डा. संजय मून
- ✦ सांडणी : सुधाका निमगन
- ✦ मुखपृष्ठ : मरुदा जाधव
- ✦ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखाकन' एल-६/२१/०  
रामनाथ, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो ९८०३१२३३५५५  
९६२३७२६५२७



# रुमाई



वर्षे दहावे । अंक पहिला । डिसेंबर २०१९  
(मनुस्मृती दहन दिन, आत्मगौरव स्त्री मुक्ती दिन)





२५ डिसेंबर

मासिक  
रमाईचा १० वा  
वर्धापन दिन

२५  
डिसेंबर

भारतीय  
स्त्री मुक्ती दिन

- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष : दहावे । अंक : १ ला । डिसेंबर २०१९
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवटे  
शोभा खाटे  
ललिता खडसे  
डेबोन्दा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजभिरें  
राजकन्या गोंडाणे
- ❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलगांधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निरमनि
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
श्रीरंगवाड, - ४३१००६,  
पौ. ९४०३१२३००५,  
९६२३७२६५२०



# समाज



चर्चे देहाचे । अंक दुसरा । जानेवारी २०१०



पिढ्यांन पिढ्यां  
दारिद्र्याशीं झुंज  
मिळाले स्वातंत्र्य नरी  
अधस्ताच वांझ

१ जानेवारी

भीमा-कोरेगाव  
शौर्यदिन



भारतीय  
स्वतंत्रता दिवस

❖ रमाई

❖ वर्ष : दहावे । अंक : २ रा । जानेवारी २०२०

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
वेवीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
मुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गर्जभिये  
राजकन्या गोंडाणे

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला भूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. चिंजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मूत

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ प्रत्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांकन एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



# रुमाई



वर्षे दहावे । अंक तिसरा । फेब्रुवारी २०२०

नातं  
माझं  
देह  
साझं





## ७ फेब्रुवारी



### ❖ रमाई

- ❖ वर्ष : दहावे । अंक : ३७ । फेब्रुवारी २०२०
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गर्वडे  
शीभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रसा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजधिये  
राजकन्या गोंडाणे

### ❖ मार्गदर्शक

- ❖ ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. निवधकुमार गर्वडे  
डॉ. संजय मून

### ❖ मांडणी

- ❖ सुधाकर निमगन

### ❖ मुखपृष्ठ

- ❖ सरदार जाधव

### ❖ पत्रव्यवहारचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम संपादक

रेखांकन एल-२/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



# रुमाई



वर्षे दहावे । अंक चवथा । मार्च २०२०

व्यतनांच्या राशी  
झिजले रापले  
कर्म्यांचे गाव  
स्वयंभू आपुले





90 मार्च



सवित्री सावित्रीमाई फुले  
यांच्या स्मृतीदिनानिमित्त  
विनम्र अभिवादन

## ❖ रजाई

- ❖ वर्ष : दहावी । अंक : ४ था । मार्च २०२०
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : देवशीला गवडे  
शोभा खाटे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा माळवे  
कल्पना वाहुळे  
सारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडापण

- ❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुरशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवडे  
डॉ. संवच मून

- ❖ सांडणी : सुधाकर निसर्गन

- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद, - ४३१००६.  
फो. १३०३१२३३०५,  
९६२३७२६५२०

# रुमाइ

वर्षे दहावे । अंक पाचवा । एप्रिल २०२०

बल चाक  
बला काळ  
काचा जाल  
मुसके





# रुमाई

१४ एप्रिल



महात्मा जोतिराव फुले

व

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

जयंतीच्या

हार्दिक शुभेच्छा...!

❖ रुमाई

❖ वर्ष : इतावे । अंक : ५ वा । एप्रिल २०२०

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : देवशीला गवडे  
जीभा खाडे  
ललिता खडसे  
बैबीनंदा पवार  
मूलपात्री शिरमाट  
प्रा. विजया शिरमाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा माळवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजाभये  
राजकन्या गोंडारणे

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवडे  
डॉ. संजय मून

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ : अरदार बाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांकन एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद, - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

किंमत : २० रुपये मात्र

# रुमाइ

वर्षे दहावे । अंक सहावा । मे २०२०



सुख  
सुख  
सुख





सर्वोच्च न्यायालय  
दिल्ली

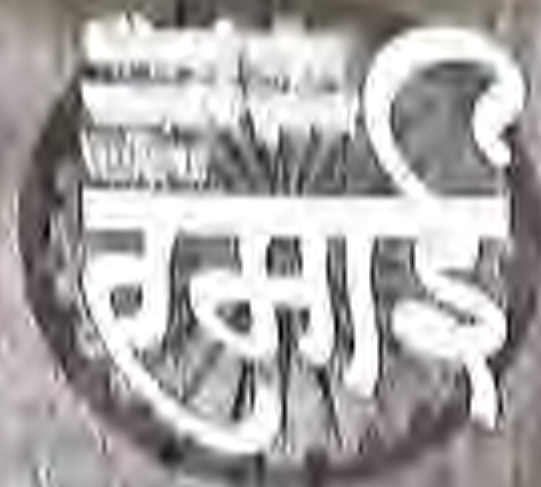
# रुमाई



वर्षे च्यावे । अंक सातवा । जून २०२०

शाली जाव  
ठिलो भातडे  
जाताने परणा  
शाली कातडे





सर्वोत्तम : सर्वोत्तम : सर्वोत्तम

सर्वोत्तम  
सर्वोत्तम  
सर्वोत्तम  
सर्वोत्तम





## ❖ रमाई

❖ वर्ष : दहावे । अंक : ७ वा । जून २०२०

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाक्षी शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
मुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा सालवे  
कल्पना भाडले  
शारदा गर्जाभये  
राजकन्या गोंड्राणे❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुरीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
अर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय गुन

❖ मांडणी : सुधाकर निखेंग

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ प्रज्योत्सवाचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांक- एल-१, २१०४,  
रामनगर, पत्र-५, सिडका,  
औरंगाबाद - ४३२००४,  
मो. ९४०३३२३३७५  
२३२२७२६१२०सुमता जिजाऊ  
जयंतीराजर्षी शाहू महाराज  
जयंतीसंत कबीर  
जयंती

विनम्र अभिवादन

ISSN 23197754



चर्चे दहावे । अंक आठवा । जुलै २०२०

कव्यात सडले जगणे  
ढकलूनी दिस एकेक  
पडे हातापायांना भ्रांत  
ढकलूनी घास एकेक





मूकनायक शताब्दी वर्ष

**मूकनायक**  
१९१० - २०१०



१९२० रोजी पहिले वृत्तपत्र  
मूकनायक हे  
प्र. प्र. त्र्यम्बक डी. बाबासाहेब  
पत्रकारितेची सुरवात  
अखिल भारतीय पत्रकारिता ही  
विकसित झाली आहे.

पत्रकारिताचा विकास

## ❖ रमाई

❖ वर्ष : दहावे । अंक : ८ वा । जुलै २०२०

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंदे  
शोभा खाटे  
ललिता खडसे  
वेबोर्नदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा सालवे  
कल्पना वाहुजे  
शारदा गजाभिये  
रावकन्या गोंडामे

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलवाघव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
तर्मिला पवार  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय भूत

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार बापव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांकर्ण एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००९.  
मो. ९४०३२२३३५५,  
९६२३७२६५२०



ISSN 2319735-8



वर्षे दहावे । अंक नववा । ऑगस्ट २०२०



मातीतले खोपे  
मनातलं सपनं  
कोवळ्या जीवाचं  
मातीमोल जगणं



९ ऑगस्ट



लढ्याचे महानायक,  
लेखक, माहितीरत्न,  
लेखक, लोकशाहीर

डॉ. अण्णाभाऊ  
साठे

पुस्तकाधी वर्यानिमित्त  
आभिवान

## ❖ रमाई

- ❖ वर्ष : दहावे । अंक : ९ वा । ऑगस्ट २०२०
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : देवशोला गवंदे  
शोभा खांडे  
ललिता खडसे  
बबोर्नदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुर्नदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोदाणे

## ❖ मार्गदर्शक

- ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशोला मूलजाधव  
डॉ. अरूणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. निजमकुमार रावई  
डॉ. संजय मून

## ❖ मांडणी

- सुधाकर निमगन

## ❖ मुखपृष्ठ

- सरदार वाघव

## ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

- संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



वर्षे दहावे । अंक दहावा । सप्टेंबर २०२०

आभाळ सजलं  
नट्टनी हसली धरती  
लेऊनी हरित लेणं  
सपनं गूज करती





१७ सप्टेंबर



ज्ञेते सूर्यपुत्र भय्यासाहेब तथा  
ज्वराव आंबेडकर यांच्या स्मृतीस  
विनम्र अभिवादन

❖ रमाई

❖ वर्ष / दहावे / अंक : १० वा । सप्टेंबर २०२०

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रजा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शानदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
प्रा. सुशीला मूलजाधव  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
अमिला पवार  
प्रा. विनायककुमार गवई  
डॉ. संजय मून

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गत

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२२/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद, - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



वर्षे दहावे । अंक अकरावा । ऑक्टोबर २०२०

 **हम उठे हैं**  
**अब ललकार**  
**जही सहेंनी अत्याचार**



डॉ. जयमालाची  
चित्र दामिनी  
नरमलदन अग्रये  
का स्वाभिनी

# रमाई

संस्थापक, विजयात्मस्यी  
पत्रकार स्वर्तन दिनाच्या  
द्विदिक् संस्थेच्या



- ❖ रमाई
- ❖ वर्ष - दहावे । अंक : ११ वा । ऑक्टोबर २०२०
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे
- ❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. आशा धोरात  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
उर्मिला पवार  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



# रुकाई



वर्षे दहावे । अंक बारावा । नोव्हेंबर २०२०



संपादक  
संस्थापक  
संस्थापिका  
संस्थापिका

# रुमाई

१ नोव्हेंबर - विद्यार्थी दिन  
२६ नोव्हेंबर - संविधान दिन

शारिका  
सुमेश्वर...

CONSTITUTION  
OF  
INDIA



- ❖ रुमाई
- ❖ वर्ष : व्हाद्ये । अंक : १२ वा । नोव्हेंबर २०२०
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकांचे मंडळ :
  - श्वशीला गवडे
  - शोभा खाडे
  - ललिता खडसे
  - बेवीनंदा पवार
  - सुलभाश्री शिरमाटे
  - प्रा. विजया शिरसाट
  - मुनंदा जाधव
  - डॉ. प्रजा साळवे
  - कल्पना बाहुळे
  - शारदा राजभिस्ये
  - राजकन्या गोडाणे
- ❖ मार्गदर्शक :
  - ज. वि. पवार
  - प्रा. रणजित मेश्राम
  - डॉ. आशा थोरात
  - डॉ. अरुणा लोखंडे
  - आयु. उर्मिला पवार
  - प्रा. आशासलता कांबळे
  - प्रा. विजयकुमार गवई
  - डॉ. संजय मून
- ❖ मांडणी : सुधाकर तिसर्गत
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, तिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२४५२०





# रुमाई



एक अकराव । अक पहिला । डिसेंबर २०२०  
रुमाई पारिक्लाधा अकरावा वधापन दिन ।



उत्तम  
पुस्तक  
माला  
विकास



६ डिसेंबर



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर  
 काळ्या ज्वळतेनेवाणा दिनानिमित्त  
 चिन्म अभिवादन

❖ रंगवाई

❖ वर्ष : जाकराचे / अंक : १ ला / डिसेंबर २०२०

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय पंडळ : दैवशीला गवंदे  
 शोभा खड्डे  
 ललिता खड्डे  
 बेदीनंदा पवार  
 सुलभाश्री शिरसाट  
 प्रा. विजया शिरसाट  
 सुनंदा जाधव  
 डॉ. प्रज्ञा साळवे  
 कल्पना वाहुळे  
 शारदा गजभिये  
 राजकन्या गोंडाणे

❖ भागदर्शक

: ज. वि. पवार  
 प्रा. रणजित मेश्राम  
 डॉ. अरूणा लोखंडे  
 आयु. उर्मिला पवार  
 प्रा. डॉ. आशा थोरात  
 प्रा. आशालता कांबळे  
 प्रा. विजयकुमार गवई  
 डॉ. संजय मून  
 डॉ. वेतना सोनकांबळे

❖ सांडणी

: सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ

: सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

संपादक  
 'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
 रामनगर, एन-२, सिडको,  
 औरंगाबाद - ४३१००६.  
 मॉ. ९४०३१२३३७५,  
 ९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



चर्चे अकरावे । अंक दुसरा । जानेवारी २०२१

फाटक्या पुस्तकात  
भविष्य दडले  
इजलल्या मुलीत  
दारिद्र्य नडले





भीमा-कोरेगाव  
शौचदिन



१ जानेवारी

डॉ. बाघासाहेब आंबेडकर  
भराठवाडा विद्यापीठ  
नामविस्तार दिन



१४ जानेवारी

जयंतीच्या हार्दिक शुभेच्छा



३ जानेवारी



१२ जानेवारी

## ❖ रमाई

❖ वर्ष : अकरावे । अंक : २ रा । जानेवारी २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंदे  
रोभा खाटे  
ललिता खडसे  
बेवीनदा पवार  
मुलभात्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना जाहळु  
शारदा गजभिवे  
राजकन्या गोंडारणे

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरूणा लोखंडे  
आयु. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा धोरात  
प्रा. आरालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ मांडणी : सुधाकर निरगन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रिखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद, - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०



वर्षे अकरावे । अंक तिसरा । फेब्रुवारी २०२१



जिल्हा कामगारांची  
कळली रे खापट  
जिल्हा भविष्याचे  
जिल्हा पाहट

# रमाई

७ फेब्रुवारी



❖ रमाई

❖ वर्ष : अज्ञात | अंक : ३ रा | फेब्रुवारी २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
जे. प्रभा माळवे  
कल्पना वाहुळे  
शांदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाने  
डॉ. श्यामल गरुड

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. खार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
आयु. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा गौरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांकन एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
फो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 23197354



वर्षे अकरावे । अंक चौथा । मार्च २०२१

माळमाध्यात्री जोंव  
भशांग उजाड  
उन्हातलं जळणं  
जलम आंगाड



PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2310735-6  
PRN-AEO/RNP/428/2017-2019

साप्ताहिक  
रमाई

90 मार्च



कृतिड्योती सावित्रीमाई फुले  
यांच्या स्मृतीदिननिमित्त  
विनम्र अभिवादन

## ❖ रमाई

- ❖ वर्ष : अकरावे । अंक : ४ था । मार्च २०२१
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा भेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवंदे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
वेवीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. भद्रा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजाभिये  
राजकन्या गोडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड
- ❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित भेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
आयु. वर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरत  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय भून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्ग
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा भेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
२६२३७२६५२०



ISSN 2319735-8



वर्षे अकावे । अंक पाचवा । एप्रिल २०२१

थर असो तुमचे इमले  
आम्ही हिंडता गावो-गाव  
कला, श्रमाचे ना मॉल  
किती सोसावे जगाचे घाव



PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2119735-1  
PKN-AJD/RMF/428/2017-2019

# रमाई

११ एप्रिल

१४ एप्रिल



महात्मा जोतिराव फुले  
व

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर  
जयंतीच्या  
हार्दिक शुभेच्छा...!

## ❖ रमाई

- ❖ वर्ग : अकरावे | अंक : ५ था | एप्रिल २०२१
- ❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम
- ❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
चेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
मुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना चाहुळे  
शारदा गर्जाभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड
- ❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरुणा लोखंडे  
आयु. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे
- ❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गान
- ❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव
- ❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2310735-8



वर्षे अकरावे । अंक सहावा । मे २०२१



हरपले सारे  
हिसकावला घास  
थांबला काळ  
कोंडला धास

संपादक

# रमाई

२७ मे ( रमाई स्मृतिदिन )



सुख घेणाच्या परिस्थितीत,  
मुष्टेला संसाट सुखाला

दोष्टकं जेज्जत आदुष्यवट स्पस्ता खाऊन,

जगाला सुखी करणाच्या अहिंसेत,

हवतः खूप जगावस योग्य देन्तीला

माझ्या अठवट आयुष्यात एक सुखाला त्यागून,

माझ्या कठीण जीवना मार्गात,

उद्धमणी होण्यास तत्परता दाखवून

मुष्टीत फारुर्त, मज्जात औदार्य जाणीव आयुर्त,

ज्येष्ठीयत्वातलं पाकिव्य,

सगलं अपाणि अविचल मनोवृत्ती दाखवणाच्या

आत्मव्यक्तीच्या अनाच्या उद्युक्त...

- डॉ. प्राणासाहेब जोशितकर

(संपादक असेल पाकिस्तान या मुष्टकाची अर्पणपरिचर)

## ❖ रमाई

❖ तारी : अकरावे । अंक : ६ वा । मे २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशीला गवदे  
रोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. विजया शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा सालवे  
कल्पना बाहुळे  
शारदा गजभिये  
राजकन्या गोंडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरूणा लोखंडे  
आयु. तर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा थोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवई  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चैतना सोनकांबळे

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
रेखांकन एल-१/२१/४,  
यामनगर, एन-२, मिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६,  
मो. ९४०३१२३९७५,  
९६२३७२६५२०

ISSN 2319735-8



वर्षे अकरावे । अंक सातवा । जून २०२१



जळती पाय  
जळते पोटा  
खाचखळग्यांची  
तुझी वाट

साहित्य

# रमाई

२५  
जून



संत कबीर  
जयंती

१७  
जून



राजमाता जिजाऊ  
पुण्यतिथी

२६  
जून



राजर्षी शाहू महाराज  
जयंती

## विनम्र अभिवादन

### ❖ रमाई

❖ वर्ष : अकरावे । अंक : ७ वा । जून २०२१

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकीय मंडळ : दैवशौला गवंडे  
शोभा खाडे  
ललिता खडसे  
बेबीनंदा पवार  
सुलभाश्री शिरसाट  
प्रा. किज्या शिरसाट  
सुनंदा जाधव  
डॉ. प्रज्ञा साळवे  
कल्पना वाहुळे  
शारदा गजाभिये  
राजकन्या गोडाणे  
डॉ. श्यामल गरूड

❖ मार्गदर्शक : ज. वि. पवार  
प्रा. रणजित मेश्राम  
डॉ. अरूणा लोखंडे  
आयु. उर्मिला पवार  
प्रा. डॉ. आशा बोरात  
प्रा. आशालता कांबळे  
प्रा. विजयकुमार गवंडे  
डॉ. संजय मून  
डॉ. चेतना सोनकांबळे

❖ मांडणी : सुधाकर निसर्गन

❖ मुखपृष्ठ : सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम  
संपादक  
'रेखांकन' एल-१/२१/४,  
रामनगर, एन-२, सिडको,  
औरंगाबाद. - ४३१००६.  
मो. ९४०३१२३३७५,  
९६२३७२६५२०

PUBLISHED IN MARATHI

ISSN-2519-7358  
ABD/RNP/428/2020-22

मासिक

रमाई

२५ डिसेंबर

'रमाई' मासिकाचा  
१३ वा  
वर्धापन दिन

२५  
डिसेंबर

भारतीय  
स्त्री मुक्ती दिन

❖ रमाई

❖ वर्ष : तेरावे। अंक : १ ला । डिसेंबर २०२२

❖ संपादक : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

❖ संपादकांय मंडळ : दैवशीला गवंदे

शोभा खाडे

ललिता खडसे

बेबोर्नंदा पवार

सुलभाश्री शिरसाट

प्रा. विजया शिरसाट

सूनंदा जाधव

डॉ. प्रजा माळवे

कल्पना वाहुळे

शारदा गजभिये

राजकन्या गोंडाणे

डॉ. श्यामल गरूड

डॉ. वंदना पाटील

डॉ. ललिता गोपाळ गिन्हे

❖ मार्गदर्शक

: मा. भीमराव य. अंबेडकर

मा. ज. वि. पवार

प्रा. रणजित मेश्राम

डॉ. अरुणा लोखंडे

मा. उर्मिला पवार

प्रा. डॉ. आशा थोरात

प्रा. आशालता कांबळे

प्रा. विजयकुमार गवई

डॉ. संजय मून

डॉ. चेतना सोनकांबळे

डॉ. क्षमा खोत्रागडे

❖ प्रकाशन

: रमाई प्रकाशन, औरंगाबाद

❖ मांडणी

: सुभाकर तिसर्ग

❖ मुखपृष्ठ

: सरदार जाधव

❖ पत्रव्यवहाराचा पत्ता : प्रा. डॉ. रेखा मेश्राम

संपादक

रेखांकर्ण एल-१/२१/४,

रामनगर, एन-२, सिडको,

औरंगाबाद, - ४३१००६,

मो. ९४०३१२३३७५,

९६२३७२६५२०